



NATIONAL PANCHAYAT AWARDS BEST PRACTICES OF AWARDEE PANCHAYATS AND INSTITUTIONS



2024

परिचय

भारत सरकार 2030 एजेंडा के तहत संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिस पर वह हस्ताक्षरकर्ता है। लगभग 2.7 लाख ग्राम पंचायतों (जीपी) और 32 लाख निर्वाचित प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका के साथ, इन स्थानीय निकायों के लिए पंचायती राज मंत्रालय (एमओपीआर) के 'सतत् विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण' (एलएसडीजी) के विषयगत दृष्टिकोण को अपनाना आवश्यक है। यह दृष्टिकोण चरणबद्ध और व्यापक तरीके से 'ग्राम पंचायत विकास योजना' के माध्यम से एसडीजी की योजना बनाने और उसे लागू करने पर केंद्रित है।

प्रयासों को कारगर बनाने के लिए, पंचायती राज मंत्रालय ने 17 सतत् विकास लक्ष्यों को 9 एलएसडीजी थीम में समूहीकृत किया है और इन थीमों के आधार पर राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों को नया रूप दिया है:

1. गरीबी मुक्त और बेहतर आजीविका युक्त पंचायत
2. स्वस्थ पंचायत
3. बाल हितेषी पंचायत
4. जल-पर्याप्त पंचायत
5. स्वच्छ और हरित पंचायत
6. आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा युक्त पंचायत
7. सामाजिक रूप से न्यायसंगत और सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत
8. सुशासन युक्त पंचायत
9. महिला-हितैषी पंचायत



ये पुरस्कार, जो पंचायतों के लिए एक प्रमुख प्रेरक हैं, पंचायती राज मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के रूप में मनाए जाने वाले दिन प्रदान किए जाते हैं। यह दिन 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के अधिनियमन का प्रतीक है, जो 1993 में लागू हुआ, जिसने पंचायतों को स्थानीय स्वशासन की संस्थाओं के रूप में संवैधानिक दर्जा दिया। इस वर्ष, पुरस्कार समारोह लोक सभा के आम चुनावों के कारण स्थगित कर दिया गया और 11 दिसंबर, 2024 को भारत के माननीय राष्ट्रपति की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित किया गया।

इस वर्ष (2024) लगभग 1.94 लाख ग्राम पंचायतों और समकक्ष निकायों ने राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार प्रतियोगिता में भाग लिया। यह उपलब्धि राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और पंचायतों के सहयोगात्मक प्रयासों के साथ-साथ इन हितधारकों के बीच एलएसडीजी के बारे में बढ़ती जागरूकता को दर्शाती है। यह ग्रामीण स्थानीय निकायों द्वारा स्थानीयकृत, विषयगत प्रयासों के माध्यम से एसडीजी के लिए 2030 एजेंडा को साकार करने की दिशा में मजबूत प्रगति को दर्शाता है।

14 अन्य केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों ने इन पुरस्कारों को अंतिम रूप देने में योगदान दिया, जो पुरस्कार विजेता चयन प्रक्रिया के प्रति मंत्रालय द्वारा अपनाए गए एकीकृत, पारदर्शी और संपूर्ण दृष्टिकोण को दर्शाता है।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2024 के तहत निम्नलिखित श्रेणियों के तहत 45 पुरस्कार प्रदान किए गए हैं:

» दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार (डीडीयूपीएसवीपी):

यह पुरस्कार उपर्युक्त 9 पुरस्कार विषयों में से प्रत्येक के तहत उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शीर्ष-3 रैंकिंग जीपी/समकक्ष निकायों के लिए है। इस वर्ष, इस श्रेणी के तहत कुल 27 पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2024 के लिए कुल 45 पुरस्कार विजेताओं (36 ग्राम पंचायतें, 3 ब्लॉक पंचायतें, 3 जिला पंचायतें और 3 संस्थानों) का चयन किया गया है।

» नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत विकास पुरस्कार: यह पुरस्कार डीडीयूपीएसवीपी के सभी 9 पुरस्कार विषयों के तहत उनके समग्र प्रदर्शन के लिए शीर्ष 3 ग्राम, ब्लॉक और जिला पंचायतों के लिए है। इस वर्ष, इस श्रेणी के तहत कुल 9 पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

» पुरस्कारों की विशेष श्रेणियाँ:

क) **ग्राम ऊर्जा स्वराज विशेष पंचायत पुरस्कार** ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों को अपनाने और उपयोग करने में उनके प्रदर्शन के लिए शीर्ष 3 जीपी/समतुल्य निकायों के लिए है। इस वर्ष, इस श्रेणी के तहत कुल 3 पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

ख) **कार्बन न्यूट्रल विशेष पंचायत पुरस्कार** ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों को अपनाने और उपयोग करने में उनके प्रदर्शन के लिए शीर्ष 3 जीपी/समतुल्य निकायों के लिए है। इस वर्ष, इस श्रेणी के तहत कुल 3 पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

ग) **पंचायत क्षमता निर्माण सर्वोत्तम संस्थान पुरस्कार** देश भर के 3 संस्थानों के लिए है जिन्होंने एलएसडीजी प्राप्त करने में जीपी को संस्थागत समर्थन प्रदान किया है। इस वर्ष इस श्रेणी के अंतर्गत कुल 3 पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

यह ई-बुक राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2024 से सम्मानित सभी पंचायतों की सर्वोत्तम प्रथाओं और उत्कृष्ट उपलब्धियों को दर्शाती है और अन्य पंचायतों और हितधारकों के लिए एक मार्गदर्शक और प्रेरणा का काम करेगी।



INTRODUCTION

The Government of India is committed to achieving the United Nations Sustainable Development Goals (SDGs) under the 2030 Agenda, to which it is a signatory. With approximately 2.7 lakh Gram Panchayats (GPs) and 32 lakh elected representatives playing a pivotal role, it is essential for these local bodies to adopt the Ministry of Panchayati Raj's (MoPR) thematic approach to the 'Localization of Sustainable Development Goals' (LSDGs). This approach focuses on planning and implementing the SDGs through the 'Gram Panchayat Development Plan' in a phased and comprehensive manner.

To streamline efforts, MoPR has grouped the 17 SDGs into 9 LSDG themes and revamped the National Panchayat Awards based on these themes:

1. Poverty-Free and Enhanced Livelihoods Panchayat
2. Healthy Panchayat
3. Child-Friendly Panchayat
4. Water-Sufficient Panchayat
5. Clean and Green Panchayat
6. Self-Sufficient Infrastructure in Panchayat
7. Socially Just and Socially Secured Panchayat
8. Panchayat with Good Governance
9. Women-Friendly Panchayat



These awards, a key motivator for Panchayats, are conferred annually by MoPR on April 24, celebrated as National Panchayati Raj Day. This day marks the enactment of the 73rd Constitutional Amendment Act, 1992, which came into effect in 1993, granting Panchayats constitutional status as institutions of local self-governance. This year, the award ceremony was deferred owing to General Elections to the Lok Sabha and held on 11th December, 2024 under the gracious presence of Hon'ble President of India.

This year (2024), approximately 1.94 lakh Gram Panchayats and equivalent bodies participated in the National Panchayat Awards competition. This accomplishment highlights the collaborative efforts of States, Union Territories, and Panchayats, as well as the increased awareness of LSDGs among these stakeholders. It signifies strong progress toward realizing the 2030 Agenda for SDGs through localized, thematic efforts by rural local bodies.

14 other Central Ministries and Departments contributed towards finalization of these awards depicting the integrated, transparent and exhaustive approach adopted by the Ministry towards the awardee selection process.

UNDER THE NATIONAL PANCHAYAT AWARDS 2024, 45 AWARDS HAVE BEEN CONFERRED UNDER THE FOLLOWING CATEGORIES:

- › **Deen Dayal Upadhyay Panchayat Satat Vikas Puraskar (DDUPSVP):** This award is for top-3 ranking GPs/Equivalent bodies for their outstanding performance under each of the abovementioned 9 award themes. This year, total 27 awards have been conferred under this category.
- › **Nanaji Deshmukh Sarvottam Panchayat Satat Vikas Puraskar:** This award is for top 3 Gram, Block and District Panchayats each for their aggregate performance under all the 9 award themes of DDUPSVP. This year, total 9 awards have been conferred under this category.
- › **Special categories of Awards:**
 - a) **Gram Urja Swaraj Vishesh Panchayat Puraskar** is for top 3 GPs/Equivalent Bodies for their performance in adoption and usage of renewable sources of energy. This year, total 3 awards have been conferred under this category.
 - b) **Carbon Neutral Vishesh Panchayat Puraskar** is for top 3 GPs/Equivalent Bodies for their performance in adoption and usage of renewable sources of energy. This year, total 3 awards have been conferred under this category.
 - c) **Panchayat Kshamta Nirmaan Sarvottam Sansthan Puraskar** is for 3 Institutions across the country who have provided institutional support to GPs in achieving LSDGs. This year, total 3 awards have been conferred under this category.

A total of 45 awardees (36 Gram Panchayats, 3 Block Panchayats, 3 District Panchayats and 3 Institutions) are selected for National Panchayat Awards 2024.

This e-book reflects the best practices and outstanding achievements of all awardee Panchayats conferred with National Panchayat Awards 2024 and will serve as a guidemap and inspiration for other Panchayats and stakeholders.





DO. No. 31553/MIN PR&FAHD/2024



संदेश

उल्लेखनीय है कि पंचायती राज मंत्रालय राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार-2024 के अंतर्गत राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के विजेताओं की सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक पुस्तिका ला रहा है, जिसमें उन पंचायतों के अच्छे कार्यों को संकलित किया जाएगा जिनके लिए उन्हें मान्यता दी गई है और पुरस्कृत किया गया है।

जमीनी स्तर पर विकास योजनाओं के समग्र कार्यान्वयन के लिए स्वस्थ और प्रतिस्पर्धी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए पंचायतों को पुरस्कार के रूप में प्रोत्साहित करना और उन्हें मान्यता देना अच्छी तरह से स्वीकृत नीतियों में से एक है। इस प्रयास के तहत, पंचायती राज मंत्रालय स्थानीय स्वशासन में अपने प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन के रूप में सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाली पंचायती राज संस्थाओं को पुरस्कारों के माध्यम से प्रोत्साहित कर रहा है।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2024 की विभिन्न श्रेणियों के विजेता 2.78 लाख पंचायतों/ ग्रामीण स्थानीय निकाय के बीच से विजयी हुए हैं। इनका चयन ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बहुस्तरीय प्रतियोगिता के बाद सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण से संबंधित उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए किया गया था, जो स्थानीय स्तर पर इन लक्ष्यों की प्राप्ति में योगदान देने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मैं उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देता हूं, साथ ही मैं ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थाओं से जुड़े सभी हितधारकों को यह पुस्तिका प्रदान करने की अनुशंसा करता हूं। मुझे उम्मीद है कि यह पुस्तिका उनके लिए उपयोगी होगी।

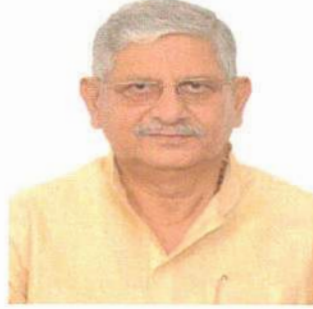
(राजीव रंजन सिंह)

राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह
RAJIV RANJAN SINGH ALIAS LALAN SINGH



पंचायती राज मंत्री
एवं मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री
भारत सरकार
Minister of Panchayati Raj and
Minister of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying
Government of India

DO. No. 31553 MIN PR&FAHD/2024



Message

It is noteworthy that Ministry of Panchayati Raj is bringing out a booklet on the best practices of National Panchayat Awardees conferred with National Panchayat Awards-2024 compiling the good works of the Panchayats for which they have been recognized and awarded.

Incentivizing and recognizing the Panchayats in form of awards is one of the well accepted policies for creating a healthy and competitive ecosystem for holistic implementation of developmental plans at the grassroots level. Towards this endeavor, Ministry of Panchayati Raj has been incentivizing the best performing Panchayati Raj Institutions through awards as an encouragement to enhance their performance in local self-governance.

The winners of various categories of the National Panchayat Awards 2024 came out in flying colours from among 2.78 lakh Panchayats/rural local bodies selected after a multi-level competition at the Block, District, State and National levels for their noteworthy works related to localization of Sustainable Development Goals which reflects their commitment to contribute towards attainment of these goals at local level.

While I congratulate and bestow upon the awardees my best wishes for their achievements, I commend this booklet to all stakeholder who are associated with the rural development and Panchayati Raj Institutions. I hope this booklet will be useful for them.

(Rajiv Ranjan Singh)

प्रो. एस.पी. सिंह बघेल
राज्य मंत्री
मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी
एवं
पंचायती राज मंत्रालय
भारत सरकार



Prof. S.P. SINGH BAGHEL
Minister of State for
Fisheries, Animal Husbandry & Dairying
and
Panchayati Raj
Government of India

संदेश

यह बहुत खुशी की बात है कि पंचायती राज मंत्रालय राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार-2024 के तहत राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार विजेताओं की सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करने वाली एक पुस्तिका प्रकाशित कर रहा है। यह संकलन सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में देश भर में पंचायतों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों पर प्रकाश डालता है।

सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के हस्ताक्षरकर्ता के रूप में, भारत 17 एसडीजी प्राप्त करने और "सब का साथ, सबका विकास" या "सभी के साथ और सभी के लिए विकास" के आदर्श वाक्य के साथ समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। पंचायती राज मंत्रालय ने पंचायती राज संस्थानों को शामिल करके और उन्हें उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए मान्यता देकर एसडीजी को स्थानीय बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के स्थानीयकरण के अनुरूप हैं और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में पंचायतों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देते हैं। पुरस्कारों का उद्देश्य स्थानीय शासन में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना, नवाचार को प्रोत्साहित करना और सतत विकास को बढ़ावा देना है। इन्हें विभिन्न श्रेणियों में दिया जाता है, जिनमें दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार और नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत विकास पुरस्कार शामिल हैं।

उत्कृष्टता कोई मंजिल नहीं है; यह एक सतत यात्रा है। उत्कृष्टता की निरंतर खोज के लिए राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार विजेताओं को बधाई। मेरा मानना है कि यह पुस्तिका पुरस्कृत पंचायतों की सर्वोत्तम प्रथाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित करके दूसरों को प्रेरित करेगी। इसके अलावा, यह पंचायतों, निर्वाचित प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों के लिए एक मूल्यवान संसाधन होगा।

सा/७८ बघेल

(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

प्रो. एस.पी. सिंह बघेल
राज्य मंत्री
मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी
एवं
पंचायती राज मंत्रालय
भारत सरकार



Prof. S.P. SINGH BAGHEL
Minister of State for
Fisheries, Animal Husbandry & Dairying
and
Panchayati Raj
Government of India



MESSAGE

It is a matter of great pleasure that the Ministry of Panchayati Raj is publishing a booklet showcasing the best practices of National Panchayat Awardees under the National Panchayat Awards-2024. This compilation highlights the exemplary work done by Panchayats across the country in achieving the Sustainable Development Goals (SDGs).

As a signatory to the 2030 Agenda for Sustainable Development, India is committed to achieving 17 SDGs and promoting inclusive development with the motto of "Sab Ka Saath, Sab Ka Vikas" or "development with all, and for all." The Ministry of Panchayati Raj has taken a significant step towards localizing SDGs by involving Panchayati Raj Institutions and recognizing them for their outstanding work.

The National Panchayat Awards align with the Localization of Sustainable Development Goals (LSDGs) and recognize the outstanding work done by Panchayats in achieving these goals. The awards aim to promote excellence in local governance, encourage innovation, and foster sustainable development. They are given in various categories, including the Deen Dayal Upadhyay Panchayat Satat Vikas Puraskar and the Nanaji Deshmukh Sarvottam Panchayat Satat Vikas Puraskar.

Excellence is not a destination; it's a continuous journey. Congratulations to the National Panchayat Awardees for their relentless pursuit of excellence. I believe this booklet will inspire others by showcasing the best practices and achievements of the awarded Panchayats. Furthermore, it will be a valuable resource for Panchayats, elected representatives, and office bearers.

(Handwritten signature of Prof. S. P. Singh Baghel)

(Prof. S. P. Singh Baghel)

विवेक भारद्वाज, भा.प्र.से.
सचिव
Vivek Bharadwaj, IAS
Secretary



भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड,
कृषि भवन, नई दिल्ली-110001

Government of India
Ministry of Panchayati Raj
Dr. Rajendra Prasad Road,
Krishi Bhawan, New Delhi-110001



संदेश

भारत 2030 के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर हस्ताक्षर करने वाले देशों में से एक है। पंचायती राज मंत्रालय (एमओपीआर), पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) की शासन क्षमता का निर्माण करके और उन्हें पुरस्कार और मान्यता के माध्यम से प्रोत्साहित करके ग्रामीण स्थानीय स्तर पर एसडीजी की प्राप्ति के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्रालय ने राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों को पुरजोर तरीके से तैयार किया है, जो पुरस्कार वर्ष 2023 से प्रभावी होंगे। इसमें पंचायतों के निष्पादन को सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण (एलएसडीजी) के अनुरूप बनाया गया है। यह दूसरा वर्ष है जब मंत्रालय एलएसडीजी पर उनके सराहनीय कार्यों के लिए पंचायतों को पुरस्कार प्रदान कर रहा है।

मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि इस वर्ष के राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों में 1.94 लाख पंचायतों ने भागीदारी की, जिससे एलएसडीजी के लक्ष्य प्राप्ति के प्रति उनके समर्पण और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ब्लॉक, जिला, राज्य/केंद्र शासित प्रदेश तथा राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों की पिरामिड बहुस्तरीय प्रतियोगिता से चयनित पंचायतों द्वारा एल.एस.डी.जी. की दिशा में किए गए प्रयास अत्यंत सराहनीय तथा अनुकरणीय हैं। इन पंचायतों की सर्वोत्तम प्रथाओं को मंत्रालय द्वारा इस पुस्तिका में संकलित किया गया है, ताकि देश की अन्य पंचायतें भी उनसे प्रेरित होकर इसी प्रकार के विकास कार्य कर सकें।

मुझे आशा है कि पुरस्कृत पंचायतों की सर्वोत्तम प्रथाओं के संग्रह की पुस्तिका पंचायती राज संस्थाओं, निर्वाचित प्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों के लिए प्रेरणादायक और उपयोगी होगी।

विवेक भारद्वाज
(विवेक भारद्वाज)

विवेक भारद्वाज, भा.प्र.से.
सचिव
Vivek Bharadwaj, IAS
Secretary



भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड,
कृषि भवन, नई दिल्ली-110001
Government of India
Ministry of Panchayati Raj
Dr. Rajendra Prasad Road,
Krishi Bhawan, New Delhi-110001



MESSAGE

India is one of the signatories to the Sustainable Development Goals (SDGs) target of 2030. The Ministry of Panchayati Raj (MoPR) is committed to the attainment of SDGs at the rural local level by building governance capability of the Panchayati Raj Institutions (PRIs) and also incentivizing them through awards and recognition.

The National Panchayat Awards have been revamped by the Ministry with effect from Award Year 2023 aligning the performance of the Panchayats to the localization of sustainable development goals (LSDGs). This is the second year that the Ministry is conferring awards on the Panchayats for their commendable works on LSDGs.

It brings me immense pleasure to mention that this year's National Panchayat Awards saw participation of 1.94 lakh Panchayats demonstrating their dedication and commitment towards attainment of the LSDG.

The efforts undertaken by the Panchayats selected from the pyramidal multi-level competition at Block, District, State/UT, and National level of National Panchayat Awards in the direction of LSDGs is extremely praiseworthy and exemplary. The best practices of these Panchayats have been compiled by the Ministry in this booklet so that other Panchayats in the country can be inspired to do similar developmental works.

I hope the booklet of collection of best practices of awardee panchayats will be inspiring and useful for Panchayati Raj Institutions, elected representatives and other stakeholders.

Vivek Bharadwaj
(Vivek Bharadwaj)



गरीबी मुक्त

एवं उन्नत आजीविका युक्त पंचायत

● गरीबी मुक्त पंचायत वह है जो निम्नलिखित को सुनिश्चित करती है:

- सामाजिक सुरक्षा ताकि कोई भी व्यक्ति गरीबी में वापस न जाए
- सभी के लिए बेहतर आजीविका के साथ विकास और समृद्धि

स्थानीय उद्देश्य एवं लक्ष्य:

- व्यक्तिगत/सामूहिक उद्यमों के माध्यम से आर्थिक विकास और रोजगार सृजन
- स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और समूह से जुड़े किसान समूह सदस्यों का 100% बैंक लिंकेज
- केंद्रीय और राज्य आधारित पोर्टलों पर किसानों का 100% पंजीकरण
- आवास, जल और स्वच्छता आदि जैसी बुनियादी सेवाओं तक पहुँच प्रदान करना
- सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत पात्र लाभार्थियों का 100% पंजीकरण।
- 100% पात्र आवेदकों को एमजीएनआरईजीएस जॉब कार्ड और रोजगार गारंटी योजना के तहत सक्रिय जॉब कार्ड धारकों को निरंतर रोजगार।
- पीडीएस के तहत 100% पात्र परिवारों का नामांकन और पात्रता आधारित राशन कार्ड सुनिश्चित करना।
- आयुष्मान भारत कार्ड योजना के तहत पात्र नागरिकों का 100% कवरेज
- नागरिक चार्टर के अनुसार सेवाओं तक 100% पहुँच।



ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- सामाजिक आर्थिक और जाति जनगणना / मिशन अंत्योदय डेटा के अनुसार लाभार्थी (वंचित) की पहचान
- जॉब कार्ड का प्रभावी वितरण
- पीडीएस में पंजीकरण की सुविधा प्रदान करना
- कौशल प्रशिक्षण, उद्यमिता विकास और रोजगार के माध्यम से आय सृजन
- सिंचाई, बेहतर बीज, जैव-उर्वरक, उपयुक्त नई प्रौद्योगिकियों की पहचान, केवीके के उपयोग के माध्यम से भूमि उत्पादकता में सुधार
- प्रशिक्षण और बैंक लिंकेज तक पहुँच के माध्यम से स्वयं सहायता समूह को मजबूत करना
- जीपीडीपी फंड और कार्यक्रमों का अभिसरण





POVERTY FREE AND ENHANCED LIVELIHOODS PANCHAYAT



A POVERTY FREE PANCHAYAT IS ONE WHICH ENSURES:

- › Social protection so that none slip back to poverty
- › Growth and prosperity with enhanced livelihoods for all

LOCAL GOALS AND TARGETS:

- › Economic development & employment generation through individual/collective enterprises
- › 100% bank linkages of Self Help Groups (SHGs) and Farmers Group Members associated with Group
- › 100% registration of farmers on central and state based portals
- › Providing access to basic services such as Housing, Water and Sanitation etc.
- › 100% registration of eligible beneficiaries under social security schemes.
- › MGNREGS Job cards to 100% eligible applicants and continuous employment to active job card holders under Employment Guarantee Scheme.
- › 100% enrolment eligible families under PDS and ensuring entitlement based ration cards.
- › 100% coverage of eligible citizens under Ayushman Bharat Card Scheme
- › 100% access to services in accordance with the Citizen Charter.



ROLE OF GRAM PANCHAYATS:

- › Beneficiary identification (deprived) as per SECC/MA data
- › Effective distribution of job cards
- › Facilitating registration in PDS
- › Income generation through skill training, entrepreneurship development and employment
- › Improvement in land productivity through irrigation, better seeds, bio-fertilizers, identification of appropriate new technologies, use of KVKs
- › Strengthening SHGs by handholding training and accessing bank linkages
- › Convergence of GPDP funds and programs



गलीबीडु

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: मदिकेरी;

जिला पंचायत: कोडागु; राज्य: कर्नाटक



गरीबी मुक्त एवं
उन्नत आजीविका
युक्त पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: - 218670

परिवार: - 1024

कुल जनसंख्या: - 3802

(पुरुष- 1973 महिला- 1892)

कुल निर्वाचित सदस्य: - 9

(पुरुष -4 महिला-5)

कुल राशन कार्ड: - 851

मनरेगा के तहत कुल जॉब कार्ड: - 235

कुल स्वयं सहायता समूह: - 20



मुख्य उपलब्धियाँ

- स्वयं के संसाधनों का अधिकांश हिस्सा गरीबी उन्मूलन के लिए आवंटित किया जाता है, जिसमें सिलाई मशीनें, मधुमक्खी बक्से, और घर की मरम्मत, चिकित्सा और अंतिम संस्कार खर्च, शिक्षा और होमस्टे और सुअर पालन जैसे छोटे व्यवसायों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
- 100% पात्र 593 व्यक्ति सामाजिक सुरक्षा पेंशन के अंतर्गत आते हैं तथा उन्हें नियमित रूप से पेंशन जारी की जाती है। सभी विशेष रूप से सक्षम 61 व्यक्तियों को यूआईडी कार्ड जारी किए गए हैं तथा उन्हें नियमित पेंशन मिलती है।
- 100% बच्चे, गर्भवती महिलाएँ और स्तनपान करने वाली माताएँ पंजीकृत हैं तथा सभी आईसीडीएस और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत पात्र हैं।
- सभी 12 आंगनवाड़ियाँ उचित पोषण, समय पर टीकाकरण और स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करती हैं। इसलिए, बच्चों के विकास में कमी, एनीमिया या कम वजन के जीरो केस हैं।
- मनरेगा के अंतर्गत, 402 परिवारों को सुअर पालन, मुर्गी पालन, कॉफी और सुपारी की खेती तथा पशुपालन जैसे उपक्रमों के लिए सहायता मिली है, तथा सामुदायिक परियोजनाओं के दौरान उत्पादों को बेचकर आय अर्जित की जा रही है।



चुनौतियाँ

- जीपी के लिए सबसे बड़ी चुनौती 105 किलोमीटर में फैले छिटपुट घरों के लिए पानी उपलब्ध कराना।
- जीपी गलीबीडु में भारी बारिश होती है और अक्सर बाढ़ आती है और भूस्खलन से बुनियादी अवसंरचनाएं नष्ट हो जाती हैं।



दृष्टिकोण

- जीपी द्वारा सहायता प्राप्त स्वयं सहायता समूह, मत्स्य पालन, शराब उत्पादन और कॉफी, शहद, मसाले एवं चॉकलेट प्रसंस्करण जैसे उद्यमों को आगे बढ़ाने के लिए एनआरएलएम के माध्यम से ऋण प्राप्त करते हैं।
- जीपी के सहयोग से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अपनी खुद की फैक्ट्री स्थापित की है और आज उनके उत्पाद वैश्विक बाजारों में पहुँच गए हैं, जिससे उनकी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला है।
- जीपी गलीबीडु स्वयं सहायता समूह की मदद से पंचायत को स्वच्छ और हरा-भरा रखने के लिए कचरा संग्रहण और सफाई गतिविधियाँ चला रहा है।



प्राप्त समर्थन

- पंचायत ने सरकारी संगठनों, गैर-सरकारी संगठन (NGO) जैसे हितधारकों के सहयोग से लगातार चार वर्षों तक गांधी ग्राम पुरस्कार जीता है।
- गलीबीडु ग्राम पंचायत सतत ग्रामीण विकास की एक आदर्श भूमिका प्रस्तुत करता है।



सततता के लिए रोडमैप

- आने वाले वर्षों में ग्राम पंचायत का लक्ष्य छोटे किसानों को तकनीक और बाजारों से जोड़कर उन्हें प्रशिक्षित करना और स्थायी कृषि को बढ़ावा देना है।
- भविष्य महिला सशक्तिकरण और शिक्षा और नवीकरणीय संसाधनों के विकास के साथ हमारे नागरिकों की आजीविका को बढ़ाने का प्रतीक है। यह बदले में न केवल हमारी ग्राम पंचायत बल्कि हमारे जिले, हमारे राज्य और अंततः हमारे देश को भी सहायता करता है।
- प्रत्येक व्यक्ति का कल्याण हमारे आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए एक प्रगतिशील समाज की ओर ले जाता है।

GALIBEEDU

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: MADIKERI; DISTRICT PANCHAYAT:
KODAGU; STATE: KARNATAKA



**Poverty Free and
Enhanced
Livelihoods
Panchayat**



Profile:

Local Government Directory Code: - 218670

Households: - 1024

Total Population: - 3802

(Male- 1973 Female- 1892)

Total Elected Members: - 9

(Male -4 Female-5)

Total ration card: - 851

Total Job Card under MGNREGA: - 235

Total Self Help Group: - 20



KEY ACHIEVEMENTS

- 100% eligible 593 are covered under Social security pension & are regularly issued. All the specially abled 61 persons have been issued UID Cards & receive regular pensions.
- 100% children, pregnant women and lactating mothers are registered & all are eligible under the ICDS and Pradhan Mantri Matru Vandana Yojana.
- All 1024 households are covered under public distribution system & timely rations are distributed, including mobile rations for specially-abled residents.
- All the 12 Anganwadis ensure proper nutrition, timely immunization and healthcare. Hence, no cases of stunted growth, anemia, or underweight children have been reported.
- Under MGNREGA, 402 households have received support for ventures like piggery, poultry, coffee, and arecanut farming and cattle sheds earning income by selling the products while community projects.



CHALLENGES FACED

- The major challenge for the GP was to provide water for the scattered house spread across 105 KM.
- GP Galibeedu receives heavy rainfall and experience frequent floods and landslides destroys the infrastructures and



APPROACH TAKEN

- Self-help groups, supported by the GP, access loans through the NRLM to pursue ventures such as fish farming, wine production, and processing coffee, honey, spices and Chocolate.
- With the support of GP the Self Help Group women have set up their own factory and today their products have reached global markets boosting their economy
- GP Galibeedu with help of Self Help Group undertaking waste collection & cleaning activities keeping the Panchayat clean & green.



SUPPORT RECEIVED

- The Panchayat has won the Gandhi Gram Puraskar for four consecutive years. Through the support of stakeholders such as Government Organisations, NGO etc.
- Galibeedu Gram Panchayat stands as a role model of sustainable rural development.



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- In the future years the Gram Panchayat aims to train up & promote sustainable agriculture by connecting small scale farmers to technology & markets.
- Future stands as a symbol for women empowerment & enhance the livelihood of our citizens with education & development of renewable resources. This in turn supports not only our Gram Panchayat but also our district, our State & ultimately our Country.
- The welfare of each & every individual leads to a progressive society to achieving our dream a self-reliant India.

पेरुमपडप्पा

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: पेरुमपडप्पा;

जिला पंचायत: मलप्पुरम; राज्य: केरल



गरीबी मुक्त एवं
उन्नत आजीविका
युक्त पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: - 221564

परिवार: - 7576

कुल जनसंख्या: - 31622

(पुरुष- 14398; महिला- 17224)

कुल निर्वाचित सदस्य: - 18

(पुरुष -9 महिला-9)

कुल राशन कार्ड: - 7533

मनरेगा के तहत कुल जॉब कार्ड: - 779

कुल स्वयं सहायता समूह: -340



मुख्य उपलब्धियाँ

- कृषि और डेयरी विकास में 61.58 लाख खर्च किए गए और लगभग 3000 परिवार लाभान्वित हुए।
- स्वास्थ्य क्षेत्र में कुल व्यय: 35.82 लाख
- पीएमएवीवाई में 98% कवरेज
- पीडीएस प्रणाली में 100% कवरेज
- स्वयं सहायता समूहों के लिए स्वरोजगार सब्सिडी - 8.15 लाख



चुनौतियाँ

- समुदाय के सदस्य खास तौर पर किसान, मछुआरे, महिलाएं, बुजुर्ग और वंचित समूहों को आर्थिक अस्थिरता का सामना करना पड़ रहा है।
- स्वास्थ्य देखभाल लागतों से यह भेद्यता और बढ़ जाती है, जिससे गरीबी का जोखिम बढ़ जाता है।
- अलग-अलग आयु वर्ग के लोगों को अलग-अलग तरह की स्वास्थ्य सहायता की जरूरत होती है और एक स्वस्थ व्यक्ति स्वस्थ समाज का आधार होता है। लोग अक्सर मृत्यु और अचानक दुर्घटनाओं के कारण गरीबी में चले जाते हैं।
- आर्थिक और पर्यावरणीय अस्थिरता के कारण लोग कृषि और डेयरी क्षेत्र से दूर हो जाते हैं।



दृष्टिकोण

- इन चुनौतियों से निपटने के लिए पंचायत लक्षित कार्यक्रमों, कृषि और डेयरी पर सब्सिडी, महिलाओं के स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने और एसएचजी के लिए कार्य स्थल सुविधाएं प्रदान करने के साथ हाशिए पर रहने वाले समूहों को सक्रिय रूप से समर्थन देती है। शिक्षा पहल में वरिष्ठ नागरिकों के लिए जीवन भर के अर्जन के साथ-साथ बीपीएल, एससी और दिव्यांग बच्चों के लिए सहायता भी शामिल है।
- प्रशामक/ पैलिण्टिव देखभाल और पारंपरिक उपचारों सहित स्वास्थ्य देखभाल बुनियादी ढांचा आर्थिक बाधाओं को रोकने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देता है।



प्राप्त समर्थन

- सभी प्रकार की वित्तीय और संस्थागत सहायता केंद्रीय और राज्य विकास निधि से प्राप्त की जाती है; स्वयं के राजस्व स्रोत, ब्लॉक और जिला पंचायत निधि का उपयोग किया जाता है। केंद्रीय और राज्य सहायता का उपयोग करके विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जाती है।
- इसके श्रम घटक के लिए मनरेगा के तहत कुल 271 लाख रुपये खर्च किए गए।



सततता के लिए रोडमैप

- गरीबी उन्मूलन प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं से निपटने के लिए विशेषज्ञों के 10 कार्यकारी समूह हैं। और हमारे पास लोगों की योजना प्रक्रिया के हिस्से के रूप में गरीबी उन्मूलन के लिए हर साल एक अलग उप योजना बनाई जाती है

PERUMPUDAPPA

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: PERUMPUDAPPU; DISTRICT PANCHAYAT:
MALAPPURAM; STATE: KERALA



**Poverty Free and
Enhanced
Livelihoods
Panchayat**



Profile:

Local Government Directory Code: - 221564

Households: - 7576

Total Population: - 31622

(Male- 14398; Female- 17224)

Total Elected Members: - 18

(Male -9 Female-9)

Total ration card: - 7533

Total Job Card under MGNREGA: - 779

Total Self Help Group: -340



KEY ACHIEVEMENTS

- Spent 61.58 lakh in agriculture and dairy development and benefitted approx 3000 families.
- Total expenditure in the health sector : 35.82 Lakh
- 98 % coverage in PMMVY
- 100 % Coverage in PDS system
- Self -employment subsidy for SHGs — 8.15 lakh



CHALLENGES FACED

- Community members especially farmers, fishermen, women, elderly and marginalized groups are facing economic instability.
- This vulnerability exacerbated by health care costs increases the risk of poverty.
- People in different age groups needs different kinds of health assistance and an healthy person is the keystone of healthy society. People often fell in to poverty because of deceases and sudden accidents.



APPROACH TAKEN

- To address these challenges panchayat actively supports marginalized groups with targeted programs, subsidizing agriculture & dairy, encouraging women's self employment and providing work space facilities for SHGs. Education initiatives include assistance for children from BPL, SC and differently abled, along side life long earning for seniors.
- The health care infrastructure including palliative care and traditional therapies prioritizes community health to prevent economic setbacks.



SUPPORT RECEIVED

- All kinds of financial and institutional supports are obtained from Central and State Development fund; own source revenue, Block and District Panchayat funds are used. Various Social security pensions are given using Central and State assistance.
- A total of 271 Lakh rupees spent under MGNREGA for its labour component.



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- There are 10 working groups of experts dealing with different aspects of poverty alleviation process. And we have a separate sub plan formed every year for poverty alleviation as part of peoples planning process

बेतछेरा

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: कुमारघाट;

जिला पंचायत: उनकोटि; राज्य: त्रिपुरा



गरीबी मुक्त एवं
उन्नत आजीविका
युक्त पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: - 104025

परिवार: - 625

कुल जनसंख्या: - 2603

(पुरुष- 1307 महिला- 1296)

कुल निर्वाचित सदस्य: - 9

(पुरुष -4 महिला-5)

कुल राशन कार्ड: - 625

मनरेगा के तहत कुल जॉब कार्ड: - 542

कुल बीपीएल महिलाएँ: -327

कुल स्वयं सहायता समूह: - 46



मुख्य उपलब्धियाँ

- आंगनवाड़ी केंद्रों और स्कूलों में बच्चों का 100% नामांकन
- जेजेएम के माध्यम से बिजली, एलपीजी कनेक्शन और नल के पानी के कनेक्शन के मामले में परिवारों का 100% कवरेज, पीडीएस प्रणाली का 100% कवरेज।
- 54.56 लाख रुपये की राशि का उपयोग करके मनरेगा के तहत 25,149 व्यक्ति दिवस बनाए गए और मनरेगा में 100% समय पर भुगतान सुनिश्चित किया गया।
- 48 स्वयं सहायता समूहों में 480 महिलाओं का नामांकन और टीआरएलएम के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों के बीच 165.5 लाख रुपये की ऋण राशि वितरित की गई और बीपीएल परिवारों का 100% प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया।
- पीएमएवाई (जी) के तहत 413 लाभार्थियों को आवास लाभ मिला।
- सामाजिक पेंशन योजनाओं के तहत 414 पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया।



चुनौतियाँ

- स्थानीय लोगों में ग्राम सभा में भाग लेने के प्रति अनिच्छा।
- रोजगार योजनाओं के बारे में लोगों में जागरूकता की कमी।



दृष्टिकोण

- रबर नर्सरी और रबर प्रसंस्करण इकाई, अगरबत्ती स्टिक बनाने की इकाई के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराया गया।
- सभी मौसम की सड़कें, पुलिया, 100% सौर स्ट्रीट लाइट कवरेज, डोर टू डोर कचरा संग्रह जैसी महत्वपूर्ण पंचायत अवसरचनाओं का विकास करना, जिसमें सामुदायिक खाद गड्ढे, घरेलू खाद गड्ढे, सड़क किनारे कचरा डब्बा, बैटरी चालित ट्राई-साइकिल, प्लास्टिक बैंक, अपशिष्ट पृथक्करण शोड, जल निकासी प्रणाली, सोख गड्ढे जैसी ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन सुविधा की उचित व्यवस्था शामिल है।



प्राप्त समर्थन

- मनरेगा, 15वें वित्त आयोग, राज्य सरकार निधि, मनरेगा, पीएमएवाई (जी), एसबीएम (जी)
- एसएचजी में महिलाओं की भागीदारी के लिए टीआरएलएम द्वारा प्रोत्साहन।



सततता के लिए रोडमैप

- स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को शामिल करते हुए प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित लघु उद्योग स्थापित करना।
- जीपीडीपी की तैयारी में सामाजिक गतिविधियों में महिलाओं, युवाओं और छात्रों की भागीदारी में सुधार।
- प्रत्येक स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र में किचन गार्डन बनाकर स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता में सुधार।
- घर-घर जाकर कचरे का संग्रहण और इसका उचित निपटारा।
- सभी हितधारकों के बीच जागरूकता फैलाना।

BETCHERRA

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: KUMARGHAT; DISTRICT PANCHAYAT:
UNAKOTI; STATE: TRIPURA



**Poverty Free and
Enhanced
Livelihoods
Panchayat**



Profile:

Local Government Directory Code: - 104025

Households: - 625

Total Population: - 2603

(Male- 1307 Female- 1296)

Total Elected Members: - 9

(Male -4 Female-5)

Total ration card: - 625

Total Job Card under MGNREGA: - 542

Total BPL women:-327

Total Self Help Group: - 46



KEY ACHIEVEMENTS

- 100% enrollment of children in AWCs and Schools
- 100% coverage of households in terms of electric , LPG connection and tap water connection through JJM , 100% coverage of PDS system.
- 25,149 Person days generated under MGNREGA by utilizing fund amounting to Rs. 54.56 Lakh and 100% timely payment is ensured in MGNREGA.
- Enrollment of 480 women in 48 nos. SHGs and loan amount of Rs. 165.5 lakh was distributed among the SHGs through TRLM and 100% representation from BPL families is ensured.
- 413 beneficiaries received housing benefit under PMAY(G)
- 414 eligible beneficiaries are benefitted under social pension schemes.



CHALLENGES FACED

- Reluctance among locals to attend Gram Sabha.
- Lack of awareness among people about employment schemes.



APPROACH TAKEN

- Employment provided through rubber nursery and rubber processing unit, Agarbatti stick making unit.
- Developing critical Panchayat infrastructures like all weather Roads, culverts, 100% solar street light coverage, door to door waste collection including proper arrangements of solid & liquid waste management facility like community compost pit , household compost pit , road side waste bin, battery operated tri-cycle ,plastic banks, waste segregation shed, drainage system, soak pit.



SUPPORT RECEIVED

- MGNREGA, XV FC , State Government Funds, MGNREGA ,PMAY(G) ,SBM(G)
- Encouragement by TRLM for women participation in SHGs.



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Establishing small scale business based on natural resources involving SHG members.
- Improvement of women, youth and students participation, in social activities in preparation of GPDP.
- Enhancing the quality of mid-day meal at schools and Anganwadi Centre by creating kitchen gardens at each of the schools and AWC.
- Door to door garbage collection and proper disposal.
- Awareness generation among all stakeholders

स्वस्थ पंचायत



● एक स्वस्थ पंचायत वह है जो निम्नलिखित को सुनिश्चित करती है:

- › सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए अच्छा स्वास्थ्य और खुशहाली
- › गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ
- › सभी का टीकाकरण
- › उचित और किफायती कीमतों पर दवाओं की उपलब्धता

स्थानीय उद्देश्य एवं लक्ष्य:

- › बौनेपन और कमजोरी को खत्म करना
- › किशोरियों और महिलाओं में एनीमिया को खत्म करना
- › कम लागत, अत्यधिक पौष्टिक और स्थानीय रूप से खरीदे जाने वाले अनाज, सब्जियाँ, फल, अंडे आदि।
- › संक्रामक रोगों के लिए निवारक और उपचारात्मक उपाय
- › शून्य मातृ मृत्यु, 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु
- › सभी के लिए चिकित्सा देखभाल और स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रावधान
- › खुले में शौच मुक्त + (ओडीएफ+) का दर्जा हासिल करना



ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- › बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना (पोषण, परामर्श, सैनिटरी नैपकिन का उपयोग और सुरक्षित निपटान आदि)
- › माताओं और बच्चों के पूर्ण टीकाकरण की सुविधा प्रदान करना
- › संक्रामक रोगों (एनीमिया, टीबी, एचआईवी आदि) और गैर-संक्रामक रोगों/जीवन शैली रोगों (मधुमेह, कैंसर आदि) की रोकथाम और उपचार की सुविधा प्रदान करना
- › विवाह और गर्भावस्था की आयु, मानसिक स्वास्थ्य और विकलांगता के बारे में जागरूकता
- › वृद्धावस्था देखभाल सहायता
- › आयुष का प्रचार और उपयोग





HEALTHY PANCHAYAT

A POVERTY FREE PANCHAYAT IS ONE WHICH ENSURES:

- › Good health and well-being for all at all ages
- › Quality health services
- › Vaccination of all
- › Availability of medicines at reasonable and affordable prices

LOCAL GOALS AND TARGETS:

- › Eliminate stunting and wasting
- › Eliminate anaemia amongst adolescent girls and women
- › Low cost, highly nutritious and locally procured cereals, vegetables, fruits, eggs etc.
- › Preventive and curative measures for communicable diseases
- › Zero maternal deaths, child deaths under 5 years
- › Provision for medical care and health facilities for all
- › Achieving Open Defecation Free+ status



ROLE OF GRAM PANCHAYATS:

- › Ensuring children and mothers health (Nutrition, counselling, use & safe disposal of sanitary napkins etc.)
- › Facilitating full immunization of mothers and children
- › Prevention and facilitating treatment of communicable diseases (Anaemia, TB, HIV etc.) and non-communicable diseases/ life style diseases (diabetes, cancer etc.)
- › Awareness on marriage and pregnancy age, mental health and disabilities
- › Old-age care support
- › Promotion and use of AYUSH



बोम्मासमुद्रम

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: इरला;

जिला पंचायत: चित्तूर; राज्य: आंध्र प्रदेश



स्वस्थ पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: - 197065

कुल जनसंख्या: - 1682

(पुरुष- 851 महिला- 831)

कुल निर्वाचित सदस्य:- 11

(पुरुष -6 महिला-5)

ग्राम स्वास्थ्य क्लिनिक की संख्या: -1



मुख्य उपलब्धियाँ

- प्रथम तिमाही में 100% गर्भावस्था पंजीकरण प्राप्त किया गया।
- वित्तीय वर्ष 2022-23 में 22 प्रसव चिकित्सा संस्थाओं में किए गए, जिससे सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित हुआ।
- मातृ एवं शिशु मृत्यु शून्य दर्ज की गई जो प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल प्रथाओं का प्रमाण है।
- कुशल स्वास्थ्य ट्रेकिंग के लिए आयुष्मान भारत के अंतर्गत 783 डिजिटल स्वास्थ्य पहचान पत्र जारी किए गए।
- सतत पोषण कार्यक्रमों के माध्यम से अविकसित और कम वजन वाले बच्चों की दर में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई।
- नालियों की दैनिक सफाई, फॉगिंग, छिड़काव, तथा ओवरहेड टैंकों का नियमित क्लोरीनीकरण सहित लगातार स्वच्छता संबंधी उपाय किए गए, जिसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक स्थान अधिक स्वच्छ हो गए हैं।



चुनौतियाँ

- ग्राम पंचायत बोम्मासमुद्रम को सांस्कृतिक मान्यताओं और ग्रामीणों के बीच सीमित स्वास्थ्य जागरूकता के कारण भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा जिससे स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी पहल शुरू करना मुश्किल हो गया था।
- शुरुआत में व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के उपयोग में अनिच्छा थी जिससे स्वच्छता उपायों में बाधा उत्पन्न हुई।
- सभी घरों में पर्याप्त पोषण सुनिश्चित करने के लिए संतुलित आहार तक सीमित पहुंच।



दृष्टिकोण

- ग्राम पंचायत बोम्मासमुद्रम ने पोषण, स्वच्छता और स्वास्थ्य देखभाल के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष रूप से माताओं को लक्ष्य करके आईईसी अभियान चलाया।
- राज्य में ग्राम स्वास्थ्य क्लीनिकों की स्थापना एक अनूठी पहल है, जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों और सहायक नर्स दाइयों की तैनाती की गई है जिससे सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।
- आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को पौष्टिक आहार तथा गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं और 6 माह से 15 वर्ष की आयु के बच्चों को फोलिक एसिड, आयरन की गोलियाँ और विटामिन (A) सिरप सहित आवश्यक पूरक आहार प्रदान किया गया, जिससे बेहतर स्वास्थ्य परिणामों को बढ़ावा मिला।



प्राप्त समर्थन

- जीपी को केंद्र और राज्य सरकारों से महत्वपूर्ण समर्थन मिला, जिसमें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और पोषण अभियान जैसे कार्यक्रम शामिल हैं, जो मातृ और शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक संसाधन और शिक्षा प्रदान करते हैं। किलकारी जागरूकता कार्यक्रम, नियमित कृमि मुक्ति शिविर और आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (ABHA) कार्ड के प्रावधान ने निवारक स्वास्थ्य उपायों को बढ़ावा दिया।



सततता के लिए रोडमैप

- ग्राम पंचायत बोम्मासमुद्रम ने स्वास्थ्य मानकों को बनाए रखने और उन्हें और बेहतर बनाने के लिए एक व्यापक योजना तैयार की है। पंचायत का इरादा खाद्य सुरक्षा और पोषण बढ़ाने के लिए सभी घरों में रसोई उद्यानों को प्रोत्साहित करना है।
- स्थायी प्रगति के लिए यह सुनिश्चित करना कि स्वास्थ्य और कल्याण समुदाय के अंतर्निहित मूल्य बन जाए।

BOMMASAMUDRUM

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT:IRALA; DISTRICT PANCHAYAT:
CHITTOOR; STATE: ANDHRA PRADESH

Healthy Panchayat



Profile:

Local Government Directory Code: - 197065

Total Population: - 1682 (Male- 851 Female- 831)

Total Elected Members: - 11 (Male -6 Female-5)

Number of Village Health Clinic:-1

KEY ACHIEVEMENTS

- Achieved 100% first-trimester pregnancy registration.
- 22 childbirths in the 2022-23 fiscal year were conducted in medical institutions, ensuring safer delivery practices.
- Recorded zero maternal and child deaths, a testament to effective healthcare practices.
- Issued 783 digital health identity cards under Ayushman Bharat for efficient health tracking.
- Registered a significant decrease in rates of stunted and underweight children through sustained nutrition programs.
- Conducted consistent sanitation measures, including daily drain cleaning, fogging, spraying, and routine chlorination of overhead tanks, resulting in cleaner public spaces.

CHALLENGES FACED

- GP Bommasamudrum faced substantial challenges due to cultural beliefs and limited health awareness among the villagers, making it difficult to introduce health and hygiene initiatives.
- There was initial reluctance to use individual household toilets, which impeded sanitation measures.
- Limited access to balanced diets in ensuring adequate nutrition across all households.

APPROACH TAKEN

- GP Bommasamudrum undertook focused IEC campaigns, particularly targeting mothers, to raise awareness about the benefits of nutrition, hygiene, and healthcare.
- The establishment of Village Health Clinics, a unique initiative in the State, staffed with Community Health Officers and Auxiliary Nurse Midwives, provided accessible healthcare services.
- Nutritional food to children in Anganwadi centres and essential supplements including folic acid, iron tablets, and vitamin A syrup, were provided to pregnant and lactating women and children of age 6 months to 15 years, promoting better health outcomes.

SUPPORT RECEIVED

- GP received critical support from the Central and State Governments, including programs like Pradhan Mantri Matru Vandana Yojana and POSHAN ABHIYAN, which offered essential resources and education to improve maternal and child health. The KILKARI awareness program, regular deworming camps, and the provision of Ayushman Bharat Health Accounts (ABHA) cards bolstered preventive health measures.

ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- GP Bommasamudrum has charted a comprehensive plan to maintain and further improve health metrics. The Panchayat intends to encourage kitchen gardens across all households to enhance food security and nutrition.
- Ensuring the health and wellness become ingrained values within the community for sustainable progress.

केलुआपल्ली

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: रंगडलुंडा;

जिला पंचायत: गंजम; राज्य: ओडिशा



स्वस्थ पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: - 117961

कुल जनसंख्या: - 4267

(पुरुष- 2116 महिला- 2151)

कुल निर्वाचित सदस्य:- 13

(पुरुष -6 महिला-7)

ग्राम स्वास्थ्य क्लिनिक की संख्या:- 1



मुख्य उपलब्धियाँ

- उचित चिकित्सा देखभाल के कारण 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है, जिसके परिणामस्वरूप बच्चे अधिक स्वस्थ हैं तथा रोकथाम योग्य रोगों से होने वाली मृत्यु दर में भी कमी आई है।
- पर्याप्त पोषण के कारण 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में कम वजन का प्रतिशत शून्य है, जो स्वस्थ वृद्धि और विकास सुनिश्चित करता है, साथ ही उचित मातृ देखभाल और पोषण के कारण शिशु मृत्यु दर शून्य है।
- इसके अतिरिक्त, डेंगू से एक भी मृत्यु नहीं हुई है, किशोरियों में एनीमिया नहीं पाया गया है, तथा केन्द्रित स्वास्थ्य सेवाओं के कारण 5 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं की मृत्यु शून्य हुई है।
- इसके अलावा, पात्र बच्चों का 100% टीकाकरण और कुमि मुक्ति एवं निदान के लिए नियमित स्वास्थ्य शिविरों से सामुदायिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, जबकि घर-घर जाकर सेवाएं देने और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान से समुदाय को रोग की रोकथाम के बारे में शिक्षित किया जाता है।



चुनौतियाँ

- कोविड-19, मंकोपाक्स, इबोला और डेंगू जैसी उभरती बीमारियों के बारे में निवासियों में जागरूकता की कमी।
- अपर्याप्त स्वच्छता उपायों के कारण वेक्टर जनित रोगों में वृद्धि हो गई थी।
- जीपी केलुआपल्ली को जूनोटिक बीमारियों की रोकथाम और सर्पदंश के खतरे से निपटने में भी संघर्ष करना पड़ रहा है, जो समुदाय के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं।



दृष्टिकोण

- केलुआपल्ली ग्राम पंचायत ने उभरती बीमारियों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष आईईसी गतिविधियाँ, जागरूकता शिविर और पंचायती राज संस्थान तथा वार्ड सदस्यों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया है।
- स्कूलों और आंगनवाड़ियों में चलाए जाने वाले वॉश अभियान, क्लोरीन की गोतियों से नालियों को सफाई और बोरवेल शुद्धिकरण को बढ़ावा देते हैं।
- एसबीएम कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रभावी ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन से मलेरिया, डेंगू और डायरिया में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे समुदाय में समग्र सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार हुआ है।



प्राप्त समर्थन

- केलुआपल्ली ग्राम पंचायत ने नियमित टीकाकरण अभियान और आवावा कुत्तों पर नियंत्रण के उपायों के माध्यम से रेबीज की शून्य घटनाओं को हासिल किया है, साथ ही जूनोटिक रोगों के बारे में जागरूकता भी बढ़ाई है।
- विषय आधारित जीपीडीपी स्वास्थ्य संवर्धन के लिए सीएफसी और एसएफसी फंड का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करता है। मनरेगा फंड से टिकाऊ स्वास्थ्य परिसंपत्तियाँ बनाई जाती हैं, स्वच्छता को बढ़ावा मिलता है, तथा बच्चों और महिलाओं के अनुकूल बुनियादी ढांचे का निर्माण होता है, जिसे निदान और स्वास्थ्य जांच शिविरों के लिए राज्य के वित्त पोषण और आईईसी अभियानों द्वारा समर्थन मिलता है।



सततता के लिए रोडमैप

- स्थिरता रोडमैप व्यापक चिकित्सा देखभाल और सामुदायिक जागरूकता के माध्यम से प्राप्त स्वास्थ्य परिणामों को बनाए रखने और बढ़ाने पर केंद्रित है।
- स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों में निरंतर निवेश, जीपी के बजट का 50% उपयोग करके, उचित चिकित्सा सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करता है। रोडमैप में आईसीडीएस के तहत गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के निरंतर पंजीकरण, बच्चों के लिए चल रहे पोषण कार्यक्रमों और शून्य बाल और मातृ मृत्यु दर को बनाए रखने पर जोर दिया गया है।

KELUAPALLI

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: RANGEILUNDA; DISTRICT PANCHAYAT:
GANJAM; STATE: ODISHA



**Healthy
Panchayat**



Profile:

Local Government Directory Code: - 117961

Total Population: - 4267

(Male- 2116 Female- 2151)

Total Elected Members: - 13 (Male -6 Female-7)

Number of Village Health Clinic:-1



KEY ACHIEVEMENTS

- The mortality rate for children under 5 has dropped significantly due to proper medical care, resulting in healthier children and fewer deaths from preventable diseases.
- Zero percent underweight children under 5 due to adequate nutrition, which ensures healthy growth and development, alongside a zero infant mortality rate attributed to proper maternal care and nutrition.
- Additionally, there have been zero deaths from dengue, no anaemia in adolescent girls, and focused health services have led to zero deaths of girls under 5.
- Furthermore, 100% immunization of eligible children and regular health camps for deworming and diagnostics enhance community health, while door-to-door services and health awareness campaigns educate the community on disease prevention.



CHALLENGES FACED

- Lack of awareness among residents regarding emerging diseases such as COVID-19, Monkeypox, Ebola, and Dengue.
- Inadequate sanitation measures have contributed to a rise in vector-borne diseases.
- GP Keluapalli also struggles with preventing zoonotic diseases and addressing the threat of snakebites, which pose serious health risks to the community.



APPROACH TAKEN

- Keluapalli Gram Panchayat has conducted special IEC activities, awareness camps, and training for PRI and ward members to raise public awareness about emerging diseases.
- WASH campaigns in schools and anganwadis promote drain cleaning and borewell purification with chlorine tablets.
- Effective solid and liquid waste management under SBM programs has significantly reduced malaria, dengue, and diarrhoea, enhancing overall public health and hygiene in the community.



SUPPORT RECEIVED

- Keluapalli Gram Panchayat has achieved zero rabies incidents through regular immunization drives and stray dog control measures while raising awareness about zoonotic diseases.
- A theme-based GPDP ensures effective use of CFC and SFC funds for health promotion. MGNREGA funds create durable health assets, enhancing sanitation, and child- and women-friendly infrastructure, supported by state funding and IEC campaigns for diagnostics and health check-up camps.



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- The sustainability roadmap focuses on maintaining and enhancing health outcomes achieved through comprehensive medical care and community awareness.
- Continued investment in health-related activities, utilizing 50% of the GP's budget, ensures access to proper medical services. The roadmap emphasizes sustained registration of pregnant and lactating mothers under ICDS, ongoing nutrition programs for children, and maintaining zero child and maternal mortality rates.

जजुआर मिडिल

ग्राम पंचायत
ब्लॉक पंचायत: कटरा;
जिला पंचायत: मुजफ्फरपुर; राज्य: बिहार



स्वस्थ पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड:- 97758
कुल जनसंख्या:- 17372
(पुरुष- 8,420 महिला- 8,952)
कुल निर्वाचित सदस्य:- 28
(पुरुष- 12 महिला- 16)
ग्राम स्वास्थ्य क्लिनिक की संख्या:- 1



मुख्य उपलब्धियाँ

- › बेहतर स्वच्छता एवं सफाई
- › स्वास्थ्य शिविर और निवारक देखभाल
- › प्रारंभिक बाल्यावस्था स्वास्थ्य के लिए आंगनवाड़ी केंद्र
- › सामुदायिक स्वास्थ्य शिक्षा
- › विकास में नेतृत्व



चुनौतियाँ

- › सीमित स्वास्थ्य सुविधाएँ
- › स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन
- › स्वच्छ पेयजल तक पहुँच
- › रुढ़िवादिता और परिवर्तन का प्रतिरोध
- › संसाधन की कमी
- › स्वास्थ्य शिक्षा और जागरूकता
- › सामाजिक-आर्थिक बाधाएँ
- › बाहरी सहायता पर निर्भरता



दृष्टिकोण

- › सरकारी और गैर सरकारी संगठनों से वित्तपोषण प्राप्त करना
- › जल एवं स्वच्छता अवसंरचना में सुधार
- › सामुदायिक स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम
- › स्थानीय स्वास्थ्य स्वयंसेवकों को सशक्त बनाना
- › रसोई उद्यान और पोषण कार्यक्रमों को बढ़ावा देना
- › सामुदायिक सहभागिता और विश्वास का निर्माण
- › निरंतर निगरानी और फीडबैक



प्राप्त समर्थन

- › वित्तीय सहायता और अनुदान
- › तकनीकी सहायता और प्रशिक्षण
- › ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रमों का कार्यान्वयन
- › एनजीओ और स्थानीय सहायता साझेदारी
- › शिक्षा और जागरूकता पहल
- › बुनियादी ढांचा सुधार परियोजनाएँ
- › स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता कार्यक्रम
- › आंगनवाड़ी और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से सहायता



सततता के लिए रोडमैप

- › स्थायी स्वास्थ्य अवसंरचना की स्थापना
- › स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को बनाए रखना
- › जल संरक्षण और सुरक्षित पेयजल को बढ़ावा देना
- › स्थानीय स्वास्थ्य स्वयंसेवकों और कार्यबल को सशक्त बनाना और स्वास्थ्य शिक्षा को संस्थागत बनाना
- › टिकाऊ कृषि और पोषण पहल का विकास
- › स्थानीय साझेदारी और संसाधनों को मजबूत करना और स्वास्थ्य पहलों के सामुदायिक स्वामित्व को बढ़ावा देना

JAJUAR MIDDLE

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: KATRA; DISTRICT PANCHAYAT:
MUZAFFARPUR; STATE: BIHAR



Healthy Panchayat



KEY ACHIEVEMENTS

- › Improved Sanitation and Cleanliness
- › Health Camps and Preventative Care
- › Anganwadi Centers for Early Childhood Health
- › Community Health Education
- › Leadership in Development

Profile:

Local Government Directory Code: - 97758

Total Population: - 17372

(Male- 8,420 Female- 8,952)

Total Elected Members: - 28 (Male -12 Female-16)

Number of Village Health Clinic:-1



CHALLENGES FACED

- › Limited Healthcare Facilities
- › Sanitation and Waste Management
- › Access to Clean Drinking Water
- › Cultural Beliefs and Resistance to Change
- › Resource Constraints
- › Health Education and Awareness
- › Socio-Economic Barriers.
- › Dependence on External Support



APPROACH TAKEN

- › Securing Government and NGO Funding
- › Improving Water and Sanitation Infrastructure
- › Community Health Education Programs
- › Empowering Local Health Volunteers
- › Promotion of Kitchen Gardens and Nutrition Programs
- › Building Community Engagement and Trust
- › Ongoing Monitoring and Feedback



SUPPORT RECEIVED

- › Financial Aid and Grants
- › Technical Support and Training
- › Implementation of Rural Health Programs
- › NGO and Local Support Partnerships
- › Education and Awareness Initiatives
- › Infrastructure Improvement Projects
- › Healthcare and Sanitation Programs
- › Support from Anganwadi and Health Workers



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- › Establishing Permanent Health Infrastructure
- › Maintaining Sanitation and Waste Management Systems
- › Promoting Water Conservation and Safe Drinking Water
- › Empowering Local Health Volunteers and Workforce and institutionalizing Health Education
- › Developing Sustainable Agriculture and Nutrition Initiatives
- › Strengthening Local Partnerships and Resources and promoting Community Ownership of Health Initiatives

बाल-हितैषी पंचायत



बाल-हितैषी पंचायत वह है जो यह सुनिश्चित करती है कि सभी बच्चे अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए अस्तित्व, विकास, भागीदारी और सुरक्षा के अपने अधिकारों का आनंद ले सकें। विषय के तहत स्थानीय उद्देश्य और लक्ष्य हैं:

स्थानीय उद्देश्य एवं लक्ष्य:

- › स्कूलों में 100% नामांकन
- › बाल विवाह, तस्करी और बाल श्रम तथा बच्चों के साथ होने वाले सभी प्रकार की हिंसा के मामलों में कमी/उन्मूलन
- › विकलांग बच्चों के लिए शिक्षा तक समान पहुँच
- › अभिभावक शिक्षक संघ (PTA)/स्कूल प्रबंधन समिति (SMC) के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा



ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- › पांच वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना; मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता की निगरानी करना
- › आईसीडीएस और स्वास्थ्य केंद्रों की सेवाओं की निगरानी करना
- › आंगनवाड़ी केंद्रों और स्कूलों में पोषक उद्यान विकसित करना
- › बच्चों के विकास में रुकावट की निगरानी के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित करना, नियमित टीकाकरण कराना
- › स्कूलों में सुरक्षित पेयजल और हाथ धोने की इकाइयों का प्रावधान करना
- › स्वास्थ्य, सुरक्षा और शिक्षा समितियों का गठन और उनका कामकाज
- › बच्चों को सभी प्रकार की हिंसा, दुर्व्यवहार और बाल विवाह, तस्करी और बाल श्रम की घटनाओं से बचाना और उचित कानूनी अधिकारियों को इसकी रिपोर्ट करना
- › बच्चों को अपनी समस्याओं को सामने रखने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए बाल सभा का आयोजन करना





CHILD-FRIENDLY PANCHAYAT

A Child-Friendly Panchayat is one which ensures that all children are able to enjoy their rights for survival, development, participation and protection to reach their full potential. The Local Goal and Targets under the theme are:

LOCAL GOALS AND TARGETS:

- › 100% enrolment in schools
- › Reducing/Eliminating cases of child marriage, trafficking and child labor and all kinds of violence against children
- › Equal access to education for children with disabilities
- › Quality education through Parent Teacher Association (PTA)/ School Management Committee (SMCs)



ROLE OF GRAM PANCHAYATS:

- › Quality nutritious food to all children aged under five years; monitor quality of Mid-Day Meal
- › Monitor services of ICDS & Health Centres
- › Developing Nutri-Garden in Anganwadi Centres & Schools
- › Organize health camps to monitor regarding stunted growth routine immunization of children
- › Provision of safe drinking water and hand-washing units in school
- › Constitution Health, Protection and Education Committees and its functioning
- › Protection of children from all violence, abuses and incidents of child marriage, trafficking and child labor and its reporting to appropriate legal authorities
- › Organize Bal Sabha for providing a platform to children to put forth their issues



जेंगराई

गांव पंचायत

ब्लॉक पंचायत: उजानी माजुली
जिला पंचायत: माजुली राज्य: असम



बाल-हितैषी पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 106680

कुल जनसंख्या: 9060

(पुरुष: 4610, महिला: 4450) (जनगणना 2011)

ग्राम पंचायत में प्राथमिक विद्यालयों की संख्या: 21

आंगनवाड़ी केंद्र: 29

बच्चे: 856



मुख्य उपलब्धियाँ

- सभी आंगनवाड़ी केन्द्र बच्चों को पोषण सहायता और प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करते हैं।
- बच्चों की शिक्षा और शारीरिक विकास के लिए 21 प्राथमिक विद्यालय और 7 सुव्यवस्थित खेल के मैदान, 1 वॉलीबॉल कोर्ट हैं।
- खेल और मनोरंजक गतिविधियों के लिए 2 स्टेडियमों के निर्माण के साथ बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाता है।
- शून्य बाल श्रम, शून्य बाल दुर्व्यवहार और बच्चों के विरुद्ध शून्य अपराध दर्ज किया गया।



चुनौतियाँ

- 1,643 बीपीएल परिवारों के आर्थिक रूप से वंचित बच्चों तक पहुंचना।
- सभी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयास की आवश्यकता।



दृष्टिकोण

- आंगनवाड़ी सेवाओं को मजबूत बनाना।
- निःशुल्क स्वास्थ्य जांच उपलब्ध कराना।
- खेल के मैदानों और स्मार्ट कक्षाओं के साथ स्कूल सुविधाओं का उन्नयन करना।
- आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के परिवारों को शामिल करने के लिए केंद्रित प्रयास किए गए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक बच्चे को आवश्यक सेवाएं और अवसर मिलें।



प्राप्त समर्थन

- सरकारी एजेंसियों, स्थानीय गैर सरकारी संगठनों और सामुदायिक नेताओं से सहायता।
- पंचायत विभिन्न सरकारी योजनाओं के आधार पर बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहती है।
- उचित शारीरिक और मानसिक विकास सुनिश्चित करने के लिए नियमित टीकाकरण और स्वास्थ्य जांच।
- आशा कार्यकर्ता नियमित रूप से घर-घर जाकर माता और शिशु दोनों के विकास की निगरानी करती हैं।



सततता के लिए रोडमैप

- जीपी का लक्ष्य शैक्षिक संसाधनों में अधिक निवेश करके समग्र बाल-हितैषी वातावरण को बढ़ावा देने के अपने मिशन को जारी रखना है।
- स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना।
- निर्णय लेने में बच्चों की भागीदारी को बढ़ावा देना।

JENGRAI

GAON PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: UJANI MAJULI
DISTRICT PANCHAYAT: MAJULI, STATE: ASSAM



Child Friendly Panchayat



Profile:

Local Government Directory Code: 106680

Total Population: 9060 (Male: 4610, Female: 4450) (Census 2011)

Number of Primary schools in GP: 21

Anganwadi centers: 29

Children: 856



KEY ACHIEVEMENTS

- All Anganwadi centers providing nutritional support and early education to all children.
- 21 primary schools and 7 well-maintained playgrounds, 1 volleyball court for learning and physical development of children.
- Strong focus on children's physical well-being with the construction of 2 stadiums for sports and recreational activities.
- Zero child labour, Zero child abuse and Zero crime against children recorded.



CHALLENGES FACED

- Reaching economically disadvantaged children from 1,643 BPL households.
- Required coordinated efforts in ensuring access to quality education and healthcare services for all children.



APPROACH TAKEN

- Strengthening Anganwadi services.
- Providing free health check-ups.
- Upgrading school facilities with playgrounds and smart classrooms.
- Focused efforts were made to engage families from economically weaker sections, ensuring that every child has access to essential services and opportunities.



SUPPORT RECEIVED

- Support from government agencies, local NGOs, and community leaders.
- The panchayat remains vigilant regarding the health of children based on various government schemes.
- Regular vaccination and health check-ups to ensure appropriate physical and mental development.
- ASHA workers routinely visit homes to monitor both mother and child development.



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- GP aims to continue its mission of fostering a holistic child-friendly environment by investing more in educational resources.
- Expanding healthcare services.
- Promoting child participation in decision-making.

भरतौल

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: बिठौरी चौनपुर

जिला पंचायत: बरेली, राज्य: उत्तर प्रदेश



बाल-हितैषी
पंचायत



बाल पंचायत

प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 53088

कुल जनसंख्या: 7551

(पुरुष: 3889, महिला: 3662)

कुल निर्वाचित सदस्य: 15

(पुरुष: 10, महिला: 5)

घरों की संख्या: 1250

ग्राम पंचायत में प्राथमिक विद्यालयों की संख्या: 5



मुख्य उपलब्धियाँ

- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
- लैंगिक समानता
- शून्य ड्रॉपआउट दर
- महिला साक्षरता
- पूर्ण टीकाकरण
- बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता और सरकारी सहायता
- बाल सभा
- शून्य बाल विवाह और शून्य बाल श्रम
- सुरक्षा के लिए सीसीटीवी



चुनौतियाँ

- चुनौतियाँ मुख्य रूप से सामाजिक मानदंडों और बच्चों के अस्तित्व एवं अधिकारों के बारे में विचारों से संबंधित थीं।
- कमजोर बच्चों तक पहुंचना।
- आर्थिक रूप से वंचित बच्चों तक पहुंचना।



दृष्टिकोण

- सार्वजनिक संबोधन प्रणाली का उचित उपयोग।
- बाल सभा बैठकों में बच्चों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए घर-घर अभियान चलाना।
- बच्चों की भागीदारी बढ़ाने के लिए बाल सभा बैठकों के बाद खेल प्रतियोगिताओं/अन्य गतिविधियों का आयोजन।



प्राप्त समर्थन

- राज्य और राष्ट्रीय स्तर से विभिन्न रूपों में सहायता प्राप्त हुई: निधि, प्रशासन, संस्थागत सहायता, प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि।
- स्थानीय प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों, आंगनवाड़ी कर्मचारियों और स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों ने सरकारी कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



सततता के लिए रोडमैप

- गांव के बच्चों और महिलाओं के अधिकारों से संबंधित जागरूकता फैलाना।
- गांव के बच्चों और किशोरों के लिए हाई स्कूल या इंटर कॉलेज का निर्माण।
- एक मिनी स्टेडियम और विज्ञान प्रयोगशाला का निर्माण।
- महिलाओं और बालिकाओं के लिए स्वच्छता और स्वास्थ्य प्रथाओं से संबंधित कार्यक्रम, जिनमें मासिक धर्म स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता और सैनिटरी पैड का वितरण शामिल है।
- स्वच्छता प्रथाओं से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम।

BHARTAUL

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: BITHRI CHAINPUR
DISTRICT PANCHAYAT: BAREILLY, STATE: UTTAR PRADESH



Child Friendly Panchayat



Profile:

Local Government Directory Code: 53088

Total Population: 7551 (Male: 3889, Female: 3662)

Total Elected Members: 15 (Male: 10, Female: 5)

Number of houses: 1250

Number of Primary schools in GP: 5



KEY ACHIEVEMENTS

- › Quality Education
- › Gender Equality
- › Zero Dropout rates
- › Female literacy
- › Full Vaccination
- › Awareness of Child Rights and support from Government
- › Baal Sabha
- › Zero Child Marriage and Zero child labor
- › CCTV for security



CHALLENGES FACED

- › The challenges were mainly related to social norms and ideas about children's existence and rights.
- › Reaching to the vulnerable children.
- › Reaching economically disadvantaged children.



APPROACH TAKEN

- › Proper use of Public Address System.
- › Door to door campaigns to ensure larger participation of children in Baal sabha meetings.
- › Organization of sports meets / other activities post Baal sabha meetings, to enhance participation of children



SUPPORT RECEIVED

- › Support was received from state and national levels in various forms: Funds, Administration, Institutional support, Training programs etc.
- › Local primary school teachers, anganwadi staff, and health center staff played a crucial role in the Govt. program's success.



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- › Spreading awareness related to rights of children and females of the village.
- › Construction of high school or inter college for the children and adolescents of the village.
- › Building of a mini stadium and Science laboratory.
- › Programs around sanitary and health practices for women and female children, including awareness of menstrual health and distribution of sanitary pads.
- › Awareness programs related to sanitary practices.

राजकांग्राम समिति

ब्लॉक सलाहकार समिति: अमरपुर
जिला परिषद: त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद
राज्य: त्रिपुरा



बाल-हितैषी
पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 253976

कुल जनसंख्या: 3085

(पुरुष: 1486, महिला: 1599)

जीपी में स्कूलों की संख्या: 5

आंगनवाड़ी केंद्र: 11



मुख्य उपलब्धियाँ

- किशोरियों की सहायता के लिए सभी स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और पंचायत कार्यालयों में सैनिटरी वॉशिंग मशीनें लगाई गईं।
- केंद्रों में नामांकित 225 बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच की गई।
- 423 स्कूल जाने वाले बच्चों को सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न शिक्षण और पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से सहायता प्रदान की गई।
- पिछले दो वर्षों में बाल-केंद्रित मंच के रूप में आठ बाल सभाएं स्थापित की गईं।
- बच्चों के लिए शैक्षिक और स्वास्थ्य मानकों में सुधार के लिए 58 सामुदायिक विकास परियोजनाएं कार्यान्वित की गईं, जिनमें नई आंगनवाड़ियों का निर्माण, खेल के मैदानों और स्कूल शौचालयों का विकास, स्कूलों तक पहुंचने के लिए सड़क निर्माण और खेल सामग्री का वितरण शामिल है।



चुनौतियाँ

- सांस्कृतिक प्रतिरोध एक बड़ी चुनौती थी, विशेषकर किशोरियों की शिक्षा और बाल कल्याण में सामुदायिक भागीदारी के संबंध में।
- स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों के लिए सीमित संसाधनों के कारण व्यापक सेवाएं प्रदान करना कठिन हो गया।
- जागरूकता में अंतराल और सामाजिक मानदंडों की जड़ता के कारण प्रगतिशील सुधारों के लिए प्रतिरोध उत्पन्न हुआ।



दृष्टिकोण

- निर्णय लेने की प्रक्रिया में परिवारों और पंचायत नेताओं को शामिल करते हुए सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाया गया।
- माता-पिता और बुजुर्गों को शामिल करते हुए पंचायत ने आम सहमति बनाई और नई पहलों के लिए स्वीकृति को बढ़ावा दिया।
- स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में बुनियादी ढांचे का उन्नयन, नियमित स्वास्थ्य जांच, द्वि-मासिक टीकाकरण कार्यक्रम और शून्य ड्रॉपआउट अभियान।
- राजकांग्राम में बाल विवाह और बाल श्रम पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है।



प्राप्त समर्थन

- पंचायत, स्वास्थ्य और समाज कल्याण विभागों ने राजकांग्राम को संसाधन और तकनीकी सहायता प्रदान की।
- स्थानीय नेताओं और निवासियों ने पहलों को लागू करने के लिए उपरोक्त विभागों के साथ मिलकर काम किया।
- बाल कल्याण कार्यक्रमों को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त विशेषज्ञता और सहयोग प्रदान करके गैर सरकारी संगठनों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- अंतर्विभागीय समन्वय।



सततता के लिए रोडमैप

- शैक्षिक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए स्कूल अवसंरचना का उन्नयन जारी रहेगा।
- बेहतर बाल स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य और टीकाकरण कार्यक्रमों का विस्तार।
- बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल और कला के माध्यम से रचनात्मकता को बढ़ावा देना।
- निर्णय लेने में बच्चों को सशक्त बनाने के लिए नियमित बाल सभाएं।

RAJKANG VILLAGE COMMITTEE

BLOCK ADVISORY COMMITTEE: AMARPUR
DISTRICT COUNCIL: TRIPURA TRIBAL AREAS AUTONOMOUS DISTRICT COUNCIL
STATE: TRIPURA



Child Friendly Panchayat



Profile:

Local Government Directory Code: 253976

Total Population: 3085 (Male: 1486, Female: 1599)

Number of schools in GP: 5

Anganwadi centers: 11



KEY ACHIEVEMENTS

- › Sanitary vending machines installed in all schools, health centers, and Panchayat office to support adolescent girls.
- › Regular health check-ups conducted for 225 children enrolled in Anganwadi Centers.
- › 423 school-going children supported through various learning and extracurricular activities for well-rounded development.
- › Eight Bal Sabhas established in the past two years as child-centric forums.
- › 58 community development projects implemented for improvement of educational and health standards for children including Construction of new Anganwadis, Development of playfields and school toilets, Construction of approach roads to schools and distribution of sports items.



CHALLENGES FACED

- › Cultural resistance was a major challenge, particularly regarding girls' education and community involvement in child welfare.
- › Limited resources for schools and health centers made it difficult to provide comprehensive services.
- › Gaps in awareness and entrenched social norms led to pushback against progressive interventions.



APPROACH TAKEN

- › Adopted a collaborative approach, involving families and panchayat leaders in decision-making processes.
- › Engaging parents and elders, the panchayat built consensus and fostered acceptance for new initiatives.
- › Infrastructure upgrades to schools and Anganwadi Centers, along with Regular health check-ups, Bi-monthly vaccination programs and Zero dropout drives.
- › Child marriage and child labor have been completely banned in Rajkang.



SUPPORT RECEIVED

- › Panchayats, Health, and Social Welfare departments provided resources and technical support to Rajkang.
- › Local leaders and residents worked closely with the above departments to implement initiatives.
- › NGOs played a crucial role by offering additional expertise and advocacy to strengthen child welfare programs.
- › Interdepartmental coordination.




ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- › Upgradation of school infrastructure will continue to enhance educational facilities.
- › Expansion of health and vaccination programs to ensure better child health and well-being.
- › Fostering creativity through sports and the arts to support well-rounded child development.
- › Regular Bal Sabhas for empowering children in decision-making.



जल पर्याप्त पंचायत

 जल पर्याप्त पंचायत वह है जो निम्नलिखित को सुनिश्चित करती है:

- › सभी को गुणवत्तापूर्ण जल आपूर्ति के लिए कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन
- › अच्छा जल प्रबंधन
- › कृषि और सभी जरूरतों के लिए प्रचुर मात्रा में जल उपलब्धता
- › अपने जल पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण।

स्थानीय उद्देश्य एवं लक्ष्य:

- › सभी के लिए पर्याप्त साफ पानी और पेय जल की सुविधा तक पहुंच
- › सभी के लिए स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच
- › घरेलू शौचालयों का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करना
- › धूसर जल उपचार एवं शुद्धिकरण पर तंत्र विकसित करना
- › भूजल की कमी, आर्सेनिक संदूषण, वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण को रोकना
- › प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए जल एवं स्वच्छता समितियों का गठन



ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- › लोगों को जल एवं स्वच्छता परिसंपत्तियों के उपयोग एवं प्रबंधन के बारे में शिक्षित करना
- › स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में लड़कों एवं लड़कियों के लिए पर्याप्त एवं पृथक कार्यात्मक शौचालय सुविधाएं सुनिश्चित करना (पपप) सार्वजनिक शौचालयों का रखरखाव सुनिश्चित करना
- › मैजिक पिट्स, किचन गार्डनिंग आदि जैसी जल आपूर्ति एवं ग्रे वाटर प्रबंधन तकनीक को अपनाना तथा आधुनिक कृषि एवं जल उपयोग प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना
- › पर्याप्त एवं पेय जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित एजेंसियों के साथ संपर्क स्थापित करना
- › जन समिति का गठन एवं परिसंपत्ति प्रबंधन के लिए उनका क्षमता निर्माण
- › जल निकायों की सुरक्षा करना तथा जल परीक्षण के माध्यम से जल गुणवत्ता की निगरानी करना





WATER SUFFICIENT PANCHAYAT

A WATER SUFFICIENT PANCHAYAT IS ONE WHICH ENSURES:

- › Functional House Tap Connections of quality water supply to all
- › Good water management
- › Abundant water availability for agriculture and all needs
- › Conserving its water ecosystem.

LOCAL GOALS AND TARGETS:

- › Access to adequate clear water and potable water facilities to all
- › Access to sanitation facilities to all
- › Ensure 100% usage of Household Latrines
- › Develop mechanism on grey water treatment & purification
- › Prevent groundwater depletion, arsenic contamination, rainwater harvesting and groundwater recharge
- › Constitution of Water & Sanitation Committees for conservation of natural resources



ROLE OF GRAM PANCHAYATS:

- › Educating people on usage and management of water and sanitation assets
- › Ensure adequate and separate functional toilet facilities for boys and girls in schools and Anganwadi Centres
- › Ensure maintenance of public toilets
- › Adopting water supply and grey water management technology like magic pits, kitchen gardening etc. and promoting modern agriculture and water use technologies
- › Liaise with respective agencies for ensuring adequate and potable water supply
- › Constitution of People's committee and their capacity building for assets management
- › Safeguarding water bodies and monitoring water quality through water testing



न्यायमपुडी

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: नक्कापल्ले

जिला पंचायत: अनाकापल्ली (पूर्व विशाखापत्तनम जिला)

राज्य: आंध्र प्रदेश



जल पर्याप्त
पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 235759

कुल जनसंख्या: 1256

(पुरुष: 647, महिला: 609)

कुल निर्वाचित सदस्य: 8

(पुरुष: 4, महिला: 4)

कुल परिवार: 325



मुख्य उपलब्धियाँ

- 50% महिला प्रतिनिधित्व के साथ एक ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की स्थापना की गई, जिससे समुदाय के नेतृत्व में जल संसाधन प्रबंधन और निरीक्षण में सुविधा होगी।
- 100% घरेलू नल कनेक्शन का लक्ष्य प्राप्त किया गया, जिससे सभी 325 घरों और सरकारी संस्थानों को स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित हुई।
- कुल 50,000 लीटर क्षमता वाले दो ओएचएसआर जल टैंक स्थापित किए गए, जिनसे प्रति व्यक्ति प्रति दिन औसतन 200 लीटर पानी निकलता है।
- महिलाओं को जल परीक्षण और गुणवत्ता निगरानी में प्रशिक्षित किया गया, जिससे उन्हें सभी निवासियों के लिए सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने के लिए सशक्त बनाया जा सके।
- फोल्ड टेस्ट किट का उपयोग करके साप्ताहिक जल गुणवत्ता परीक्षण किए गए, जिसके परिणामस्वरूप जलजनित रोगों में उल्लेखनीय कमी आई और सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार हुआ।



चुनौतियाँ

- अनियमित जल आपूर्ति।
- जल भंडारण के लिए सीमित संसाधन।
- बार-बार होने वाली जलजनित बीमारियाँ।
- लगातार जल वितरण के लिए अपर्याप्त बुनियादी ढांचा।



दृष्टिकोण

- जल जीवन मिशन के माध्यम से, पंचायत ने जल अवसंरचना में सुधार किया, विश्वसनीय पहुंच सुनिश्चित की और पाइपलाइनों के लिए उत्तरदायी मरम्मत प्रणाली स्थापित की।
- स्वच्छता अभियान और पशुधर शुष्क दिवस की प्रथा ने जल संरक्षण और जागरूकता को बढ़ावा देने में मदद की।
- पंचायत के नोटिस बोर्ड पर फोल्ड टेस्ट किट (एफटीके) के परिणामों का साप्ताहिक प्रकाशन करने से समुदाय को जल गुणवत्ता की निगरानी में शामिल किया गया, जिससे सार्वजनिक जवाबदेही बढ़ी।



प्राप्त समर्थन

- ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति ने जल संरक्षण पर सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।
- जल जीवन मिशन योजना से जल अवसंरचना में महत्वपूर्ण सुधार हुआ।
- प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने महिलाओं को जल गुणवत्ता की निगरानी करने का कौशल प्रदान किया।
- नियमित सामुदायिक बैठकों के माध्यम से निवासियों को जल प्रबंधन प्रथाओं और टिकाऊ जल उपयोग के महत्व के बारे में जानकारी दी जाती रही।



सततता के लिए रोडमैप

- जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पशुधर शुष्क दिवस की स्थापना की गई है।
- स्थानीय पहलों के माध्यम से हरियाली बढ़ाने से जल प्रतिधारण में सुधार होगा, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र और स्थानीय कृषि दोनों को लाभ होगा।
- दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए संरक्षण प्रथाओं को सामुदायिक दिनचर्या में शामिल किया जाएगा।
- समुदाय को सूचित और संलग्न रखने के लिए जल प्रबंधन पर निरंतर शिक्षा प्रदान की जाएगी।

NYAYAMPUDI

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: NAKKAPALLE
DISTRICT PANCHAYAT: ANAKAPALLI (ERSTWHILE VISAKHAPATNAM DIST.)
STATE: ANDHRA PRADESH



Water Sufficient Panchayat



Profile:

Local Government Directory Code: 235759

Total Population: 1256 (Male: 647, Female: 609)

Total Elected Members: 8 (Male: 4, Female: 4)

Total Households: 325



KEY ACHIEVEMENTS

- Established a Village Water & Sanitation Committee with 50% women representation, facilitating community-led water resource management and oversight.
- Achieved 100% household tap connections, ensuring clean water access for all 325 households and Government Institutions.
- Installed two OHSR water tanks with a total capacity of 50,000 litres, releasing an average of 200 litres per capita per day.
- Trained women in water testing and quality monitoring, empowering them to ensure safe drinking water for all residents.
- Conducted weekly water quality tests using field test kits, leading to a significant reduction in waterborne diseases and enhanced public health.



CHALLENGES FACED

- Irregular water supply.
- Limited resources for water storage.
- Frequent waterborne diseases.
- Inadequate infrastructure for consistent water distribution.



APPROACH TAKEN

- Through the Jal Jeevan Mission, the Panchayat improved water infrastructure, ensuring reliable access and establishing a responsive repair system for pipelines.
- Sanitation drives and the practice of "Friday dry days" helped promote water conservation and awareness.
- Weekly publication of Field Test Kit (FTK) results on the Panchayat notice board engaged the community in monitoring water quality, increasing public accountability.



SUPPORT RECEIVED

- Village Water & Sanitation Committee provided vital support by organizing community awareness programs on water conservation.
- JalJeevan Mission scheme facilitated significant improvements in water infrastructure.
- Training programs equipped women with the skills to monitor water quality.
- Regular community meetings kept residents informed about water management practices and the importance of sustainable water usage.



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- "Friday dry days" have been instituted to support water conservation.
- Increasing greenery through local initiatives will improve water retention, benefiting both the ecosystem and local agriculture.
- Conservation practices will be integrated into community routines to ensure long-term sustainability.
- Continuous education on water management will be provided to keep the community informed and engaged.

सिकांदर

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: बमसन

जिला पंचायत: हमीरपुर, राज्य: हिमाचल प्रदेश



जल पर्याप्त पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 7982

कुल जनसंख्या: 1673

(पुरुष: 838, महिला: 835)

कुल निर्वाचित सदस्य: 7

(पुरुष: 4, महिला: 3)

कुल परिवार: 459



मुख्य उपलब्धियाँ

- वर्षा जल संचयन के लिए मनरेगा के माध्यम से 8,000 से 10,000 लीटर की भंडारण क्षमता वाले 47 जल टैंक स्थापित किए गए।
- अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत दो बड़े जलाशयों का निर्माण किया गया, जिससे भूजल पुनः भर गया और समुदाय के लिए जलापूर्ति सुनिश्चित हुई।
- भूजल पुनर्भरण को बढ़ाने के लिए कई चेक डैम का निर्माण किया गया, जिससे घरे और कृषि के लिए निरंतर जल उपलब्धता सुनिश्चित हुई।
- सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने, सामुदायिक स्वास्थ्य में योगदान देने और जलजनित बीमारियों को रोकने के लिए नियमित रूप से जल गुणवत्ता जांच आयोजित की गई।



चुनौतियाँ

- जल की कमी एक बड़ी चुनौती थी, स्वच्छ और विश्वसनीय जल स्रोतों तक पहुंच सीमित थी।
- भौगोलिक कारकों के कारण जल का संग्रहण और भंडारण प्रभावी ढंग से करना कठिन हो गया, जिसके कारण मौसम संबंधी कमी उत्पन्न हो गई।
- समुदाय में स्थायी जल प्रबंधन प्रथाओं के बारे में जागरूकता का अभाव था।



दृष्टिकोण

- जल प्रबंधन पहलों में सक्रिय सामुदायिक भागीदारी और जल संरक्षण प्रथाओं पर ज्ञान निर्माण।
- पंचायत ने मनरेगा और अमृत सरोवर योजना जैसी योजनाओं के तहत बुनियादी ढांचे के विकास के लिए धन सुरक्षित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ सहयोग किया।
- वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण के महत्व पर जागरूकता।



प्राप्त समर्थन

- राज्य और केन्द्र सरकार की पहलों, विशेषकर मनरेगा और अमृत सरोवर योजनाओं के तहत, पर्याप्त सहायता प्रदान की गई।
- इन पहलों ने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए वित्तपोषण और तकनीकी सहायता की प्रेरणा दी।



सततता के लिए रोडमैप

- जल संरक्षण तकनीकों और जल अवसंरचना के रखरखाव पर समुदाय के सदस्यों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम लागू किए जाएंगे।
- चल रही परियोजनाओं की देखरेख और गुणवत्ता मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एक जल निगरानी समिति की स्थापना की जाएगी।
- पंचायत टिकाऊ जल प्रथाओं पर अनुसंधान को बढ़ावा देने और नवीन प्रौद्योगिकियों की खोज के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी की कोशिश करेगी।

SIKANDER

BLOCK PANCHAYAT: BAMSON
DISTRICT PANCHAYAT: HAMIRPUR
STATE: HIMACHAL PRADESH



Water Sufficient Panchayat



Profile:

Local Government Directory Code: 7982

Total Population: 1673 (Male: 838, Female: 835)

Total Elected Members: 7 (Male: 4, Female: 3)

Total Households: 459



KEY ACHIEVEMENTS

- Established 47 water tanks through MGNREGA, with a storage capacity of 8,000 to 10,000 liters for Rainwater Harvesting.
- Built two large reservoirs under the AmritSarovar scheme, replenishing groundwater and securing water supply for the community.
- Constructed multiple check dams to enhance groundwater recharge, ensuring consistent water availability for households and agriculture.
- Conducted regular water quality checks to ensure safe drinking water, contributing to community health and preventing waterborne diseases.



CHALLENGES FACED

- Water scarcity was a major challenge, with limited access to clean and reliable water sources.
- Geographic factors made it difficult to collect and store water effectively, leading to seasonal shortages.
- The community lacked awareness about sustainable water management practices.



APPROACH TAKEN

- Active community participation in water management initiatives and Knowledge building on water conservation practices.
- The Panchayat collaborated with local authorities to secure funding for infrastructure development under schemes like MGNREGA and the Amrit Sarovar scheme.
- Sensitization on rainwater harvesting and the importance of groundwater recharge.



SUPPORT RECEIVED

- State and central government initiatives provided substantial support, particularly under the MGNREGA and Amrit Sarovar schemes.
- These initiatives offered funding and technical assistance for infrastructure development.



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Regular training programs will be implemented for community members on water conservation techniques and maintenance of water infrastructure.
- A water monitoring committee will be established to oversee ongoing projects and ensure compliance with quality standards.
- The Panchayat will seek partnerships with educational institutions to promote research on sustainable water practices and explore innovative technologies.

देवबाड़ी

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: अमरपुर

जिला पंचायत: गोमती, राज्य: त्रिपुरा



जल पर्याप्त
पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 104074

कुल जनसंख्या: 1036

(पुरुष: 545, महिला: 491)

कुल निर्वाचित सदस्य: 9

(पुरुष: 4, महिला: 5)

कुल परिवार: 281



मुख्य उपलब्धियाँ

- लक्षित जल संरक्षण और प्रबंधन रणनीतियों के माध्यम से निर्मित टिकाऊ जल आपूर्ति प्रणाली, कृषि और दैनिक आवश्यकताओं का समर्थन करती है।
- जल प्रबंधन में निवासियों को शामिल करना।
- 277 क्रियाशील जल कनेक्शन प्रत्येक घर के 10 से 20 मीटर के दायरे में स्वच्छ, विश्वसनीय जल उपलब्ध कराते हैं।
- सिंचाई और मछली पालन दोनों के लिए 31 जल निकास।
- चार आगनवाड़ी केंद्रों और स्थानीय स्कूलों में पेयजल और स्वच्छता सुविधाओं तक निःशुल्क पहुंच।
- 100 से अधिक हैंडपंप प्रतिदिन लगभग 17,000 गैलन पानी देते हैं।
- गोमती नदी से गहरे ट्यूबवेल और आयरन रिमूवल प्लांट (आईआरपी) प्रणाली के माध्यम से आपूर्ति किया जाने वाला जल, 5.5 किमी पाइपलाइन नेटवर्क से जुड़ा हुआ है, जिससे सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित होता है और मौसमी जल गुणवत्ता में उतार-चढ़ाव न्यूनतम होता है।



चुनौतियाँ

- सीमित वित्तीय संसाधन।
- बार-बार होने वाली मौसमी जल की कमी।



दृष्टिकोण

- जल संरक्षण तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सामुदायिक जागरूकता अभियान शुरू किए गए।
- स्थानीय कर्मचारियों को मौसमी जल की कमी का प्रबंधन करने और निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया।
- जल की गुणवत्ता की निगरानी के लिए नियमित पेयजल परीक्षण सुविधाएं शुरू की गईं।
- संसाधनों को सुव्यवस्थित करने और तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए अंतरविभागीय सहयोग स्थापित किए गए।



प्राप्त समर्थन

- पंद्रहवें वित्त आयोग के अंशों से प्राप्त धनराशि से जल अवसंरचना के निर्माण और रखरखाव में योगदान दिया गया।
- राज्य पंचायत विकास निधि ने जल प्रबंधन परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान की।
- श्रमदान के माध्यम से सामुदायिक योगदान ने जल अवसंरचना के निर्माण और रखरखाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



सततता के लिए रोडमैप

- वर्षा जल संचयन, जल-कृशल उपकरणों की स्थापना, तथा सोख गड्डों के माध्यम से ग्रे जल प्रबंधन को लागू करने जैसी नवीन प्रथाओं को प्रारंभिकता दी जाएगी।
- जल अवसंरचना को बनाए रखने के लिए सामुदायिक भागीदारी जारी रहेगी।
- व्यवहार परिवर्तन अभियान गोमती नदी के प्रति गहरी श्रद्धा को बढ़ावा देंगे तथा जल संसाधनों की सुरक्षा और संरक्षण के महत्व पर बल देंगे।

DEBBARI

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: AMARPUR, DISTRICT PANCHAYAT: GOMATI
STATE: TRIPURA



Water Sufficient Panchayat



Profile:

Local Government Directory Code: 104074

Total Population: 1036 (Male: 545, Female: 491)

Total Elected Members: 9 (Male: 4, Female: 5)

Total Households: 281



KEY ACHIEVEMENTS

- Sustainable water supply system created through targeted water conservation and management strategies, supporting agricultural and daily needs.
- 277 functional water connections provide clean, reliable water within 10 to 20 meters of every household.
- 31 water bodies for support both irrigation and Fish farming.
- Free access to drinking water and sanitation facilities in four Anganwadi Centres and local schools.
- Over 100 hand pumps deliver approximately 17,000 gallons of water daily.
- Water supplied by the Gomati River through a deep-tubewell and Iron Removal Plant (IRP) system, connected to a 5.5 km pipeline network, ensuring safe drinking water and minimizing seasonal water quality fluctuations.



CHALLENGES FACED

- Limited financial resources.
- Recurrent seasonal water scarcity.



APPROACH TAKEN

- Community awareness campaigns were launched focusing on water conservation techniques.
- Local staff received specialized training to manage seasonal water shortages and ensure uninterrupted water supply.
- Regular drinking water testing facilities were introduced to monitor water quality.
- Interdepartmental collaborations were established to streamline resources and provide technical support.



SUPPORT RECEIVED

- Funds from the Fifteenth Finance Commission shares contributed to building and maintaining water infrastructure.
- State Panchayat Development Funds provided additional financial support for water management projects.
- Community contributions through Shramdan played a crucial role in the construction and maintenance of water infrastructure.



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Innovative practices such as rainwater harvesting, installing water-efficient appliances, and implementing grey water management through soak pits will be prioritized.
- Community involvement will continue for maintaining water infrastructure.
- Behavioural change campaigns will foster a deeper reverence for the Gomati River, emphasizing the importance of protecting and preserving water resources.

स्वच्छ एवं हरित पंचायत



● स्वच्छ एवं हरित पंचायत वह है जो निम्नलिखित को सुनिश्चित करती है:

- › जैव विविधता का मानचित्रण और संरक्षण
- › नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना और बढ़ावा देना

स्थानीय उद्देश्य एवं लक्ष्य:

- › सभी घरों में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों तक 100% पहुंच और इसके उपयोग को बढ़ावा देना
- › ईंधन लकड़ी के उपयोग को कम करना
- › खुले में शौच मुक्त+ स्थिति प्राप्त करना
- › वनरोपण
- › जैव-विविधता रजिस्ट्रों का रखरखाव और इसकी निगरानी और संरक्षण



ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- › सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना
- › सभी पात्र लाभार्थियों को व्यक्तिगत घरेलू शौचालय (IHHL) उपलब्ध कराना
- › बिजली का कुशल वितरण
- › प्रभावी तरल और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली विकसित करना
- › स्थानीय जल संसाधनों का पूर्ण उपयोग करना
- › वनों, जल निकायों और पवित्र उपवनों सहित प्राकृतिक संसाधनों का समुदाय-आधारित प्रबंधन।
- › सड़कों और बंजर और अन्य आम भूमि के किनारे उच्च ढलान वाले क्षेत्रों में प्राकृतिक वनस्पति लगाना
- › जैविक खेती और स्थायी रूप से मछली पकड़ने को बढ़ावा देना
- › मत्स्य पालन के लिए सामुदायिक तालाबों को प्रोत्साहित करना
- › प्राकृतिक संरक्षण की बहाली के लिए गठित स्थायी समिति / कार्य समिति को सशक्त बनाना
- › एकल-उपयोग प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाना





CLEAN AND GREEN PANCHAYAT

A CLEAN AND GREEN PANCHAYAT IS ONE WHICH ENSURES:

- › Mapping and conservation of its biodiversity
- › Adoption and promotion of renewable energy

LOCAL GOALS AND TARGETS:

- › 100 % access to renewable sources of energy to all households and promoting its usage
- › Reducing use of firewood
- › Achieving Open Defecation Free+ status
- › Afforestation
- › Maintenance of bio-diversity registers and its monitoring and conservation



ROLE OF GRAM PANCHAYATS:

- › Promote use of solar energy
- › Provide Individual House Hold Latrine (IHHL) to all eligible beneficiaries
- › Efficient distribution of electricity
- › Developing effective liquid and solid waste management system
- › Harnessing local water resources
- › Community-based management of natural resources including forests, water bodies and sacred groves.
- › Planting of natural vegetation in high-slope areas, alongside roads and barren and other common lands
- › Promote organic farming and sustainable fishing
- › Encourage community ponds for fisheries
- › Empower standing committee / working committee constituted for restoration of natural conservation
- › Prohibit single-use plastic usage



तगरमपुडी

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: अनकापल्ली

जिला पंचायत: विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश)



स्वच्छ एवं
हरित
पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 235255

कुल निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि: 11

(पुरुष: 6, महिला: 5)

कुल जनसंख्या: 2098

(पुरुष: 1051, महिला: 1047)

कुल गांव: 1

कुल परिवार: 623



मुख्य उपलब्धियाँ

- घरों से 100% पृथक कचरा संग्रह, प्रतिदिन एक टन कचरे का प्रसंस्करण और उसे प्रतिवर्ष 72 टन वर्मीकम्पोस्ट में परिवर्तित करना
- सामुदायिक स्वच्छता परिसर का विकास किया गया तथा सभी निवासियों के लिए सुरक्षित पेयजल तक पहुंच सुनिश्चित की गई
- सड़क किनारे व्यापक वृक्षारोपण के माध्यम से हरित क्षेत्र को 995 एकड़ से अधिक तक बढ़ाया गया, तथा 127 एकड़ में जैविक खेती को बढ़ावा दिया गया
- 128 एकड़ भूमि पर शून्य बजट प्राकृतिक खेती लागू की गई, जिससे रसायनों पर निर्भरता कम हुई
- दैनिक कचरा संग्रहण और सूखे व गीले कचरे को अलग-अलग करने के लिए पांच क्लैप मित्र (हरित राजदूत) नियुक्त किए गए हैं



चुनौतियाँ

- अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रमों के प्रति समुदाय की अनिच्छा
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं के दीर्घकालिक लाभों की सीमित समझ के कारण इन्हें अपनाने में देरी हुई
- वित्तीय बाधाएं
- टिकाऊ प्रथाओं में तकनीकी संसाधनों और प्रशिक्षण का अभाव



दृष्टिकोण

- मृदा क्षरण को रोकने के लिए बंजर भूमि पर वृक्षारोपण
- एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध
- जैव विविधता के संरक्षण के लिए 128 एकड़ क्षेत्र में जैविक और शून्य-बजट प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया गया
- स्थानीय स्वयंसेवकों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर निवासियों को अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं के बारे में शिक्षित किया गया
- सुलभ अपशिष्ट संग्रहण और वैज्ञानिक खाद निर्माण की सुविधा उपलब्ध कराई गई



प्राप्त समर्थन

- मनरेगा और स्वच्छ भारत मिशन अनुदान
- अपशिष्ट संग्रहण और स्वच्छता स्टॉक की ट्रेकिंग को सुव्यवस्थित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा समर्थित पीआर वन ऐप जैसे डिजिटल उपकरण



सततता के लिए रोडमैप

- अपशिष्ट उत्पादन को कम करना, तरल अपशिष्ट प्रबंधन को आगे बढ़ाना, तथा नवीकरणीय ऊर्जा पर अपना ध्यान केन्द्रित करना
- कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को एकीकृत किया जाएगा, जबकि एलईडी प्रकाश व्यवस्था और जल पंपों के लिए सौर ऊर्जा प्रणालियों पर विचार किया जा रहा है
- शून्य-बजट प्राकृतिक खेती का कवरेज बढ़ाना

TAGARAMPUDI

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: ANAKAPALLE
DISTRICT PANCHAYAT: VISAKHAPATANAM (ANDHRA PRADESH)



**CLEAN
AND
GREEN
PANCHAYAT**



Profile:

Local Government Directory Code: 235255

Total Elected Panchayat Representatives: 11

(Male: 6, Female: 5)

Total Population: 2098 (Male: 1051, Female: 1047)

Total villages: 1

Total Households: 623



KEY ACHIEVEMENTS

- 100% segregated waste collection from households, processing one ton of garbage daily and converting it into 72 tons of vermicompost annually
- Developed a community sanitary complex and ensured access to safe drinking water for all residents
- Increased green cover to over 995 acres through extensive roadside tree plantations, with organic farming promoted on 257 acres
- Implemented Zero Budget Natural Farming on 128 acres, reducing dependency on chemicals
- Five Clap Mitras (Green Ambassadors) are appointed for daily garbage collection and at source segregation of Dry and Wet Waste



CHALLENGES FACED

- Reluctance from the community toward waste management programs
- Limited understanding of the long-term benefits of solid waste management practices led to slow adoption.
- Financial constraints
- Lack of technical resources and training in sustainable practices



APPROACH TAKEN

- Tree planting on barren lands to prevent soil erosion
- Banned single-use plastics
- Encouraged organic and zero-budget natural farming, covering 128 acres to conserve biodiversity
- Conducted awareness programs in collaboration with local volunteers to educate residents on waste management, clean energy, and eco-friendly practices.
- Provided accessible waste collection and scientific composting



SUPPORT RECEIVED

- MGNREGS and Swachh Bharat Mission grants
- Digital tools like the PR One app, supported by the State Government, to streamline tracking of waste collection and sanitation stock



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Reducing waste generation, advancing liquid waste management, and expanding its focus on renewable energy
- Integrate electric vehicles to minimize carbon emissions, while solar energy systems are being considered for LED lighting and water pumps
- Extend zero-budget natural farming coverage

सुमूर
ग्राम पंचायत
ब्लॉक पंचायत: पैनामिक
जिला पंचायत: लेह लद्दाख (लद्दाख)



**स्वच्छ एवं
हरित
पंचायत**



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 241170

कुल निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि: 7

(पुरुष: 6, महिला: 1)

कुल जनसंख्या: 711

(पुरुष: 385, महिला: 326)

कुल गांव: 1

कुल परिवार: 276



मुख्य उपलब्धियाँ

- कचरे को अलग करने और संसाधित करने, लैंडफिल पर निर्भरता कम करने और पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने के लिए ठोस संसाधन प्रबंधन केंद्र स्थापित किए गए
- गांव स्तर पर स्वच्छता अभियान को संस्थागत रूप दिया गया है, जिसमें नियमित सफाई गतिविधियों में घरों और स्थानीय स्कूलों को शामिल किया गया है
- वृक्षारोपण अभियान मौसमी आधार पर आयोजित किए जाते हैं



चुनौतियाँ

- सीमित वित्तीय संसाधनों के कारण व्यापक अपशिष्ट प्रबंधन बुनियादी ढांचे की स्थापना में बाधा उत्पन्न हुई
- दुर्गम भूभाग के कारण नियमित कचरा संग्रहण और परिवहन महंगा और समय लेने वाला हो गया
- सभी समुदाय के सदस्यों के बीच जागरूकता पैदा करना और भागीदारी को बढ़ावा देना शुरू में चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि कुछ निवासी पारंपरिक अपशिष्ट निपटान प्रथाओं को बदलने के लिए अनिच्छुक थे



दृष्टिकोण

- आवश्यक बुनियादी ढांचे के लिए जिला और राज्य योजनाओं से वित्तीय सहायता मांगी
- अपशिष्ट प्रबंधन में तकनीकी सहायता के लिए स्थानीय गैर सरकारी संगठनों को शामिल किया गया
- अपशिष्ट पृथक्करण और पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं के लिए सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन
- स्थानीय स्वयंसेवक पड़ोस में सफाई अभियान चलाने में लगे हैं, जिससे सामूहिक कार्रवाई को प्रेरणा मिल रही है
- अपनी पहलों को बढ़ावा देने, व्यापक दर्शकों तक पहुंचने और सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्मों का लाभ उठाया



प्राप्त समर्थन

- ग्रामीण विकास विभाग से वित्तीय सहायता
- स्थानीय गैर सरकारी संगठनों और पर्यावरण समूहों से विशेषज्ञता और संसाधन
- स्कूल प्रशासन ने विद्यार्थियों को स्वच्छता अभियान में शामिल करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई
- सामुदायिक नेताओं और स्थानीय व्यवसायों ने दान और स्वैच्छिक प्रयासों के माध्यम से सक्रिय रूप से योगदान दिया



**सततता के लिए
रोडमैप**

- स्वच्छता प्रयासों में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए समुदाय के नेतृत्व में सफाई गतिविधियों और पर्यावरण जागरूकता अभियानों को संस्थागत बनाना
- एसआरएमसी को परिचालन लागत और रखरखाव का समर्थन करने के लिए अपशिष्ट प्रबंधन सेवाओं के लिए उपयोगकर्ता शुल्क की शुरुआत
- पर्यावरण शिक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए स्थानीय स्कूलों के साथ सहयोग करना

SUMOOR

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: PANAMIC
DISTRICT PANCHAYAT: LEH LADAKH (LADAKH)



**CLEAN
AND
GREEN
PANCHAYAT**



Profile:

Local Government Directory Code: 241170

Total Elected Panchayat Representatives: 7

(Male: 6, Female: 1)

Total Population: 711 (Male: 385, Female: 326)

Total villages: 1

Total Households: 276



KEY ACHIEVEMENTS

- Established Solid Resource Management Centers to segregate and process waste, reducing landfill dependency and promoting recycling
- Village-level cleanliness drive has been institutionalized, involving households and local schools in regular clean-up activities
- Tree plantation drives are organized seasonally



CHALLENGES FACED

- Limited financial resources constrained the establishment of comprehensive waste management infrastructure
- Difficult terrain made regular waste collection and transportation costly and time-consuming
- Creating awareness and fostering participation among all community members was initially challenging, as some residents were reluctant to change traditional waste disposal practices



APPROACH TAKEN

- Sought financial assistance from district and state schemes for the necessary infrastructure
- Involved local NGOs for technical support in waste management
- Conduct of community awareness programs for waste segregation and eco-friendly practices
- Local volunteers engaged to lead neighborhood clean-up campaigns, inspiring collective action
- Leveraged digital platforms to promote its initiatives, reaching a wider audience and enhancing community involvement



SUPPORT RECEIVED

- Financial support from Rural Development Department
- Expertise and resources from local NGOs and environmental groups
- School authorities played a pivotal role by involving students in cleanliness drives
- Community leaders and local businesses actively contributed through donations and volunteer efforts



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Institutionalize community-led clean-up activities and environmental awareness campaigns ensuring continuity in cleanliness efforts
- Introduction of user fees for waste management services to support operational costs and maintenance of SRMCs
- Collaborate with local schools to incorporate environmental education into the curriculum

मोड़ाले

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: इगतपुरी

जिला पंचायत: नासिक (महाराष्ट्र)



स्वच्छ एवं
हरित
पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 259713

कुल निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि: 11

(पुरुष: 5, महिला: 6)

कुल जनसंख्या: 1683

(पुरुष: 867, महिला: 816)

कुल गांव: 1

कुल परिवार: 325



मुख्य उपलब्धियाँ

- हमारे पर्यावरणीय प्रयासों के लिए पंचायती राज मंत्रालय से दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तीकरण पुरस्कार (2022) पुरस्कार और राज्य स्तरीय 'माझी वसुन्धरा' पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- स्वच्छता के लिए 325 व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक शौचालयों की उपलब्धता
- कुशल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 1,275 ड्रेनेज लाइनों की उपलब्धता
- जैव विविधता को बढ़ावा देने और हरित क्षेत्रों को बहाल करने के लिए 90,000 पौधे लगाए गए
- बड़े पैमाने पर निर्माण परियोजना शुरू की गई, व्यक्तिगत और सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण किया गया, साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन के लिए परिष्कृत भूमिगत जल निकासी प्रणाली भी बनाई गई
- सौर स्ट्रीट लाइट और पंप, बायोगैस इकाइयाँ और यहां तक कि मिनी पवन टर्बाइन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को क्रियान्वित किया गया।



चुनौतियाँ

- खुले में शौच और अप्रबंधित अपशिष्ट
- पर्यावरण की अनदेखी के कारण बीमारियाँ फैलीं और हमारे ग्रामीणों की खुशहाली पर असर पड़ा
- ईंधन के लिए वनों की कटाई



दृष्टिकोण

- ग्राम सभा और महिला सभा द्वारा सावधानीपूर्वक तैयार की गई ग्राम नियोजन प्रक्रिया।
- जन जागरूकता अभियान और शैक्षिक पहल



प्राप्त समर्थन

- केन्द्र एवं राज्य सरकार अनुदान (स्वच्छ भारत मिशन एवं मनरेगा)
- स्थानीय और कॉर्पोरेट फंडिंग
- गैर सरकारी संगठनों और एजेंसियों के साथ सहयोग
- महिला स्वयं सहायता समूह गांव में साफ-सफाई बनाए रखने, स्वच्छता को बढ़ावा देने और अन्य महिलाओं को शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं
- ख सक्रिय ग्राम स्वच्छता समिति



सततता के लिए रोडमैप

- अर्जित उपलब्धियों और परिसंपत्तियों को कायम रखना

MODALE

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: IGATPURI
DISTRICT PANCHAYAT: NASHIK (MAHARASHTRA)



**CLEAN
AND
GREEN
PANCHAYAT**



Profile:

Local Government Directory Code: 259713

Total Elected Panchayat Representatives: 11

(Male: 5, Female: 6)

Total Population: 1683 (Male: 867, Female: 816)

Total villages: 1

Total Households: 325



KEY ACHIEVEMENTS

- Received Deendayal Upadhyay Panchayat Sashaktikarana Puraskar (2022) Award from the Ministry of Panchayati Raj and the state-level 'Majhi Vasundhara' award for our environmental efforts
- Availability of 325 individual and public toilets for hygienic sanitation
- Availability of 1,275 Drainage Lines for efficient waste management
- 90,000 Saplings planted to promote biodiversity and restore green spaces
- Large-scale construction project undertaken, building individual and public toilets, along with sophisticated underground drainage systems to manage waste effectively
- Implemented renewable energy solutions like solar streetlights and pumps, biogas units, and even mini wind turbines.



CHALLENGES FACED

- Open Defecation and Unmanaged Waste
- Environmental neglect led to disease outbreaks and compromised the well-being of our villagers
- Deforestation for Fuel



APPROACH TAKEN

- Village planning process, carefully crafted by the Gram Sabha and Mahila Sabha (Women's Assembly).
- Public awareness campaigns and educational initiatives



SUPPORT RECEIVED

- Central and State Governments grants (Swachh Bharat Mission and MGNREGS)
- Local and Corporate Funding
- Collaboration with NGOs and Agencies
- Women's Self-Help Groups play a vital role in maintaining cleanliness, promoting hygiene, and educating other women in the village
- Active Village sanitation committee



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Sustaining the achievements and assets created



आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा युक्त पंचायत

आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा युक्त पंचायत वह है जो सभी के लिए पर्याप्त, सुरक्षित और किफायती आवास तथा बुनियादी सेवाओं और संबंधित अवसंरचना तक पहुंच सुनिश्चित करती है।

स्थानीय उद्देश्य एवं लक्ष्य:

- › पक्की सड़कें और स्ट्रीट लाइट का प्रावधान
- › 100% पात्र परिवारों को आवास की उपलब्धता
- › 100% घरों में शौचालयों की उपलब्धता और उपयोग
- › सभी स्थानों पर उचित जल निकासी का प्रावधान
- › 100% घरों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता
- › जल और स्वच्छता परिसंपत्तियों के उपयोग और प्रबंधन के प्रमुख पहलुओं पर 100% घरों को शिक्षित करना



ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- › ग्राम पंचायत भवन, आंगनवाड़ी, स्कूल का निर्माण और रखरखाव तथा शौचालय और पेयजल की व्यवस्था
- › बंद और ढकी हुई नालियों का निर्माण करके सीवेज प्रणाली विकसित करना
- › अनुशंसित चिकित्सा सुविधाओं (बिस्तर, उपकरण आदि) के साथ उप-केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करना
- › बस शेल्टर और प्रमुख गांवों/सड़कों से कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना
- › ग्राम पंचायत भवन में कंप्यूटर और इंटरनेट सुविधा सुनिश्चित करना
- › सेवा सर्वेक्षणों के माध्यम से बुनियादी ढांचे की आवश्यकता का मूल्यांकन करना
- › पंचायत संपत्तियों के प्रबंधन के लिए समुदाय के सदस्यों के साथ समितियों का गठन/संविधान
- › खाना पकाने, हीटिंग, प्रकाश व्यवस्था, सिंचाई, घरेलू खाद्य प्रसंस्करण, उद्योग, दुकानों और होटलों जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों आदि के लिए ऊर्जा की जरूरतों का मूल्यांकन करना।





SELF-SUFFICIENT INFRASTRUCTURE IN PANCHAYAT

A Panchayat with Self-Sufficient Infrastructure is one which ensures access to adequate, safe and affordable housing and basic services and related infrastructure for all.

LOCAL GOALS AND TARGETS:

- › Provision of pucca roads and street lights
- › Availability of housing to 100% eligible families
- › Availability and usage of toilets in 100% households
- › Provision of proper drainage at all locations
- › Availability of clean drinking water to 100% households
- › Educate 100% households on key aspects of utilization and management of water and sanitation assets



ROLE OF GRAM PANCHAYATS:

- › Construction and maintenance of Gram Panchayat, Bhawan, Anganwadi, School and provision of toilets and drinking water.
- › Developing sewage system by constructing closed and covered drains
- › Ensuring availability of sub-centres and primary health centres with recommended medical facilities (beds, equipments etc.)
- › Ensuring connectivity to bus shelter & major villages / roads
- › Ensuring computer and internet facility in Gram Panchayat Bhawan
- › Assess the need for infrastructure through service surveys
- › Formation / constitution of committees with community members for management of Panchayat properties
- › Assess needs of energy for cooking, heating, lighting, irrigation, household food processing, industries, commercial establishments like shops and hotels etc.



कीरनथम

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: एस.एस. कुलम;
जिला पंचायत: कोयंबटूर; राज्य: तमिलनाडु



आत्मनिर्भर
बुनियादी ढांचा
युक्त पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: - 222215

कुल जनसंख्या: - 4807

(पुरुष- 2571 महिला- 2136)

कुल निर्वाचित सदस्य: - 8

(पुरुष -3 महिला-5)

गांवों की संख्या: -5

कुल परिवार: -8176

आंगनवाड़ियों की संख्या: -2

प्राथमिक विद्यालयों की संख्या: -2



मुख्य उपलब्धियाँ

- जोपी कीरनथम पंचायत कोयंबटूर क्षेत्र के सबसे तेजी से बढ़ते आईटी हब में से एक है, जिसमें आईटी-एसईजेड है।
- 3 पंप और 11 ओवरहेड टैंक (OHT), पाइपलाइनों के माध्यम से कुशल पेयजल वितरण सुनिश्चित करते हैं। इसके अतिरिक्त, इसने 100% व्यक्तिगत घरेलू शौचालय (IHHL), व्यक्तिगत जल आपूर्ति कनेक्शन, एकीकृत महिला स्वच्छता परिसर (IWSC), एकीकृत पुरुष स्वच्छता परिसर (IMSC), और सामुदायिक स्वच्छता परिसर (CSC) हासिल किया है, जिससे यह एक खुले में शौच-मुक्त (ODF) गाँव बन गया है। ये पहल बुनियादी ढाँचे के विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य दोनों के लिए गाँव की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।
- जोपी कचरा डंप-मुक्त क्षेत्रों को बनाए रखता है और 10 पर्यावरण-अनुकूल ई-कार्ट का उपयोग करके डोर-टू-डोर अलग-अलग कचरा संग्रह प्रणाली का उपयोग करता है।



चुनौतियाँ

- सीमित वित्तीय संसाधन पंचायत की आवश्यक सेवाएँ और बुनियादी ढाँचा प्रदान करने की क्षमता में बाधा डालते हैं।
- आईटी कंपनियों के आने से जनसंख्या में वृद्धि हुई है, जिससे मौजूदा संसाधनों और सेवाओं पर दबाव बढ़ रहा है।
- स्लम बोर्ड के माध्यम से 1,920 घरों के निर्माण के साथ, पानी, स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन जैसी बुनियादी सेवाओं की मांग बढ़ रही है।



दृष्टिकोण

- 2008 में विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) की शुरुआत की गई, जिसने बहुराष्ट्रीय निगमों (एमएनसी) और आईटी कंपनियों को आकर्षित किया, जिससे स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला।
- जोपी क्षेत्र में अब 30,000 से अधिक कर्मचारी काम कर रहे हैं, जो स्थानीय आर्थिक वृद्धि में योगदान दे रहे हैं।
- पंचायत अपने स्वयं के स्रोत से सालाना 11 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित करती है, जो विभिन्न गतिविधियों और सेवाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए वित्तीय साधन प्रदान करता है।



प्राप्त समर्थन

- आवास एवं शहरी विकास निगम लिमिटेड के आवासीय क्षेत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक गैर सरकारी संगठन के साथ सहयोग स्थिरता के लिए सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाता है।
- एसएफसी, एजीएमटी, एनएनटी, ग्राम पंचायत सामान्य निधि और 15वें केंद्रीय वित्त आयोग जैसी राज्य और केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से भवनों, सड़कों और सीवेज प्रणालियों का विकास निवासियों के लिए समग्र बुनियादी ढाँचे और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है।



सततता के लिए रोडमैप

- 29.5 किलोमीटर की बीटी सड़कें पंचायत के भीतर सभी बस्तियों को जोड़ रही हैं और आस-पास की पंचायतों और निगमों तक फैली हुई हैं।
- शहरी और ग्रामीण बस्तियों को लचीला बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- इसका उद्देश्य क्षेत्रों के भीतर और उनके बीच असमानताओं को कम करना है।
- सामाजिक समावेश और स्थिरता को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम।
- संसाधनों और बुनियादी ढाँचे को ट्रैक करने के लिए सड़क संपर्क मानचित्र, जैव विविधता रजिस्टर और जियो-टैगिंग सहित डिजिटल प्रबंधन प्रणाली।

KEERANATHAM

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: S.S. KULAM; DISTRICT PANCHAYAT:
COIMBATORE; STATE:TAMILNADU



Self- Sufficient Infrastructure in Panchayat



Profile:

Local Government Directory Code: - 222215

Total Population: - 4807

(Male- 2571 Female- 2136)

Total Elected Members: - 8

(Male -3 Female-5)

Number of Villages:-5

Total Households:-8176

Number of Anganwadis: -2

Number of Primary Schools: -2



KEY ACHIEVEMENTS

- GP Keeranatham Panchayat is one of the fast-growing IT Hub of Coimbatore region with the presence of IT-SEZ.
- 3 pumps and 11 overhead tanks (OHTs), ensuring efficient drinking water distribution through pipelines. Additionally, it has achieved 100% Individual Household Latrines (IHHL), Individual Water Supply Connections, Integrated Women Sanitary Complex (IWSC), Integrated Men Sanitary Complex (IMSC), and Community Sanitation Complex (CSC), making it an open defecation-free (ODF) village. These initiatives reflect the village's commitment to both infrastructure development and public health.
- The GP maintains waste dump-free areas and employs a door-to-door segregated waste collection system using 10 eco-friendly eCarts.



CHALLENGES FACED

- Limited financial resources hinder the Panchayat's ability to provide essential services and infrastructure.
- The influx of IT companies has led to a surge in the population, putting pressure on existing resources and services.
- With 1,920 houses constructed through slum board, there is a growing demand for basic services like water, sanitation, and waste management.



APPROACH TAKEN

- Special Economic Zone (SEZ) launched in 2008, attracting multinational corporations (MNCs) and IT companies, which has boosted local economic activities.
- More than 30,000 employees are now working in the GP area, contributing to local economic growth.
- The Panchayat generates annual own-source revenue of 11 crores, providing the financial means to effectively implement various activities and services.



SUPPORT RECEIVED

- The collaboration with an NGO for solid waste management in the Housing and Urban Development Corporation Limited residential area indicates a proactive approach to sustainability.
- The development of buildings, roads, and sewage systems through state and central schemes like SFC, AGAMT, NNT, village panchayat General fund and the 15th Central Finance Commission enhances the overall infrastructure and quality of life for residents.



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- 29.5 kilometres of BT roads have been connecting all habitations within the Panchayat and extending to adjacent panchayats and corporations.
- Efforts focus on creating resilient urban and rural settlements.
- Aimed at minimizing disparities within and among regions.
- Programs fostering social inclusion and stability.
- Digitized Management systems, including a road connectivity map, biodiversity register, and geo-tagging to track resources and infrastructure.

साहापुर

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: हिन्जिलिकट;

जिला पंचायत: गंजम; राज्य: ओडिशा



आत्मनिर्भर
बुनियादी ढांचा
युक्त पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: - 117781

कुल जनसंख्या: - 4807

(पुरुष- 2027 महिला- 2148)

कुल निर्वाचित सदस्य: - 14

(पुरुष -5 महिला-9)

गांवों की संख्या: -5

कुल परिवार: -1570

आंगनवाड़ियों की संख्या: - 5

प्राथमिक विद्यालयों की संख्या: 5



मुख्य उपलब्धियाँ

- ग्राम पंचायत साहापुर ने स्वयं के स्रोत से ₹10,12,922 राजस्व अर्जित किया और उसका उपयोग किया, जिससे आत्मनिर्भर अवसंरचना विकास गतिविधियों में योगदान मिला।
- अवसंरचना विकास कार्यों के लिए कुल ₹32,43,915 का व्यय आवंटित किया गया है।
- पाँच स्कूलों में से दो में इमारतें हैं, जबकि तीन नामांकन बढ़ाने के लिए स्थानांतरित हो रहे हैं।
- सभी स्कूलों में पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब, हार्ड-स्पीड इंटरनेट और पोर्टेबल पेयजल की सुविधा है, जिससे जलजनित बीमारियों में कमी आई है।
- निर्बाध बिजली की उपलब्धता से अनुपस्थिति कम होती है, और बाल हितैषी, लिंग-भेद वाले शौचालय स्वच्छता सुनिश्चित करते हैं। दो स्कूलों में शारीरिक गतिविधियों के लिए खेल के मैदान भी हैं।
- वोडक्यूएससी प्रशिक्षण में एसएचजी सदस्यों को शामिल करना, जिससे समुदाय को आत्मनिर्भर बुनियादी ढाँचा बनाने से संबंधित प्रयासों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है।



चुनौतियाँ

- व्यक्तिगत परियोजनाओं के लिए सीमित वित्तपोषण
- तकनीकी ज्ञान और जनशक्ति की कमी



दृष्टिकोण

- ग्राम पंचायत के रणनीतिक दृष्टिकोण में ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) शामिल है, जो सामुदायिक आवश्यकताओं के अनुरूप बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्राथमिकता देती है।
- उप समितियाँ और स्थायी समिति के सदस्य प्रगति और जवाबदेही को आगे बढ़ाते हैं।
- ग्राम सभा की बैठकों में नियमित चर्चा से मूल्यांकन और सामुदायिक इनपुट की सुविधा मिलती है, जिससे स्थायी और सुनियोजित बुनियादी ढांचा सुनिश्चित होता है।



प्राप्त समर्थन

- प्रमुख हितधारकों से प्राप्त सहयोग ने स्वयं के स्रोत से प्राप्त राजस्व के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा दिया है, जो ₹10,12,922 की राशि है, जिससे आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा मिला है।
- सौर ऊर्जा प्रतिष्ठानों के लिए अंदाइश निधियों और टाइड अनुदानों का रणनीतिक आवंटन निर्बाध बिजली सुनिश्चित करता है।
- आंतरिक और बाह्य दोनों तरह की सहायता का लाभ उठाकर, जीपी अपने विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है।



सततता के लिए रोडमैप

- जीपी साहापुर अपने राजस्व को बढ़ाकर और महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए धन सुरक्षित करके सतत विकास के लिए समर्पित है।
- हितधारकों के साथ नियमित रूप से जुड़कर समुदाय की जरूरतों को प्राथमिकता देना सुनिश्चित किया जाएगा।
- यह योजना स्वच्छ जल को बनाए रखने, स्वच्छता को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने पर केंद्रित है। अपने आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचे के साथ सुचारू और कुशल सेवा प्रदायगी सुनिश्चित करते हुए, ग्राम पंचायत को उसके प्रयासों के लिए आईएसओ प्रमाणन से सम्मानित किया गया है।

SAHAPUR

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: HINJILICUT; DISTRICT PANCHAYAT:
GANJAM; STATE: ODISHA



Self-Sufficient Infrastructure in Panchayat



Profile:

Local Government Directory Code: - 117781

Total Population: - 4807

(Male- 2027 Female- 2148)

Total Elected Members: - 14

(Male -5 Female-9)

Number of Villages:-5

Total Households:-1570

Number of Anganwadis: - 5

Number of Primary Schools: 5



KEY ACHIEVEMENTS

- GP Sahapur generated and utilized ₹10,12,922 in own-source revenue, contributing to self-sufficient infrastructure development activities.
- Total expenditure of ₹32,43,915 has been allocated towards infrastructure development works.
- Out of five schools, two have buildings, while three are relocating to increase enrolment.
- All schools have libraries, computer labs, high-speed internet, and access to portable drinking water, reducing waterborne diseases.
- Uninterrupted electricity decreases absenteeism, and child-friendly, gender-segregated toilets ensure hygiene. Two schools also have playgrounds for physical activities.
- Engaging SHG members in VWSC training enabling the community to better understand efforts towards building self-sufficient infrastructure.



CHALLENGES FACED

- Limited funding for individual projects
- Lack of technical knowledge and manpower



APPROACH TAKEN

- The GP's strategic approaches, includes the Gram Panchayat Development Plan (GPD), which prioritizes infrastructure projects aligned with community needs.
- Sub committees and standing committee members drive progress and accountability.
- Regular discussions in Gram Sabha meetings facilitate evaluation and community input, ensuring sustainable and well-planned infrastructure.



SUPPORT RECEIVED

- Support from key stakeholders has complemented the effective utilization of own-source revenue, amounting to ₹10,12,922 driving self-sufficient infrastructure development.
- Strategic allocation of untied funds and tied grants for solar energy installations ensures uninterrupted electricity.
- By leveraging both internal and external support, the GP is making significant strides towards achieving its development goals.



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- GP Sahapur is dedicated to sustainable development by increasing its own revenue and securing funds for important projects.
- By regularly engaging with stakeholders will ensure prioritizing community needs.
- The plan focuses on maintaining clean water, promoting sanitation, and preserving cultural heritage. With its self-sufficient infrastructure ensuring smooth and efficient service delivery, the Gram Panchayat has been awarded ISO certification in recognition of its efforts.

पारशु

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: एकांगरसराय;
जिला पंचायत: नालंदा; राज्य: बिहार



आत्मनिर्भर
बुनियादी ढांचा
युक्त पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: - 98118

कुल जनसंख्या:- 16048

(पुरुष- 8224 महिला- 7824)

कुल निर्वाचित सदस्य:- 29

(पुरुष-15 महिला- 14)

गांवों की संख्या: -14

कुल परिवार:- 1570

आंगनवाड़ियों की संख्या:- 14

प्राथमिक विद्यालयों की संख्या: 14



मुख्य उपलब्धियाँ

- सभी स्कूलों में अपनी बिल्डिंग, लाइब्रेरी, कंप्यूटर, इंटरनेट, पेय जालापूर्ति और लड़कियों और लड़कों के लिए अलग-अलग शौचालयों के साथ खेल का मैदान है।
- कार्यात्मक सीएससी और पीएससी
- नागरिकों के लिए एक सामुदायिक केंद्र।
- 100% घरों को पेय जालापूर्ति हो रही है
- कार्यात्मक आपदा प्रबंधन समिति आपदा से संबंधित योजना बनाने के लिए जिम्मेदार है।
- सभी मौसमों में बाजारों और सेवाओं तक बेहतर पहुँच की सुविधा के लिए स्थानीय सड़क नेटवर्क को बढ़ाया।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ स्थानीय जरूरतों को पूरा करती हैं, निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में समुदाय के सदस्यों को शामिल करना।



चुनौतियाँ

- बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं के गुणात्मक पहलुओं को लागू करने और सुनिश्चित करने की दिशा में परियोजनाओं/गतिविधियों में सामुदायिक स्वामित्व की कमी
- उनकी स्थिरता और कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे का अनुचित संचालन और रखरखाव



दृष्टिकोण

- बहुआयामी प्रयासों के माध्यम से सामुदायिक स्वामित्व सुनिश्चित करना, प्रमुख चुनौतियों पर काबू पाने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा अपनाया गया मुख्य दृष्टिकोण था। इस दिशा में कुछ प्रयास इस प्रकार थे-
- नियोजन में सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करना।
- स्थानीय समुदाय से उनके क्षेत्र में किए जा रहे निर्माण की गुणवत्ता के बारे में सतर्क रहने और ग्राम पंचायत के साथ इस पर चर्चा करने के लिए कहना।
- सामुदायिक परिसंपत्तियों के रखरखाव के बारे में सामुदायिक जागरूकता।



प्राप्त समर्थन

- वित्तीय सहायता और अनुदान
- नियोजन में सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्य के दिशा-निर्देश
- गुणवत्ता सुनिश्चित करने और कार्य के दोहराव को रोकने के लिए तकनीकी सहायता और परिसंपत्तियों की जियो-टैगिंग
- राज्य स्तरीय संस्थाओं के माध्यम से उचित प्रशिक्षण।
- पंचायत सरकार भवन, स्कूल, जलापूर्ति प्रणाली आदि जैसी सामुदायिक परिसंपत्तियों के संचालन और रखरखाव के लिए प्रावधान और दिशा-निर्देश।



सततता के लिए रोडमैप

- विभिन्न सरकारी योजनाओं और निधियों से बनाई जा रही सामुदायिक परिसंपत्तियों का संचालन और रखरखाव इन परिसंपत्तियों की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है।
- पंचायत ने स्ट्रीट लाइट, सड़क, पाइप जलापूर्ति जैसी कुछ सामुदायिक परिसंपत्तियों की कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के लिए एक स्थानीय शिकायत निवारण प्रणाली स्थापित करने की योजना बनाई है।

PARTHU

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: EKANGARSARAI; DISTRICT PANCHAYAT:
NALANDA; STATE: BIHAR



Self- Sufficient Infrastructure in Panchayat



Profile:

Local Government Directory Code: - 98118

Total Population: - 16048

(Male- 8224 Female- 7824)

Total Elected Members: - 29

(Male -15 Female-14)

Number of Villages:-14

Total Households:-1570

Number of Anganwadis: - 14

Number of Primary Schools: 14



KEY ACHIEVEMENTS

- All school has its own building, library computer, Internet, drinking water supply and play ground with separate toilets for girls and boys.
- Functional CSC & PHC
- A community hall for the citizens.
- 100% Households are getting drinking water supply
- Functional Disaster management committee is responsible for making plan related to disaster.
- Enhanced local road networks to facilitate better access to markets and services in all weather.
- Involving community members in decision-making processes to ensure that infrastructure projects meet local needs.



CHALLENGES FACED

- Lack of community ownership in projects/ activities towards implementing and ensuring qualitative aspects of the infrastructure projects
- Improper Operation and Maintenance of the infrastructure to ensure their sustainability and functionality



APPROACH TAKEN

- Ensuring community ownership through multi-dimensional efforts was the key approach taken by the GP to overcome the major challenges. Some of the efforts in this direction were-
- Ensure community participation in planning.
- Asking local community to be vigilant about the quality of construction being done in their area and discuss it with the Gram Panchayat.
- Community awareness about maintenance of the community assets.



SUPPORT RECEIVED

- Financial aids and grants
- Central and State guidelines to ensure community participation in planning
- Technical support and geo-tagging of assets to ensure quality and to prevent duplication of work
- Proper training through state level institutions.
- Provision and guidelines for operation and maintenance of community assets like Panchayat Sarkar Bhawan, schools, water supply systems, etc.



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Operation and Maintenance of the community assets being created from different government schemes and funds is most important to ensure sustainability of these assets.
- The panchayat has planned to set up a local grievance redressal system to ensure the functionality of some of the community assets like street lights, roads piped water supply.



सामाजिक रूप से न्यायसंगत एवं सामाजिक रूप से संरक्षित पंचायत



सामाजिक रूप से न्यायसंगत एवं सामाजिक रूप से संरक्षित पंचायत वह है जो निम्नलिखित को सुनिश्चित करती है:

- › बीपीएल, विकलांग, निराश्रित, सामाजिक रूप से वंचित समूहों के जीवन स्तर में सुधार
- › सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत पात्र समूहों का कवरेज

स्थानीय उद्देश्य एवं लक्ष्य:

- › सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत कवरेज के माध्यम से बीपीएल परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाना
- › आईसीडीएस के अंतर्गत बच्चों और गर्भवती महिलाओं का नामांकन करना
- › उत्पादक रोजगार उपलब्ध कराना
- › उपयुक्त बुनियादी ढांचे (शौचालय, आंगनवाड़ी केंद्र आदि) का विकास करना
- › वंचित समूहों के प्रति असमानताओं और सभी प्रकार के भेदभाव को कम करना
- › सार्वजनिक वितरण योजना के अंतर्गत पात्र व्यक्तियों के पंजीकरण की सुविधा प्रदान करना
- › गरीब, निराश्रित और कमजोर लोगों की पहचान के लिए मानदंड विकसित करना
- › गरीब और कमजोर समूहों के लिए विभिन्न योजनाओं की जानकारी का प्रसार
- › उत्तरदायी, समावेशी और सहभागी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए ग्राम सभा को मजबूत बनाना
- › नागरिकों को समय पर सेवाएं उपलब्ध कराना और उनकी निगरानी सुनिश्चित करना
- › दिव्यांगों का पुनर्वास



ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- › महिलाओं और बालिकाओं के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना
- › पीड़ित के पुनर्वास का समर्थन करना और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना
- › समावेशी एवं गुणवत्तापरक शिक्षा सुनिश्चित करना
- › स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों में गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे को सुनिश्चित करना
- › सभी जन्मों का पूर्ण पंजीकरण सुनिश्चित करना
- › समान कार्य अवसर सुनिश्चित करना
- › रोजगार सृजन को सुगम बनाना





SOCIALLY JUST AND SOCIALLY SECURED PANCHAYAT



SOCIALLY JUST AND SECURED PANCHAYAT IS ONE WHICH ENSURES:

- › Improved living standards of BPL, disabled, destitute, socially disadvantaged groups
- › Coverage of eligible groups under social protection scheme

LOCAL GOALS AND TARGETS:

- › Improve living standards of BPL households through coverage under social protection schemes
- › Enrol children and pregnant women under ICDS
- › Provide productive employment
- › Develop appropriate infrastructure (toilets, anganwadi centres etc.)
- › Reduce inequalities and all forms of discrimination of disadvantaged groups
- › Facilitate registration of eligible under Public Distribution Scheme
- › Develop criteria for identification of the poor, destitute and vulnerable
- › Dissemination of information on various schemes for poor and vulnerable groups
- › Strengthen Gram Sabha for ensuring responsive, inclusive and participatory representation
- › Ensure timely access of services to citizen and its monitoring
- › Rehabilitation of differently-abled



ROLE OF GRAM PANCHAYATS:

- › Ensure safe & secured environment for women and girl children
- › Support rehabilitation of victim and ensure legal action
- › Ensure inclusive and quality education
- › Ensure quality infrastructure in schools & health centers
- › Ensure complete registration of all births
- › Ensure equal work opportunities
- › Facilitate employment generation



मुप्पल्ला

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: चंद्रलापाडु

जिला पंचायत: कृष्णा (आंध्र प्रदेश)



सामाजिक रूप
से न्यायसंगत एवं
सामाजिक रूप से
संरक्षित पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 203010

कुल जनसंख्या: 7,052

(पुरुष: 3,540, महिला: 3,512)

कुल निर्वाचित प्रतिनिधि: 14

(पुरुष: 8, महिला: 6)

कुल परिवार: 1529



मुख्य उपलब्धियाँ

- बुढ़ों, विकलांगों, विधवाओं और पारंपरिक कलाकारों सहित विभिन्न श्रेणियों के 847 पेंशन लाभार्थियों के साथ सामाजिक सुरक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित की गई।
- 1,378 राशन कार्ड वितरित किए गए और 148 निवासियों को डिजिटल ABHA स्वास्थ्य आईडी प्रदान की गई।
- स्थानीय उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों, किराना दुकानों, सिलाई इकाइयों, फल और सब्जी विक्रेताओं तथा अन्य छोटे व्यवसायों सहित स्वरोजगार पहल के माध्यम से 2,107 महिलाओं को सशक्त बनाया गया।
- 166 स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) स्थापित किए गए, जिससे महिलाएं 26 सूक्ष्म उद्यमों का प्रबंधन करने में सक्षम हुईं



चुनौतियाँ

- सीमित वित्तीय संसाधन
- कम साक्षरता
- अपर्याप्त बुनियादी ढांचा
- महिलाओं की भागीदारी सीमित करना और पारिवारिक विवादों का लगातार बढ़ना



दृष्टिकोण

- परिवार परामर्श समिति की स्थापना
- 500 से अधिक सेवाओं की डिजिटलीकरण को सुचारू बनाने के लिए ग्राम सचिवालय में डिजिटल गवर्नेंस की शुरुआत की गई
- महिलाओं की सुरक्षा और भागीदारी के लिए स्थानीय अधिकारियों द्वारा जागरूकता अभियान चलाए गए
- आपदा प्रबंधन समितियाँ और आश्रय स्थल स्थापित किए गए
- स्वयं सहायता समूहों के गठन से महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता बढ़ी



प्राप्त समर्थन

- केन्द्र एवं राज्य सरकार अनुदान



सततता के लिए रोडमैप

- आजीविका के अवसरों का विस्तार करना और आपदा तैयारी को मजबूत करना
- कृषि के अलावा रोजगार में विविधता लाने के लिए कौशल विकास कार्यक्रम बनाना तथा आर्थिक लचीलेपन को प्रोत्साहित करना।
- स्वयं सहायता समूहों को अधिक समर्थन देकर महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना
- टिकाऊ कृषि पद्धतियाँ और पर्यावरण संरक्षण पहलों को लागू करना

MUPPALLA

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: CHANDARLAPADU
DISTRICT PANCHAYAT: KRISHNA (ANDHRA PRADESH)



**SOCIALLY JUST
AND SOCIALLY
SECURED
PANCHAYAT**



Profile:

Local Government Directory Code: 203010

Total Population: 7,052

(Male: 3,540, Female: 3,512)

Total Elected Representatives: 14

(Male: 8, Female: 6)

Total Households: 1529



KEY ACHIEVEMENTS

- › Ensured universal access to social security, with 847 pension beneficiaries across categories, including elderly, disabled, widows, and traditional artists.
- › Distributed 1,378 ration cards and provided digital ABHA health IDs to 148 residents.
- › Empowered 2,107 women through self-employment initiatives, including local industries workers, kirana shops, tailoring units, fruit and vegetables vendors, among other small businesses.
- › Established 166 Self-Help Groups (SHGs), enabling women to manage 26 micro-enterprises



CHALLENGES FACED

- › Limited financial resources
- › low literacy
- › Insufficient infrastructure
- › Limiter women participation and frequent family disputes



APPROACH TAKEN

- › Established Family Counselling Committee
- › Digital governance introduced at the Gram Sachivalayam to streamline delivery of over 500 services
- › Awareness campaigns conducted by local authorities for women's safety and participation
- › Disaster Management Committees and Shelters established
- › Formation of SHGs bolstered financial independence for women



SUPPORT RECEIVED

- › Central and State Government grants



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- › Expanding livelihood opportunities and strengthening disaster preparedness
- › Creating skill development programs to diversify employment beyond agriculture, encouraging economic resilience.
- › Promoting women's participation through enhanced support for SHGs
- › Implement sustainable farming practices and environmental conservation initiatives

थानाधार

ग्राम पंचायत
ब्लॉक पंचायत: नारकंडा
जिला पंचायत: शिमला (हिमाचल प्रदेश)



सामाजिक रूप
से न्यायसंगत एवं
सामाजिक रूप से
संरक्षित पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 9784
कुल जनसंख्या: 2034
(पुरुष: 1033, महिला: 1001)
कुल निर्वाचित सदस्य: 7
(पुरुष: 4, महिला: 3)
कुल परिवार: 547



मुख्य उपलब्धियाँ

- मनरेगा के तहत जॉब कार्ड धारकों की संख्या 125 से बढ़कर 360 हुई
- 2022-23 में, 23,79,000 स्थानीय परियोजनाओं, रोजगार के अवसर पैदा करने और स्थानीय बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए निर्देशित किए गए
- स्वयं सहायता समूहों की संख्या 5 से बढ़कर 25 हुई
- 40 बीपीएल परिवारों और 547 पीडीएस कार्डधारकों को आवश्यक सेवाओं का प्रावधान
- सरकारी योजनाओं के बारे में नियमित जागरूकता शिविर



चुनौतियाँ

- सीमित स्रोत
- पहाड़ी भूगोल के कारण मौसमी बाधाएँ
- स्वयं सहायता समूहों का विस्तार
- सरकारी विभागों के समन्वय से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना



दृष्टिकोण

- मनरेगा संसाधनों को अधिकतम करना, रोजगार के अवसरों को निरंतर बनाए रखने के लिए वर्ष भर परियोजना नियोजन सुनिश्चित करना
- स्थायी आय और स्वयं सहायता समूहों के विस्तार के लिए, विशेष रूप से महिलाओं को कौशल विकास और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए स्थानीय संगठनों के साथ सहयोग करना
- पेंशन और बुनियादी प्रावधानों तक पहुंच को सुव्यवस्थित करने के लिए सामाजिक कल्याण विभागों के साथ समन्वय
- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा समर्थित नियमित जागरूकता शिविर



प्राप्त समर्थन

- सामाजिक कल्याण पहलों के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा सहायता प्रदान की गई
- स्थानीय संगठनों के साथ साझेदारी से स्वयं सहायता समूहों का विस्तार और सशक्तिकरण संभव हुआ



सततता के लिए रोडमैप

- मौजूदा पहलों को बढ़ावा देना
- मनरेगा के अंतर्गत रोजगार के अवसरों को प्राथमिकता देना
- स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से अधिकाधिक नागरिकों को सशक्त बनाना
- पेंशन और आवश्यक सेवाओं तक निरंतर पहुंच की सुविधा प्रदान करके कमजोर आबादी के लिए समर्थन बनाए रखना

THANADHAR

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: NARKANDA
DISTRICT PANCHAYAT: SHIMLA (HIMACHAL PRADESH)



**SOCIALLY JUST
AND SOCIALLY
SECURED
PANCHAYAT**



Profile:

Local Government Directory Code: 9784

Total Population: 2034(Male: 1033, Female: 1001)

Total Elected Members: 7 (Male: 4, Female: 3)

Total Households: 547



KEY ACHIEVEMENTS

- › Number of job card holders under MGNREGS increased from 125 to 360
- › In 2022-23, ₹23,79,000 directed towards local projects, creating job opportunities and enhancing local infrastructure
- › Number of Self-Help Groups increased from 5 to 25
- › Provision of essential services to 40 BPL households and 547 PDS cardholders
- › Regular awareness camps regarding government schemes



CHALLENGES FACED

- › Limited resources
- › Seasonal constraints due to hilly geography
- › Expanding Self-Help Groups
- › Organizing awareness programs in coordination with government departments



APPROACH TAKEN

- › Maximizing MGNREGA resources, ensuring year-round project planning to maintain consistent job opportunities
- › Collaboration with local organizations to provide skill development and training, particularly to women, for sustainable income and expanding SHGs
- › Coordination with social welfare departments to streamline access to pensions and basic provisions
- › Regular awareness camps, supported by the Department of Social Justice and Empowerment



SUPPORT RECEIVED

- › Support extended by Department of Social Justice and Empowerment for social welfare initiatives
- Partnerships with local organizations enabled the expansion and empowerment of Self-Help Groups



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- › Amplifying exiting initiatives
- › Prioritizing employment opportunities under MGNREGA
- › Empowering more citizens through SHGs
- › Sustain support for vulnerable populations by facilitating ongoing access to pensions and essential services

हरदीभाटा

ग्राम पंचायत
ब्लॉक पंचायत: नागरी
जिला पंचायत: धमतरी (छत्तीसगढ़)



सामाजिक रूप
से न्यायसंगत एवं
सामाजिक रूप से
संरक्षित पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 124006
कुल जनसंख्या: 1361
(पुरुष: 665, महिला: 696)
कुल निर्वाचित सदस्य: 15
(पुरुष: 6, महिला: 9)
कुल परिवार: 410



मुख्य उपलब्धियाँ

- सभी पात्र 451 लाभार्थियों को राशन कार्ड प्रदान किये गये
- सभी पात्र 184 लाभार्थियों को पेंशन वितरित की गई
- प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत सभी पात्र 178 लाभार्थियों को आवास उपलब्ध कराए गए
- आंगनवाड़ी में सभी पात्र 101 बच्चे पंजीकृत
- आंगनवाड़ी में सभी पात्र 48 महिलाएं पंजीकृत
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ सभी पात्र 14 महिलाओं को प्रदान किया गया



चुनौतियाँ

- समाज के विभिन्न वर्गों के बीच अपर्याप्त समन्वय
- लक्षित समूहों तक योजना के लाभों का अपर्याप्त वितरण



दृष्टिकोण

- सभी वर्गों से समावेशी विचार प्राप्त करने के लिए ग्राम सभाओं का आयोजन
- महिलाओं और बच्चों को ग्राम सभाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया तथा उनके सुझावों को ग्राम पंचायत विकास योजना में शामिल किया गया
- योजनाओं की जानकारी का घर-घर प्रचार-प्रसार



प्राप्त समर्थन

- स्व-सहायता समूह के सदस्यों ने बिहान योजना के क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान किया, जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं को प्रशिक्षण के बाद मजदूरी रोजगार उपलब्ध कराया जाता है
- आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और स्कूल शिक्षकों ने बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा के संबंध में सहायता प्रदान की
- क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए सहायता प्रदान की
- एनजीओ प्रदान संस्था ने भी सामाजिक गतिविधियों के लिए सहयोग प्रदान किया



सततता के लिए रोडमैप

- जागरूकता शिविर आयोजित करना
- ग्राम सभा में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना तथा अपनी मांगें प्रस्तुत करना

HARDIBHATA

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: NAGARI
DISTRICT PANCHAYAT: DHAMTARI (CHHATTISGARH)



**SOCIALLY JUST
AND SOCIALLY
SECURED
PANCHAYAT**



Profile:

Local Government Directory Code: 124006

Total Population: 1361

(Male: 665, Female: 696)

Total Elected Members: 15

(Male: 6, Female: 9)

Total Households: 410



KEY ACHIEVEMENTS

- Ration cards provided to all eligible 451 beneficiaries
- Pension dispersed to all eligible 184 beneficiaries
- Houses provided under PMAY to all eligible 178 beneficiaries
- All eligible 101 children registered in the Anganwadi
- All eligible 48 women registered in the Anganwadi
- Pradhan Mantri Matru Vandana Yojana benefits provided to all eligible 14 women



CHALLENGES FACED

- Inadequate coordination between different sections of society
- Inadequate dispersal of scheme benefits to target groups



APPROACH TAKEN

- Conduct of Gram Sabhas for inclusive views from all sections
- Women and children were encouraged to participate in Gram Sabhas and their suggestions were included in Gram Panchayat Development Plan
- Door-to-door dissemination of information on schemes



SUPPORT RECEIVED

- Self-Help Group members provided support for implementation of Bihan Yojna under which youth living in rural areas are provided wage employment after training
- Anganwadi workers and School teachers provided support regarding health and education of children
- Field functionaries provided support for implementation of the schemes
- NGO Pradaan Sanstha also provided support for social activities



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Organize awareness camps
- Encourage participation from all sections of society in Gram Sabha and presenting their demands



सुशासन युक्त पंचायत

सुशासन वाली पंचायत वह है जो प्रभावी शासन/ई-गवर्नेंस के माध्यम से ग्राम पंचायत के सभी निवासियों को विभिन्न योजनाओं का विकासात्मक लाभ और उत्तरदायी सेवा वितरण सुनिश्चित करती है।

स्थानीय उद्देश्य एवं लक्ष्य:

- आधुनिक ई-प्रौद्योगिकियों/प्रणालियों के माध्यम से नागरिकों को बेहतर सेवा प्रदान करना सुनिश्चित करना (सीएससी सह-स्थित/नागरिक चार्टर के अनुसार सेवा प्रदान करना)
- नियमित वार्ड/महिला/बाल-बालिका/ग्राम सभा
- कार्यात्मक स्थायी समितियाँ
- सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के लिए स्वयं सहायता समूह/ग्राम समितियों की भागीदारी
- जीपीडीपी की तैयारी के लिए विभिन्न संस्थाओं/ हितधारकों के बीच समन्वय और अभिसरण
- पंचायती राज संस्था और एसएचजी अभिसरण
- नागरिक संगठनों के साथ साझेदारी और सहयोग स्थापित करना



ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- पंचायत सचिवालय में ई-गवर्नेंस और आईसीटी उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करना
- स्थायी समितियों को मजबूत बनाना
- नागरिक चार्टर के अनुसार प्रभावी वितरण
- शिकायत निवारण प्रणाली विकसित करना
- सहभागी एवं अभिसारी ग्राम पंचायत विकास योजना





PANCHAYAT WITH GOOD GOVERNANCE

A Panchayat with Good Governance is one which ensures developmental benefits of various schemes and responsive service delivery to all the residents of Gram Panchayat through effective Governance / e-Governance.

LOCAL GOALS AND TARGETS:

- › Ensure better service delivery to citizens through modern e-technologies/systems (CSC co-located / service delivered as per citizen charter)
- › Regular ward/Mahila/ Bal-Balika/Gram Sabha
- › Functional standing committees
- › Involvement of SHG/ village committees for localization of SDGs
- › Coordination & convergence among various institutions/ stakeholders for preparation of GPDP
- › Panchayati Raj Institution and SHG convergence
- › Establishing partnership and collaboration with civil organizations



ROLE OF GRAM PANCHAYATS:

- › Ensuring availability of e-Governance and ICT tools in Panchayat Secretariat
- › Strengthening of Standing Committees
- › Effective delivery as per Citizen Charter
- › Developing Grievance Redressal Mechanism
- › Participatory and convergent Gram Panchayat Development Plan



वावकुल्ली 2

ग्राम पंचायत
ब्लॉक पंचायत: घोघम्बा
जिला पंचायत: पंच महल (गुजरात)



सुशासन युक्त
पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 301114

कुल जनसंख्या: 2392

(पुरुष: 1233, महिला: 1159)

स्कूल: 4

आंगनवाड़ी केंद्र: 3

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र: 1



मुख्य उपलब्धियाँ

- 2022-23 में 29 विकास परियोजनाएं पूरी की जाएंगी, जिससे गांव के बुनियादी ढांचे और सेवाओं में सुधार होगा
- सभी भुगतान और सेवाएँ डिजिटलीकृत
- सामान्य सेवा केंद्र के माध्यम से 250 आय प्रमाण पत्र जारी
- डिजिटल सेवा सेतु का उपयोग विधवा सहायता, वृद्धावस्था पेंशन आदि के लिए आवेदनों के प्रसंस्करण के लिए किया गया।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ने 2022-23 में 13,125 ओपीडी मामले और 4,410 लैब परीक्षण दर्ज किए, जिससे सुलभ स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित हुई



चुनौतियाँ

- जल की कमी और अपर्याप्त आवास
- दूरस्थ भूगोल, बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और स्थानीय मांगों को पूरा करने के लिए नवीन समाधानों की आवश्यकता



दृष्टिकोण

- मनरेगा योजना के तहत 25 कुओं का निर्माण किया गया, जो स्थायी जल स्रोत उपलब्ध कराएंगे
- प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाये गये 250 आवास
- सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए सरपंच की अनुपस्थिति में प्रशासनिक अधिकारी की नियुक्ति, तथा डिजिटल सेवा विस्तार से अधिक पारदर्शिता और सामुदायिक सहभागिता संभव हुई



प्राप्त समर्थन

- जलापूर्ति, स्वच्छता और सड़क निर्माण के लिए राज्य और केंद्र सरकार से 16,97,800 रुपये प्राप्त हुए
- मनरेगा के तहत 50 स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया
- सरकारी योजनाओं और पहलों से समुदाय में कुपोषण कम करने में मदद मिली



सततता के लिए रोडमैप

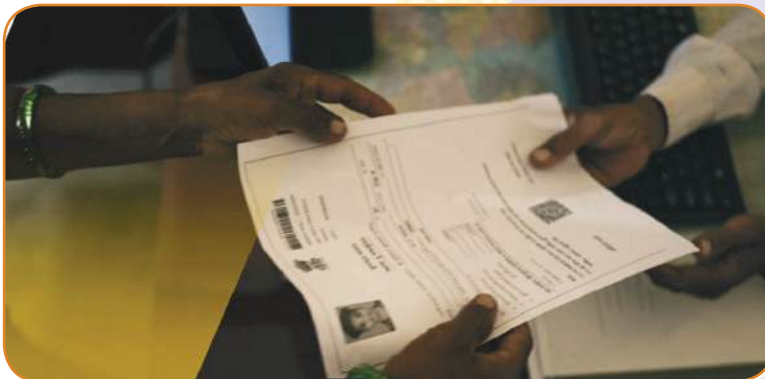
- जल संरक्षण और पर्यावरण स्थिरता के माध्यम से सतत विकास पर जोर देना
- विकास योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए नियमित ग्राम सभाएं आयोजित करना
- सक्रिय सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना

VAVKULLI 2

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: GHOGHAMBA
DISTRICT PANCHAYAT: PANCH MAHALS (GUJARAT)



**PANCHAYAT
WITH GOOD
GOVERNANCE**



Profile:

Local Government Directory Code: 301114

Total Population: 2392 (Male: 1233, Female: 1159)

Schools: 4

Anganwadi center: 3

Primary Health Center: 1



KEY ACHIEVEMENTS

- Completed 29 development projects in 2022-23, advancing village infrastructure and services
- All payments and services digitized
- 250 income certificates issued through Common Service Center
- Digital Seva Setu utilized for processing applications for widow assistance, old-age pensions etc.
- Primary health center recorded 13,125 OPD cases and 4,410 lab tests in 2022-23, ensuring accessible healthcare



CHALLENGES FACED

- Water scarcity and inadequate housing
- Remote geography, requiring innovative solutions to enhance infrastructure and meet local demands



APPROACH TAKEN

- 25 wells constructed under the MNREGA scheme, providing a sustainable water source
- 250 houses built under Pradhan Mantri Awas Yojana
- Appointment of administrative officer in absence of Sarpanch to ensure smooth operations, and digital service expansion enabled greater transparency and community engagement



SUPPORT RECEIVED

- Rs.16,97,800 received from state and central government for water supply, sanitation, and road construction
- Employment provided to 50 locals under MNREGA
- Government schemes and initiatives helped reduce malnutrition in the community



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Emphasize sustainable development through water conservation and environmental stability
- Hold regular Gram Sabhas to ensure effective implementation of development plans
- Encouraging active community participation

खालत्सी

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: खालत्सी

जिला पंचायत: लेह लद्दाख (लद्दाख)



सुशासन युक्त
पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 241110

कुल जनसंख्या: 2392

(पुरुष: 1233, महिला: 1159)

कुल निर्वाचित प्रतिनिधि: 8

(पुरुष: 6, महिला: 2)



मुख्य उपलब्धियाँ

- पारदर्शी शिकायत निवारण प्रणाली और डिजिटल नोटिस बोर्ड और ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से सूचना की बेहतर पहुँच
- नियमित ग्राम सभाओं और सहभागितापूर्ण निर्णय लेने की प्रक्रियाओं ने सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा दिया है



चुनौतियाँ

- सीमित इंटरनेट कनेक्टिविटी
- डिजिटल साक्षरता के निम्न स्तर ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर समुदाय की पूर्ण भागीदारी में बाधा उत्पन्न की
- बजट की कमी के कारण पूरी तरह सुसज्जित प्रशासनिक बुनियादी ढांचे को बनाए रखना और भी जटिल हो जाता है, जबकि भौगोलिक अलगाव के कारण कभी-कभी बाहरी सहायता में देरी होती है, जिससे पहल की गति धीमी हो जाती है।



दृष्टिकोण

- डिजिटल गवर्नेंस को लागू करने के लिए चरणबद्ध दृष्टिकोण अपनाया गया, बुनियादी ढांचे में सुधार को प्राथमिकता दी गई
- डिजिटल साक्षरता शिविरों के लिए स्थानीय गैर सरकारी संगठनों और सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग किया गया
- स्थानीय युवाओं को डिजिटल सुविधाकर्ता के रूप में शामिल किया गया ताकि निवासियों को ई-सेवाओं तक पहुंचने में मदद मिल सके, जिससे समावेशिता को बढ़ावा मिले
- लाइन विभागों के साथ समन्वय
- डिजिटल प्रयासों के साथ-साथ नियमित ऑफलाइन बैठकें आयोजित की गईं



प्राप्त समर्थन

- डिजिटल गवर्नेंस अवसंरचना स्थापित करने के लिए जिला प्राधिकारियों से वित्तीय सहायता और तकनीकी विशेषज्ञता
- स्थानीय गैर सरकारी संगठनों ने डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम चलाने के लिए सहयोग किया
- युवा स्वयंसेवकों और शिक्षित सदस्यों ने ऑनलाइन सेवाओं के कार्यान्वयन में सहायता की
- सरकारी विभागों ने पंचायत सदस्यों को प्रशिक्षण दिया



सततता के लिए रोडमैप

- एक समर्पित शासन और प्रौद्योगिकी संसाधन केंद्र स्थापित करने की योजना
- नए सामुदायिक सदस्यों को शामिल करने के लिए डिजिटल साक्षरता पर नियमित कार्यशालाएं आयोजित करना
- सरकारी कार्यक्रमों से निरंतर वित्तपोषण सुनिश्चित करना तथा दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता के लिए सीएसआर पहलों के अंतर्गत कॉर्पोरेट संस्थाओं के साथ साझेदारी की संभावनाएं तलाशना
- आवधिक मूल्यांकन और सामुदायिक प्रतिक्रिया सत्र

KHALTSI

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: KHALTSI
DISTRICT PANCHAYAT: LEH LADAKH (LADAKH)



**PANCHAYAT
WITH GOOD
GOVERNANCE**



Profile:

Local Government Directory Code: 241110

Total Population: 2392

(Male: 1233, Female: 1159)

Total Elected Representatives: 8

(Male: 6, Female: 2)



KEY ACHIEVEMENTS

- Transparent grievance redressal mechanisms and improved accessibility of information through digital notice boards and online portals
- Regular village meetings and participatory decision-making processes have fostered community involvement



CHALLENGES FACED

- Limited internet connectivity
- Low levels of digital literacy hindered full community participation in online platforms
- Budget constraints further complicated ability to maintain a fully equipped administrative infrastructure, while geographical isolation sometimes delaying external assistance, slowing the pace of initiatives.



APPROACH TAKEN

- Adopted phased approach to implement digital governance, prioritized basic infrastructure improvements
- Collaborated with local NGOs and government agencies for digital literacy camps
- Engaged local youth as digital facilitators to help residents access e-services, fostering inclusivity
- Coordination with line departments
- Regular offline meetings held alongside digital efforts



SUPPORT RECEIVED

- Financial assistance and technical expertise from district authorities for setting up digital governance infrastructure
- Local NGOs collaborated to conduct digital literacy programs
- Youth volunteers and educated members assisted in implementation of online services
- Government departments provided training for panchayat members



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Plans to establish a dedicated governance and technology resource center
- Conduct regular workshops on digital literacy to engage new community members
- Secure ongoing funding from government programs and explore partnerships with corporate entities under CSR initiatives for long-term financial sustainability
- Periodic assessments and community feedback sessions

पुनहदा

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: मखदुमपुर

जिला पंचायत: जहानाबाद (बिहार)



सुशासन युक्त
पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 96225

कुल जनसंख्या: 2579

(पुरुष: 1322, महिला: 1257)

कुल निर्वाचित प्रतिनिधि: 30

(पुरुष: 11, महिला: 19)



मुख्य उपलब्धियाँ

- › नियमित ग्राम सभाओं, बाल सभाओं और महिला सभाओं का आयोजन किया
- › पंचायत भवन में नागरिक सेवा कार्यों के लिए आरटी.पी.एस.
- › 57 युवा, शिक्षित स्वयंसेवकों ने इंटरनेट सेवाओं के लिए पैरवी की और परिषद और गांव के बीच सहयोग में मदद की। सरकारी कार्यालयों ने पंचायत सदस्यों को यह भी प्रशिक्षित किया कि वे सरकारी दक्षता सुनिश्चित करने के लिए अपनी शारीरिक, वित्तीय और प्रबंधन क्षमताओं को कैसे बढ़ाएं।



चुनौतियाँ

- › सीमित इंटरनेट कनेक्टिविटी
- › स्थानीय लोगों में डिजिटल साक्षरता का अभाव ऑनलाइन प्लेटफॉर्म में समुदाय की भागीदारी के लिए बाधाएं उत्पन्न कर रहा है
- › पूर्ण रूप से सुसज्जित प्रशासनिक बुनियादी ढांचे को बनाए रखने के लिए बजट की कमी
- › भौगोलिक अलगाव के कारण कभी-कभी बाह्य सहायता में देरी होती है



दृष्टिकोण

- › ग्राम पंचायत विकास योजना में 18 लाइन विभागों को शामिल करना और रणनीति अपनाना
- › गैर सरकारी संगठनों और सरकारी एजेंसियों के सहयोग से स्थानीय लोगों में डिजिटल साहित्यिक जागरूकता पैदा करना
- › निवासियों को ई-सेवाओं, आरटीपीएस और सीएससी का उपयोग करने में सहायता करने के लिए डिजिटल सुविधाकर्ता के रूप में स्थानीय युवाओं की सेवाओं का उपयोग किया गया।



प्राप्त समर्थन

- › लाइन विभागों से तकनीकी सहायता
- › स्थानीय गैर सरकारी संगठनों ने समुदाय को नई प्रौद्योगिकियों के अनुकूल बनाने में सहायता के लिए डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम लागू किए



सततता के लिए रोडमैप

- › डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों पर नियमित कार्यशालाएँ
- › सीएसआर प्रयासों के तहत कॉर्पोरेट कंपनियों के साथ गठबंधन स्थापित करना
- › नियमित मूल्यांकन और सामुदायिक इनपुट सत्र

PUNHADA

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: MAKHDUMPUR
DISTRICT PANCHAYAT: JEHANABAD (BIHAR)



**PANCHAYAT
WITH GOOD
GOVERNANCE**



Profile:

Local Government Directory Code: 96225

Total Population: 2579

(Male: 1322, Female: 1257)

Total Elected Representatives: 30

(Male: 11, Female: 19)



KEY ACHIEVEMENTS

- Held regular Gram Sabhas, bal Sabhas, and mahila sabhas sabhas
- RTPS for citizen service works at Panchayat Bhawan
- 57 young, educated volunteers lobbied for internet services and helped the council and hamlet collaborate. Government offices also trained Panchayat members in how to enhance their physical, financial, and management abilities to ensure government efficiency.



CHALLENGES FACED

- Limited internet connectivity
- Absence of digital literacy among locals posed obstacles for community's engagement in online platforms
- Budget constraints to maintain completely equipped administrative infrastructure
- Geographical isolation occasionally delayed external assistance



APPROACH TAKEN

- Engagement of 18-line departments and adopt strategies in Gram Panchayat Development Plan
- Digital literacy an awareness among locals with support from NGOs and government agencies
- Utilized services of local youngsters as digital facilitators to help residents use e-services, RTPS, and CSC.



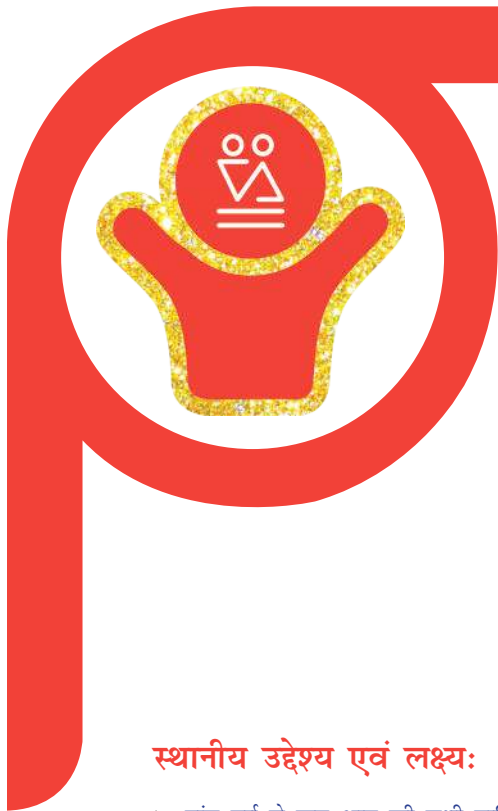
SUPPORT RECEIVED

- Technical support from Line Departments
- Local NGOs implemented digital literacy programs to assist the community adapt to new technologies



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Regular workshops on digital literacy programmes
- establish alliances with corporate companies under CSR efforts
- Regular evaluations and community input sessions



महिला हितैषी पंचायत

● महिला हितैषी पंचायत वह है जो सुनिश्चित करती है:

- › महिलाओं को समान अवसर
- › गर्भवती महिलाओं का 100% टीकाकरण
- › 100% संस्थागत प्रसव
- › महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध शून्य अपराध
- › सामाजिक-राजनीतिक, आर्थिक गतिविधियों आदि में महिलाओं की भागीदारी।

स्थानीय उद्देश्य एवं लक्ष्य:

- › पांच वर्ष से कम आयु की सभी बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करना
- › महिलाओं के लिए बैंकिंग सेवा की सुविधा
- › मातृ मृत्यु दर में कमी लाना
- › स्कूल में बालिकाओं के पूर्ण नामांकन और ठहराव के लिए वातावरण तैयार करना



ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- › महिला सभा का संचालन और ग्राम सभाओं में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना
- › महिलाओं के लिए सुरक्षित एवं संरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना
- › महिलाओं और बालिकाओं के लिए जागरूकता पैदा करना तथा उन्हें बेहतर स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं प्रदान करना
- › सभी विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत लाभ हेतु महिलाओं की समान पहुंच सुनिश्चित करना
- › यह सुनिश्चित करना कि सभी लड़कियाँ निःशुल्क, समान और गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करना
- › गरीब महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों में नामांकित करें और आर्थिक विकास गतिविधियों के लिए अवसर पैदा करना
- › सभी महिलाओं के लिए किराया और गुणवत्तापूर्ण तकनीकी, व्यावसायिक और उच्च शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित करना
- › महिला विकास के लिए बजट में पर्याप्त धनराशि निर्धारित करना
- › महिलाओं को समान कार्य के लिए समान वेतन सुनिश्चित करना





WOMEN FRIENDLY PANCHAYAT

A WOMEN FRIENDLY PANCHAYAT IS ONE WHICH ENSURES:

- › Equal opportunities to women
- › 100% immunization of pregnant women
- › 100% institutional delivery
- › Zero crimes against women and girls
- › Participation of women in socio-political, economic activities etc.

LOCAL GOALS AND TARGETS:

- › Ensure quality nutritious food to all girl children aged under five years
- › Facilitate banking service for woman
- › Reduce the maternal mortality ratio
- › Create environment for total enrolment and retention of girl children in school



ROLE OF GRAM PANCHAYATS:

- › Ensure conduct of Mahila Sabha and their participation in Gram Sabhas
- › Ensure safe and secured environment to women
- › Create awareness and provide better health care facilities to women and girl child
- › Ensure equal access to women for benefits under all development programs
- › Ensure that all girls complete free, equitable and quality primary and secondary education
- › Enroll poor women in SHGs and create opportunities for economic development activities
- › Ensure equal access for all women to affordable and quality technical, vocational and tertiary education
- › Earmark adequate funds in the budget for women development
- › Ensuring equal wages for equal work to women



दक्षिण मनुबंकुल ग्राम समिति

ब्लॉक सलाहकार समिति:रुपाईछड़ी
जिला परिषद: त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद
राज्य: त्रिपुरा



महिला हितैषी पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 254091
कुल जनसंख्या: 1900
(62% अनुसूचित जनजाति से संबंधित हैं)



मुख्य उपलब्धियाँ

- स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों के लिए 'श्रेष्ठ' ब्रांड की स्थापना, जिससे मसालों, चावल आदि जैसे स्थानीय रूप से उत्पादित वस्तुओं के लिए एक पहचान बनाई जा सके।
- महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करके सशक्त बनाना तथा कृषि (सब्जी और चावल की खेती, पशुपालन, पुष्पोत्पादन आदि) और गैर-कृषि क्षेत्रों (हस्तशिल्प, वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण आदि) में उद्यमशीलता को बढ़ावा देना।
- 301 'लखपति दीदियों' को आत्म-सशक्तिकरण के मॉडल के रूप में मान्यता दी गई, उन सफल महिलाओं को उजागर किया गया जिन्होंने अपने उद्यमशीलता प्रयासों के माध्यम से वित्तीय स्थिरता हासिल की है और समुदाय के भीतर प्रेरणादायक रोल मॉडल के रूप में काम करती हैं।



चुनौतियाँ

- आवश्यक संसाधन जुटाना।
- पंचायत की पहल के लिए सामुदायिक स्वीकृति प्राप्त करना।
- सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाओं पर काबू पाना।
- शासन और आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना।



दृष्टिकोण

- महिलाओं को शासन और निर्णय लेने में भाग लेने के लिए स्थान उपलब्ध कराने हेतु महिला सभाएं और लैंगिक संसाधन केन्द्र की स्थापना की गई।
- महिलाओं को वित्तीय प्रबंधन और आर्थिक भूमिका निभाने के लिए ज्ञान और आत्मविश्वास से लैस करने के लिए वित्तीय साक्षरता और ऋण शिविर आयोजित किए गए।
- त्रिपुरा ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वास्थ्य सखी, बैंक सखी, पशु सखी और मत्स्य सखी जैसी सामुदायिक सेवा प्रदाताओं ने महिलाओं के कौशल और आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा दिया।



प्राप्त समर्थन

- आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने महिलाओं के बीच स्वास्थ्य और स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाकर पंचायत को सहयोग दिया है।
- स्थानीय और राज्य सरकार एजेंसियों ने स्वच्छ पेयजल परियोजनाओं के लिए संसाधन उपलब्ध कराए।
- सरकारी एजेंसियों ने भी स्वास्थ्य पहलों को सुगम बनाया, जिससे समुदाय की समग्र भलाई में योगदान मिला।



सततता के लिए रोडमैप

- त्रिपुरा ग्रामीण आजीविका मिशन, बालिका मंच और एम्पावर हर जैसे प्रमुख कार्यक्रमों को संस्थागत रूप देना ताकि उन्हें सामुदायिक विकास का अभिन्न अंग बनाया जा सके।
- शासन और आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए नियमित वित्तीय साक्षरता और स्वास्थ्य जागरूकता शिविरों का आयोजन जारी रखना।
- एक समावेशी वातावरण को बढ़ावा देना जहां महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित और सामान्य बनाया जाए।

SOUTH MANUBANKUL

VILLAGE COMMITTEE, BLOCK ADVISORY COMMITTEE - RUPAICHARI
DISTRICT COUNCIL - TRIPURA TRIBAL AREAS AUTONOMOUS DISTRICT COUNCIL.
STATE: TRIPURA



Women Friendly Panchayat



Profile:

Local Government Directory Code: 254091

Total Population: 1900 (62% belong to Scheduled Tribes)



KEY ACHIEVEMENTS

- Establishment of the brand "SRESTHA" for SHG-made products, creating a recognizable identity for locally produced goods like spices, rice, etc.
- Empowering women by providing financial independence and promoting entrepreneurship in both farming (vegetable and rice cultivation, animal husbandry, floriculture etc.) and non-farming sectors (handicrafts, textiles, food processing etc).
- Recognition of 301 nos "LakhpatiDidis" as models of self-empowerment, highlighting successful women who have achieved financial stability through their entrepreneurial efforts and serve as inspiring role models within the community.



CHALLENGES FACED

- Mobilizing necessary resources.
- Gaining community acceptance for the Panchayat's initiatives.
- Overcoming socio-cultural barriers.
- Encouraging active female participation in governance and economic activities.



APPROACH TAKEN

- MahilaSabhas and a Gender Resource Centre were established to create spaces for women to participate in governance and decision-making.
- Financial literacy and credit camps were organized to equip women with the knowledge and confidence to manage finances and take on economic roles.
- Community service providers like SwasthyaSakhis, Bank Sakhis, PashuSakhis, and MatshyaSakhis under the Tripura Rural Livelihood Mission supported women's skills and economic independence.



SUPPORT RECEIVED

- ASHA and Anganwadi workers have supported the Panchayat by conducting health and hygiene awareness campaigns among women.
- Local and state government agencies provided resources for clean drinking water projects.
- Government agencies also facilitated health initiatives, contributing to the overall well-being of the community.



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Institutionalizing key programs like Tripura Rural Livelihood Mission, BalikaManch, and Empower Her to make them integral to community development.
- Continuing regular financial literacy and health awareness camps to promote women's participation in governance and economic activities.
- Fostering an inclusive environment where women's participation is encouraged and normalized.

चिल्लापल्ली

ग्राम पंचायत
ब्लॉक पंचायत: मंथनी, जिला पंचायत: पेड्डापल्ली
राज्य: तेलंगाना



महिला हितैषी पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 279823

कुल जनसंख्या: 1081

(पुरुष-573, महिला-508)

महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) : 64

महिला प्रशिक्षण कार्यक्रम: 4



मुख्य उपलब्धियाँ

- महिला-केंद्रित योजनाओं का सफल कार्यान्वयन।
- ग्राम सभाओं में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी है।
- स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया गया है तथा सभी पात्र स्वयं सहायता समूहों को बैंक ऋण उपलब्ध कराया गया है।
- जीवित जन्मों के मुकाबले मातृ मृत्यु का प्रतिशत शून्य है।
- उच्चतर माध्यमिक, माध्यमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में महिला नामांकन अनुपात 100% है।
- उच्च प्राथमिक विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में बालिकाओं की संक्रमण दर शून्य है।



चुनौतियाँ

- पितृसत्तात्मक मानसिकता और परिवर्तन का प्रतिरोध।
- सामाजिक मानदंड और सांस्कृतिक बाधाएँ।
- घरेलू हिंसा और महिला सुरक्षा संबंधी चिंताएँ।
- महिलाओं में शिक्षा एवं जागरूकता का अभाव।
- वित्तीय संसाधनों और ऋण तक सीमित पहुँच।
- बेरोजगारी एवं आजीविका के कम अवसर।



दृष्टिकोण

- जागरूकता अभियान और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये।
- नये महिला स्वयं सहायता समूह स्थापित किये गये।
- शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आर्थिक अवसरों तक पहुँच प्रदान की गई।
- निर्णय लेने में प्रतिनिधित्व और भागीदारी सुनिश्चित की गई।
- प्रगति की निगरानी की और इसके प्रभावों का मूल्यांकन किया।



प्राप्त समर्थन

- पंचायती राज मंत्रालय सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के अंतर्गत महिला-अनुकूल पंचायत विषय पर प्रयासों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- महिला हितैषी गांव का उद्देश्य महिलाओं और लड़कियों के लिए संरक्षण, सुरक्षा, आर्थिक विकास और सामाजिक विकास सुनिश्चित करना है।
- लिंग आधारित योजनाएँ लैंगिक न्याय और समानता को बढ़ावा देंगी, भेदभावपूर्ण सामाजिक मानदंडों को संबोधित करेंगी, तथा महिलाओं और लड़कियों के मूल्यों को बढ़ाएंगी, जिससे एसडीजी 5 (लैंगिक समानता) की प्राप्ति में योगदान मिलेगा।



सततता के लिए रोडमैप

- महिला पंचायत सदस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्थागत बनाना।
- पंचायत योजना में लिंग-संवेदनशील बजट को एकीकृत करना।
- महिलाओं के लिए डिजिटल साक्षरता और प्रौद्योगिकी तक पहुँच बढ़ाना।
- पंचायत नीतियों और निर्णयों में लैंगिक समानता को मुख्यधारा में लाना।
- निर्णय लेने वाले पदों पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना।
- पंचायतों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाना।
- लिंग-संवेदनशील बजट आवंटन में सुधार।

CHILLAPALLI

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: MANTHANI, DISTRICT PANCHAYAT: PEDDAPALLI
STATE: TELANGANA



Women Friendly Panchayat



Profile:

Local Government Directory Code: 279823

Total Population: 1081 (Male-573, Female-508)

Women's Self-Help Groups (SHGs) : 64

Women's Training Programs: 4



KEY ACHIEVEMENTS

- Successful implementation of women-centric schemes.
- There is active participation of women in Gram Sabhas.
- Enhanced economic empowerment through SHGs and all eligible SHGs have accessed Bank loan.
- The percentage of maternal deaths to live births is zero.
- Female enrollment ratio in higher secondary, secondary and upper-primary schools is 100%.
- The transition rate of girl children in upper primary schools, secondary schools, and higher secondary schools is zero.



CHALLENGES FACED

- Patriarchal mindset and resistance to change.
- Social norms and cultural barriers.
- Domestic violence and women's safety concerns.
- Lack of education and awareness among women.
- Limited access to financial resources and credit.
- Unemployment and less livelihood opportunities.



APPROACH TAKEN

- Conducted awareness campaigns and training programs.
- Established new women's self-help groups.
- Provided access to education, healthcare, and economic opportunities.
- Ensured representation and participation in decision-making.
- Monitored progress and evaluated its impacts.



SUPPORT RECEIVED

- Ministry of Panchayati Raj plays a crucial role in advancing efforts on the Women-Friendly Panchayat theme under the Localization of Sustainable Development Goals.
- Women Friendly Village aims to ensure protection, safety, economic growth, and social development for women and girls.
- Gender-based plans will promote gender justice and equality, address discriminatory social norms, and enhance the values of women and girls, contributing to the achievement of SDG 5 (Gender Equality).



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Institutionalize training programs for women panchayat members.
- Integrate gender-sensitive budgeting in panchayat planning.
- Enhance digital literacy and technology access for women.
- Mainstream gender equality in panchayat policies and decisions.
- Ensure representation of women in decision-making positions.
- Increase in women's representation in panchayats.
- Improvement in gender-sensitive budget allocation.

वरगनूर

ग्राम पंचायत

कुरुविकुलम, जिला पंचायत: तेनकासी

राज्य: तमिलनाडु



महिला हितैषी पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 230654

कुल जनसंख्या: 2712

(पुरुष: 1296, महिला: 1416)

महिलाओं द्वारा शासित



मुख्य उपलब्धियाँ

- सभी महिलाओं के लिए मासिक स्वास्थ्य जांच और योग कक्षाएं, मातृ मृत्यु दर शून्य करना।
- सभी बच्चों को स्कूल जाने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे लड़कियों की शिक्षा सुनिश्चित हो सके।
- बाल सभा लड़के और लड़कियों को आत्म-सुरक्षा और पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार सीखने में सक्षम बनाती है।
- महिलाओं को कढ़ाई, आभूषण निर्माण, साबुन निर्माण और बेकिंग जैसे क्षेत्रों में कौशल विकास प्रदान किया जाता है।



चुनौतियाँ

- अपर्याप्त स्वच्छता सुविधाएं,
- स्वच्छ पेयजल तक सीमित पहुंच।
- कई महिलाओं को शौचालय तक पहुंच पाने में कठिनाई होती थी, जिससे उन्हें पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी।
- उचित सुविधाओं के अभाव से महिलाओं की सुरक्षा और कल्याण पर असर पड़ा।



दृष्टिकोण

- स्वच्छता संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत व्यक्तिगत शौचालयों और सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण किया गया।
- जल जीवन मिशन ने ओवरहेड टैंक और व्यक्तिगत नल कनेक्शन स्थापित करके स्वच्छ पेयजल की पहुंच में सुधार किया।
- महिलाओं को अपने उत्पादों के विपणन में मदद करने तथा उनके व्यावसायिक अवसरों का विस्तार करने के लिए एक समर्पित वेबसाइट बनाई गई।



प्राप्त समर्थन

- पंचायत को राज्य और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलता है, जिनमें छात्राओं के लिए विशेष प्रोत्साहन योजना शामिल है।
- अतिरिक्त सहायता नाबार्ड, अटल पेंशन योजना, आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री नाशता योजना से मिलती है।



सततता के लिए रोडमैप

- समग्र सामुदायिक विकास ही सतत विकास का दृष्टिकोण है
- महिला सभा और बाल सभा महिलाओं और बच्चों के बीच सक्रिय भागीदारी और नेतृत्व को बढ़ावा देना जारी रखेंगी।

VARAGANOOR

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: KURUVIKULAM, DISTRICT PANCHAYAT: TENKASI
STATE: TAMIL NADU



Women Friendly Panchayat



Profile:

Local Government Directory Code: 230654

Total Population: 2712 (Male: 1296, Female: 1416)

Governed by women



KEY ACHIEVEMENTS

- Monthly health check-ups and yoga classes for all women, achieving a zero maternal death rate.
- All children encouraged to attend school, ensuring education for girls.
- Bal Sabha empowers boys and girls to learn self-protection and eco-friendly practices.
- skill development are provided to women in areas like embroidery, jewelry making, soap making, and baking.



CHALLENGES FACED

- Inadequate sanitation facilities.
- Limited access to clean drinking water.
- Many women struggled with toilet access, forcing them to travel long distances for water.
- The lack of proper facilities impacted the safety and well-being of women.



APPROACH TAKEN

- Individual toilets and community sanitary complexes were constructed under the Swachh Bharat Mission to address sanitation issues.
- Jal Jeevan Mission improved clean drinking water accessibility by establishing overhead tanks and individual tap connections.
- A dedicated website was created to help women market their products, expanding their business opportunities.



SUPPORT RECEIVED

- The Panchayat benefits from various state and central government schemes, including the special incentive scheme for girl students.
- Additional support comes from NABARD, Atal Pension Yojana, Ayushman Bharat, and the Chief Minister's Breakfast Scheme.



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Holistic community development is the vision for sustainable growth
- Mahila Sabha and Bal Sabha will continue fostering active participation and leadership among women and children.



ग्राम ऊर्जा स्वराज

विशेष पंचायत पुरस्कार

● एक पंचायत को ग्राम ऊर्जा स्वराज का दर्जा तब प्राप्त होता है जब सुनिश्चित होता है:

- 100% नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करना
- कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी

स्थानीय उद्देश्य एवं लक्ष्य:

- 100% नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग
- 100% अपशिष्ट प्रबंधन
- प्लास्टिक का शून्य उपयोग
- वनों और जैव विविधता का संरक्षण और विस्तार;
- घरों, परिवहन और औद्योगिक क्षेत्रों से कार्बन उत्सर्जन में कमी
- मृदा एवं जल संरक्षण



ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- कुल ऊर्जा आवश्यकता पर आधारभूत सर्वेक्षण
- प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगाना
- ठोस एवं तरल अपशिष्ट का प्रभावी प्रबंधन
- जागरूकता सृजन और समुदाय, प्राधिकरण और संगठन आदि सभी हितधारकों को संगठित करना
- नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे पवन, सौर, जलविद्युत आदि का उपयोग।
- ईंधन के रूप में बायोगैस को बढ़ावा देना
- जैविक कृषि को प्रोत्साहित करना
- राजस्व के संभावित स्रोत के रूप में कार्बन ऑफसेटिंग की पारंपरिक पद्धति का अभ्यास करना
- व्यापक वृक्षारोपण करना
- वृक्ष बैंकिंग और वृक्ष बंधक आदि का कार्यान्वयन।
- ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) निधियों और अन्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों का अभिसरण





GRAM URJA SWARAJ VISHESH PANCHAYAT PURASKAR



A PANCHAYAT ACHIEVES GRAM URJA SWARAJ STATUS WHEN ENSURES:

- › use 100 % renewal energy sources
- › reduction of carbon dioxide emissions

LOCAL GOALS AND TARGETS:

- › 100% use of renewal energy sources
- › 100% waste management
- › Zero use of plastic
- › Conservation and expansion of forests and biodiversity;
- › Reduction of carbon emission from households, transportation and industrial sectors
- › Soil and water conservation



ROLE OF GRAM PANCHAYATS:

- › Baseline survey on total energy requirement
- › Ban use of plastic
- › Effective management of Solid and liquid waste
- › Awareness generation and mobilization of community, authorities and organizations etc. all stakeholders
- › Usage of renewal energy sources such as wind, solar, hydel etc.
- › Promotion of biogas as fuel
- › Encouraging organic agriculture
- › Practicing traditional practise of carbon offsetting as potential source of revenue
- › Extensive tree plantation,
- › Implementation of tree banking and tree mortgaging.etc.
- › Convergence of Gram Panchayat Development Plan (GPDP) funds and other schemes & programs



मन्याचिवाडी

ग्राम पंचायत
ब्लॉक पंचायत: पाटन
जिला पंचायत: सतारा (महाराष्ट्र)



ग्राम ऊर्जा स्वराज
विशेष पंचायत
पुरस्कार



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 189955

कुल जनसंख्या: 420

(पुरुष: 131, महिला: 289)

कुल निर्वाचित प्रतिनिधि: 6

(पुरुष: 3, महिला: 3)

कुल परिवार: 98

कुल पेयजल पंप: 1

कुल किसान: 25

कुल स्ट्रीट लाइटें: 35



मुख्य उपलब्धियाँ

- 98 में से 65 कार्यात्मक बायो-गैस संयंत्र से जुड़े घर
- सभी 35 स्ट्रीट लाइटें सौर ऊर्जा से संचालित
- परियोजनाओं के तहत 30 लोगों को रोजगार प्रदान किया गया
- 25 में से 16 किसान सौर ऊर्जा चालित जल पंप का उपयोग कर रहे हैं
- 1 पेयजल पंप सौर ऊर्जा चालित
- सभी 102 घरेलू और सार्वजनिक संस्थानों की इमारतों में छत पर सौर मॉडल हैं
- 76 राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार प्राप्त
- आईएसओ प्रमाणित
- यहां 75 परिवारों के पास बायोगैस संयंत्र कार्यरत है



चुनौतियाँ

- वित्तीय बाधाएं
- परियोजना अनुमोदन
- पर्यावरण स्थिरता पर सीमित सार्वजनिक जागरूकता



दृष्टिकोण

- ग्राम पंचायत ने पर्यावरण स्थिरता पर जागरूकता पैदा करने के लिए प्रस्ताव पारित किया



प्राप्त समर्थन

- केन्द्र एवं राज्य सरकार अनुदान
- पुरस्कार राशि (सौर ऊर्जा और बायोगैस स्थापना के लिए 21.10 लाख रुपये)
- महिला स्वयं सहायता समूहों से वित्तीय सहायता



सततता के लिए रोडमैप

- पर्यावरण स्थिरता पर युवाओं को प्रशिक्षण
- विशेष रूप से परियोजनाओं के रखरखाव पर जागरूकता पैदा करना

MANYACHIWADI

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: PATAN
DISTRICT PANCHAYAT: SATARA (MAHARASHTRA)



**GRAM URJA
SWARAJ VISHESH
PANCHAYAT
PURASKAR**



Profile:

Local Government Directory Code: 189955
Total Population: 420 (Male: 131, Female: 289)
Total Elected Representatives: 6
(Male: 3, Female: 3)
Total Households: 98
Total drinking water pumps: 1
Total farmers: 25
Total street lights: 35



KEY ACHIEVEMENTS

- 65 out of 98 households connected with functional Bio-Gas plant
- All 35 street lights solarized
- 30 persons provided employment under the projects
- 16 out of 25 farmers using solarized water pumps
- 1 drinking water pump solarized
- All 102 household and public institutions buildings have rooftop solar models
- Received 76 State and National level awards
- ISO certified
- 75 families here have a working biogas plant



CHALLENGES FACED

- Financial constraints
- Project approvals
- Limited public awareness on environment sustainability



APPROACH TAKEN

- Gram Panchayat passed resolution for awareness generation on environment sustainability



SUPPORT RECEIVED

- Central and State Government grants
- Award money (Rs.21.10 lakh for solar power and biogas setup)
- Financial support from women's self-help groups



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Training of youth on environment sustainability
- Creation of awareness especially on maintenance of projects

थाकछड़ा

ग्राम पंचायत
ब्लॉक पंचायत: अमरपुर
जिला पंचायत: गोमती (त्रिपुरा)



ग्राम ऊर्जा स्वराज
विशेष पंचायत
पुरस्कार



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 104081

कुल जनसंख्या: 1895

(पुरुष: 937, महिला: 958)

कुल निर्वाचित प्रतिनिधि: 9

(पुरुष: 0, महिला: 9)

कुल परिवार: 497

कुल पेयजल पंप: 2

कुल किसान: 616

कुल स्ट्रीट लाइटें: 171



मुख्य उपलब्धियाँ

- 497 में से 403 घर कार्यात्मक बायो-गैस संयंत्र से जुड़े
- सभी 171 स्ट्रीट लाइटें सौर ऊर्जा से संचालित
- परियोजनाओं के तहत 83 लोगों को रोजगार प्रदान किया गया
- 616 में से 512 किसान सौर ऊर्जा चालित जल पंप का उपयोग कर रहे हैं
- यहां 2 पेयजल पंप हैं और दोनों ही सौर ऊर्जा से संचालित हैं
- 512 में से 411 घरेलू और सार्वजनिक संस्थानों की इमारतों में छत पर सौर मॉडल हैं
- पंचायत कार्यालय को सौर इन्वर्टर से बिजली मिल रही है
- पंचायत ने लगभग 100 परिवारों को बैटरी चालित रिक्शा के उपयोग की सुविधा प्रदान की है



चुनौतियाँ

- वित्तीय बाधाएं
- पर्यावरण स्थिरता पर सीमित भागीदारी और सार्वजनिक जागरूकता
- तकनीकी विशेषज्ञता की कमी
- कुछ स्थानीय लोगों में पर्यावरण के अनुकूल टिकाऊ प्रौद्योगिकी अपनाने में अनिच्छा



दृष्टिकोण

- सभी ऊर्जा परियोजनाओं के कार्यान्वयन और निगरानी की देखरेख के लिए हरित समिति का गठन
- पंचायत ने नए निर्माणों के लिए हरित प्रमाणीकरण प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया
- पर्यावरण स्थिरता पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन
- परियोजनाओं के लिए प्रोत्साहन/सब्सिडी



प्राप्त समर्थन

- केन्द्र एवं राज्य सरकार अनुदान
- स्वयं-स्रोत राजस्व



सततता के लिए रोडमैप

- नवीकरणीय ऊर्जा अवसंरचना का विस्तार
- 10 केवी सौर संयंत्र स्थापित करने की योजना है, जिससे पूरा गांव सौर ऊर्जा पर स्वतंत्र रूप से काम करने में सक्षम हो जाएगा।

THAKCHARA

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: AMARPUR
DISTRICT PANCHAYAT: GOMATI (TRIPURA)



**GRAM URJA
SWARAJ VISHESH
PANCHAYAT
PURASKAR**



Profile:

Local Government Directory Code: 104081
Total Population: 1895 (Male: 937, Female: 958)
Total Elected Representatives: 9
(Male: 0, Female: 9)
Total Households: 497
Total drinking water pumps: 2
Total farmers: 616
Total street lights: 171



KEY ACHIEVEMENTS

- 403 out of 497 households connected with functional Bio-Gas plant
- All 171 street lights solarized
- 83 persons provided employment under the projects
- 512 out of 616 farmers using solarized water pumps
- There are 2 drinking water pump and both are solarized
- 411 out of 512 household and public institutions buildings have rooftop solar models
- Panchayat office is powered by a solar inverter
- Panchayat has facilitated use of battery-operated rickshaws for around 100 families



CHALLENGES FACED

- Financial constraints
- Limited participation and public awareness on environment sustainability
- Shortage of technical expertise
- Reluctance among some locals to adopt environment sustainable technology



APPROACH TAKEN

- Constitution of Green Committee to oversee the implementation and monitoring of all energy projects
- Panchayat made it mandatory for new constructions to obtain a Green Certification
- Conduct of awareness programs on environment sustainability
- Incentives/subsidies for projects



SUPPORT RECEIVED

- Central and State Government grants
- Own-source revenue



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Expand renewable energy infrastructure
- Plans to establish a 10 kV solar plant that will enable entire village to operate independently on solar energy

कसीरा

ग्राम पंचायत
ब्लॉक पंचायत: कोइड़ा
जिला पंचायत: सुंदरगढ़ (ओडिशा)



ग्राम ऊर्जा स्वराज
विशेष पंचायत
पुरस्कार



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 275329

कुल जनसंख्या: 3523

(पुरुष: 1702, महिला: 1821)

कुल निर्वाचित प्रतिनिधि: 11

(पुरुष: 3, महिला: 8)

कुल परिवार: 1848

कुल पेयजल पंप: 13

कुल किसान: 156

कुल स्ट्रीट लाइटें: 309



मुख्य उपलब्धियाँ

- 1848 में से 8 घर कार्यात्मक बायो-गैस संयंत्र से जुड़े
- सभी 309 स्ट्रीट लाइटें सौर ऊर्जा से संचालित
- परियोजनाओं के तहत 21 लोगों को रोजगार प्रदान किया गया
- 156 में से 72 किसान सौर ऊर्जा चालित जल पंप का उपयोग कर रहे हैं
- यहां 13 पेयजल पंप हैं जो सभी सौर ऊर्जा से संचालित हैं
- 1980 में से 896 घरों और सार्वजनिक संस्थानों की इमारतों में छत पर सौर मॉडल लगे हैं
- स्थानीय अक्षय ऊर्जा संयंत्र सामूहिक रूप से 50 किलोवाट पावर से कम बिजली उत्पन्न करते हैं



चुनौतियाँ

- वित्तीय बाधाएं
- रखरखाव के लिए अपर्याप्त धन
- सीमित नवीकरणीय ऊर्जा विकल्प



दृष्टिकोण

- सरकार और गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग
- जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए
- बायोगैस की व्यवहार्यता का आकलन किया गया तथा घरों में स्थापना के लिए सब्सिडी का उपयोग किया गया
- छोटे उपयोगकर्ता शुल्क लागू किए गए
- समुदाय के सदस्यों के लिए नवीकरणीय ऊर्जा रखरखाव पर कौशल निर्माण कार्यशालाएं आयोजित की गईं



प्राप्त समर्थन

- सरकारी निधि
- गैर सरकारी संगठनों से सहायता
- लाइन विभागों से सहायता
- उपयोगकर्ता शुल्क राजस्व



सततता के लिए रोडमैप

- 100% छत सौर कबरेज का लक्ष्य
- निर्मित परिसंपत्तियों का रखरखाव
- नियमित रखरखाव और उच्च यातायात क्षेत्रों में अतिरिक्त इकाइयाँ
- ऊर्जा पहलों के प्रभावी प्रबंधन के लिए पंचायत समिति की क्षमता का निर्माण
- सतत वित्तपोषण के लिए सीएसआर और वित्त आयोग अनुदान का लाभ उठाना।
- टिकाऊ प्रथाओं और ऊर्जा उपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए संसाधन आवंटित करना

KASIRA

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: KOIDA
DISTRICT PANCHAYAT: SUNDARGARH (ODISHA)



**GRAM URJA
SWARAJ VISHESH
PANCHAYAT
PURASKAR**



Profile:

Local Government Directory Code: 275329
Total Population: 3523 (Male: 1702, Female: 1821)
Total Elected Representatives: 11
(Male: 3, Female: 8)
Total Households: 1848
Total drinking water pumps: 13
Total farmers: 156
Total street lights: 309



KEY ACHIEVEMENTS

- 8 out of 1848 households connected with functional Bio-Gas plant
- All 309 street lights solarized
- 21 persons provided employment under the projects
- 72 out of 156 farmers using solarized water pumps
- There are 13 drinking water pump all are solarized
- 896 out of 1980 household and public institutions buildings have rooftop solar models
- Localized renewable power plants collectively generate under 50 KWP



CHALLENGES FACED

- Financial Constraints
- Inadequate Maintenance Funding
- Limited Renewable Energy Options



APPROACH TAKEN

- Collaboration with government and NGOs
- Organized awareness programs
- Assessed biogas feasibility and used subsidies for installations in households
- Implemented small user fees
- Provided skill-building workshops for community members on renewable energy maintenance



SUPPORT RECEIVED

- Government funds
- Support from NGOs
- Support from line departments
- User fees revenue



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Target 100% rooftop solar coverage
- Maintenance of assets created
- Regular maintenance and additional units in high-traffic zones
- Build capacity of Panchayat Committee for effective management of energy initiatives
- Leverage CSR and Finance Commission grants for sustained funding.
- Allocate resources to raise awareness on sustainable practices and energy use



कार्बन न्यूट्रल पंचायत



कार्बन न्यूट्रल पंचायत है जो सुनिश्चित करती है:

- › नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग से शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करना
- › ग्रीन हाउस गैसों (जीएचजी) के उत्सर्जन को कम करने के लिए ऑफसेटिंग और शमन

स्थानीय उद्देश्य एवं लक्ष्य:

- › खुले में शौच मुक्त स्थिति
- › 100% अपशिष्ट प्रबंधन
- › प्लास्टिक का शून्य उपयोग
- › नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का 100% उपयोग
- › वनों और जैव विविधता का संरक्षण और विस्तार;
- › घरों, परिवहन और औद्योगिक क्षेत्रों से कार्बन उत्सर्जन में 100% कमी
- › मृदा एवं जल संरक्षण



ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- › कुल कार्बन उत्सर्जन पर आधारभूत सर्वेक्षण
- › प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगाना
- › ठोस एवं तरल अपशिष्ट का प्रभावी प्रबंधन
- › जागरूकता सृजन और समुदाय, प्राधिकरण और संगठन आदि सभी हितधारकों को संगठित करना
- › नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे पवन, सौर, जलविद्युत आदि का उपयोग के लिए बिजली उत्पादन, जल तापन एवं शीतलन तथा परिवहन।
- › ईंधन के रूप में बायोगैस को बढ़ावा देना
- › जैविक कृषि को प्रोत्साहित करना
- › राजस्व के संभावित स्रोत के रूप में कार्बन ऑफसेटिंग की पारंपरिक पद्धति का अभ्यास करना
- › व्यापक वृक्षारोपण
- › वृक्ष बैंकिंग और वृक्ष बंधक आदि का कार्यान्वयन।
- › ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) निधियों और अन्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों का अभिसरण





CARBON NEUTRAL PANCHAYAT



A CARBON NEUTRAL PANCHAYAT IS ONE WHICH ENSURES:

- › achieving net zero carbon emissions with use of renewal energy sources
- › Offsetting and mitigation to reduce emission of Green House Gases(GHG)

LOCAL GOALS AND TARGETS:

- › Open Defecation Free status
- › 100% waste management
- › Zero use of plastic
- › 100% use of renewal energy sources
- › Conservation and expansion of forests and biodiversity;
- › 100% reduction of carbon emission from households, transportation and industrial sectors
- › Soil and water Conservation



ROLE OF GRAM PANCHAYATS:

- › Baseline survey on total carbon emission
- › Ban use of plastic
- › Effective management of Solid and liquid waste
- › Awareness generation and mobilization of community, authorities and organizations etc. all stakeholders
- › Usage of renewal energy sources such as wind, solar, hydel etc. for electricity generation, water heating and cooling and transportation.
- › Promotion of biogas as fuel
- › Encouraging organic agriculture
- › Practicing traditional practise of carbon offsetting as potential source of revenue
- › Extensive tree plantation
- › Implementation of tree banking and tree mortgaging.etc.
- › Convergence of Gram Panchayat Development Plan (GPDP) funds and other schemes & programs



बेला

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: भंडारा;

जिला पंचायत: भंडारा; राज्य: महाराष्ट्र



कार्बन न्यूट्रल पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 171959

कुल निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि: 14

(पुरुष: 8, महिला: 6)

कुल जनसंख्या: 5914

(पुरुष: 2892, महिला: 3022)

कुल परिवार: 2027



मुख्य उपलब्धियाँ

- बड़े पैमाने पर लगभग 91550 वृक्षारोपण किया जाएगा।
- एकल उपयोग प्लास्टिक, पटाखे और कृषि अपशिष्ट पर प्रतिबंध लगाने हेतु जागरूकता अभियान।
- पंचायत द्वारा रसोई अपशिष्ट खाद तथा हरे व सूखे कचरे को घर-घर से एकत्र किया जाता है तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत अलग-अलग किया जाता है।
- प्रत्येक घर को अलग डस्टबिन वितरित किये जाते हैं।
- अधिकतम एक सौर प्रणाली का उपयोग और एलईडी लाइट्स हैं
- सामाजिक समूहों के माध्यम से जागरूकता फैला कर महिलाओं का महत्व समझाया गया



चुनौतियाँ

- प्रचार-प्रसार, परिवार भ्रमण, बैठकों के आयोजन के माध्यम से जागरूकता फैलाना तथा इसके महत्व के बारे में समझना तथा ग्रामीणों की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करना तथा शत-प्रतिशत कार्य पूरा करना।
- इस अवधारणा पर काम करते समय धन की आवश्यकता थी। ग्राम पंचायत ने ग्राम कार्य योजना तैयार की। इस उद्देश्य के लिए 15वें वित्त आयोग, ग्रामनिधि, मनरेगा, कृषि विभाग निधि, सार्वजनिक अंशदान उपलब्ध कराया गया और कार्बन न्यूट्रल गांव की अवधारणा के लिए आवश्यक सभी कार्य 100% पूरे हो गए हैं।



दृष्टिकोण

- गांव में एक तटस्थ कार्बन समिति की स्थापना की गई। महिला ग्राम संघ, महिला बचत समूह की छात्राएं और पर्यावरण दूतों ने गांव में बड़े पैमाने पर जनजागृति पैदा की। तुक्कड़ नाटक में लोगों को प्रदूषण के दुष्प्रभावों के बारे में समझाकर गांव को प्रदूषण से मुक्ति दिलाने में मदद की गई। गांव में पेड़ों की कटाई रोकी गई।
- ई-वाहनों के उपयोग के लिए जागरूकता फैलाई गई।



प्राप्त समर्थन

- कचरे से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए कचरे की छंटाई की गई तथा गीले कचरे से खाद बनाई गई। पेड़ लगाने के महत्व पर जोर दिया गया। प्रत्येक घर में 10 पेड़ लगाए गए।
- जीपीडीपी के तहत कुल बजट आवंटन 1,58,60,573/- रुपये हैं, इसमें से जीपी में कार्बन उत्सर्जन को कम करने से संबंधित गतिविधियों पर कुल व्यय 30,00,000/- रुपये हैं, इसमें से कार्बन उत्सर्जन को कम करने से संबंधित गतिविधियों के लिए कुल बजट 30,22,500/- रुपये आवंटित किया गया है। हमारे वरिष्ठ अधिकारियों उप मुख्य अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, विस्तार अधिकारी ने पंचायत का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



सततता के लिए रोडमैप

- किए गए काम की स्थिरता बनाए रखने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा समितियों का गठन किया गया है।
- समितियों का सामाजिक अंकेक्षण ग्राम सभा द्वारा किया जाता है। किये गये कार्यों की समय-समय पर समीक्षा की जाती है, ग्राम पंचायत बेला जल पर्याप्त पंचायत की संकल्पना सदैव कायम रहेगी। गांव को कार्बन न्यूट्रल बनाते हुए सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिली। सही मायने में विकास की ज़रूरत। जल होगा, स्वच्छ हवा होगी, इस विषय को हासिल किया गया।

BELA

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: BHANDARA; DISTRICT PANCHAYAT:
BHANDARA; STATE: MAHARASHTRA



**Carbon Neutral
Vishesh
Panchayat
Puraskar**



Profile:

Local Government Directory Code: 171959

Total Elected Panchayat Representatives: 14

(Male: 8, Female: 6)

Total Population: 5914 (Male: 2892, Female: 3022)

Total Households: 2027



KEY ACHIEVEMENTS

- Tree Plantation in large scale at about 91550.
- IEC regarding Ban on single use plastic. Ban on Fire crackers and Agriculture Waste Burning.
- The Panchayat for using or Kitchen Waste Manure and green and Dry Waste in collected from door to door and segregated at Solid Waste Management creative.
- Separate Dust Bin are Distributed to the every Household.
- Maximum are a Solar System use & LED Lights
- The importance of women was explained by creating awareness through social groups



CHALLENGES FACED

- Awareness generation through publicity, family visits, organizing meetings and convinced the importance of same and got 100% participation of the Villagers and completed 100% work.
- Funding was required while working on the concept. Village Panchayat prepared Village Action Plan For this purpose, 15th Finance Commission, Gramnidhi, MGNREGA, Agriculture Department Fund, Public Subscription have made available and all the works required for the concept of Carbon neutral Village have completed 100%.



APPROACH TAKEN

- A neutral carbon committee was established in the village. Mahila Gram Sangh, students and environmental ambassadors of Mahila Savings Group created a large amount of public awareness in the village. By explaining the ill-effects of pollution to the people in the street dance, the village was helped to get rid of pollution. The felling of trees in the village was stopped.
- Awareness was created to use e-vehicles.



SUPPORT RECEIVED

- In order to curb the pollution caused by waste, the waste was sorted and compost was produced from the wet waste. The importance of planting trees was emphasized. 10 trees were adopted in each house.
- Total budget allocation under GPDP Rs. 1,58,60,573/-, Out of this, total expenditure made on activities related to reducing carbon emission in the GP Rs. 30,00,000/-, Out of this, total budget allocated for activities related to reducing carbon emission Rs 30,22,500/- Our Senior Officers Dy. Chief Officer, Block Development Officer, Extension Officer Played important role to support Panchayat.



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Committees have established by the gram panchayat to maintain the sustainability of the work done.
- The social audit of the committees is done by the village assembly. The work done is reviewed from time to time, the concept of gram panchayat Bela Water Sufficient Panchayat will be maintained forever. While making the village carbon neutral, it helped to achieve the goal of sustainable development. In the true sense, the need for development. There will be water, there will be clean air, this theme has been achieved

केंद्रीकेला

ग्राम पंचायत

ब्लॉक पंचायत: बोनाईगढ़;

जिला पंचायत: सुंदरगढ़; राज्य: ओडिशा



कार्बन न्यूट्रल पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 122574

कुल निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि: 14

(पुरुष: 8, महिला: 6)

कुल जनसंख्या: 6024

(पुरुष: 3167, महिला: 2857)

कुल परिवार: 1464



मुख्य उपलब्धियाँ

- प्रदूषण कम करने पर चार विशेष ग्राम सभाएं आयोजित की गईं।
- कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने की गतिविधियों की निगरानी के लिए प्रतिवर्ष छह योजना सत्र आयोजित किए गए।
- वन महोत्सव के माध्यम से 200,000 से अधिक पेड़ लगाए गए, जिससे कार्बन उत्सर्जन में काफी कमी आई।
- वृक्षों की वृद्धि और स्वास्थ्य पर नजर रखने के लिए प्रत्येक गांव में वृक्ष बैंक स्थापित किए गए।
- सौर ऊर्जा को बढ़ावा दिया गया, जिससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हुई।
- 35 में से 30 इमारतों और 200 कृषि सड़क संरचनाओं को सौर ऊर्जा से जोड़ा गया।
- घर-घर जाकर कचरा संग्रहण की व्यवस्था लागू की गई, जिससे कचरा प्रबंधन में सुधार हुआ।
- पौधों के लिए ₹2,00,000, कूड़ेदानों के लिए ₹1,60,000, सफाई कर्मचारियों के लिए ₹78,000, तथा आईईसी गतिविधियों के लिए ₹10,000 रणनीतिक रूप से धनराशि आवंटित की गई।



चुनौतियाँ

- ग्राम सभा की सीमित भागीदारी प्रदूषण के प्रति सामुदायिक संवेदनशीलता को प्रभावित करती है।
- दूरदराज के क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने में रसद संबंधी समस्याएं आती हैं, जिससे पहुंच सीमित हो जाती है।
- उच्च लागत और महत्वपूर्ण संसाधन आवश्यकताओं के कारण पुनर्भरण शाफ्टों, तालाबों और खाइयों का नियमित रखरखाव चुनौतीपूर्ण है।
- घर-घर जाकर कचरा संग्रहण के लिए सावधानीपूर्वक योजना, पर्याप्त संसाधन और दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंच की आवश्यकता होती है।



दृष्टिकोण

- प्रदूषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 2 विशेष ग्राम सभाएं और रैलियां आयोजित की गईं।
- प्रदूषण कम करने की गतिविधियों में स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षित किया गया तथा अनेक जागरूकता अभियान चलाए गए।
- भूजल पुनर्पूर्ति के लिए 450 घरों में पुनर्भरण शाफ्ट स्थापित किए गए।
- 30 खेतों पर कुशल सिंचाई प्रणाली लागू की गई तथा जल संरक्षण के लिए खाइयां बनाई गईं।
- 1,464 में से 1,405 घरों में एलपीजी को अपनाया जाना सुनिश्चित किया गया तथा सभी घरों में एलईडी प्रकाश व्यवस्था कायम रखी गई।



प्राप्त समर्थन

- ग्राम सभा में उपस्थिति बढ़ाने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों और स्वयं सहायता समूह प्रशिक्षण के लिए वित्तपोषण।
- प्रदूषण नियंत्रण में स्वयं सहायता समूहों को प्रेरित करने और उनकी सतत भागीदारी के लिए सहयोग।
- किरायायती सिंचाई समाधान के लिए समर्थन और जल अवसंरचना के रखरखाव प्रशिक्षण।
- जैवनिम्नीकरणीय सामग्री अपनाने और एलपीजी की सामर्थ्य के लिए वित्तीय प्रोत्साहन।
- प्रशिक्षण कार्यक्रमों से पुनर्भरण शाफ्टों और बुनियादी ढांचे का प्रभावी रखरखाव सुनिश्चित हुआ।
- आपूर्तिकर्ताओं के साथ सहयोग से किरायायती, उपलब्ध एलईडी बल्ब सुनिश्चित हुए।



सततता के लिए रोडमैप

- प्रदूषण कम करने की रणनीतियों को सुदृढ़ करने के लिए ग्राम सभाओं और योजना सत्रों को जारी रखना।
- वृक्षारोपण प्रयासों को बनाए रखना तथा वृक्ष बैंकों के माध्यम से स्वास्थ्य की निगरानी करना।
- सौर ऊर्जा के प्रति जागरूकता और बुनियादी ढांचे से जुड़े कनेक्शनों का विस्तार करना; विद्युत एवं सौर ऊर्जा से चलने वाले वाहनों को बढ़ावा देना।
- प्लास्टिक पर प्रतिबंध लागू करना और घर-घर जाकर कचरा संग्रहण प्रणाली बनाए रखना।
- पर्यावरण अनुकूल परियोजनाओं को समर्थन देने तथा टिकाऊ प्रथाओं की दीर्घजीविता सुनिश्चित करने के लिए लक्षित वित्तपोषण बनाए रखना।

KENDRIKELA

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: BONAIGARH; DISTRICT PANCHAYAT:
SUNDARGARH; STATE: ODISHA



**Carbon Neutral
Vishesh
Panchayat
Puraskar**



Profile:

Local Government Directory Code: 122574

Total Elected Panchayat Representatives: 14

(Male: 8, Female: 6)

Total Population: 6024 (Male: 3167, Female: 2857)

Total Households: 1464



KEY ACHIEVEMENTS

- Four Special Gram Sabhas conducted on pollution reduction.
- Conducted six planning sessions annually to monitor carbon emission reduction activities.
- Planted over 200,000 trees through Bona Mahotsava, significantly offsetting carbon emissions.
- Established Tree Banks in each village to monitor tree growth and health.
- Promoted solar energy, reducing fossil fuel dependence.
- Connected 30 out of 35 buildings and 200 farm road structures to solar energy.
- Implemented door-to-door waste collection, improving waste management.
- Allocated funds strategically: ₹2,00,000 for saplings, ₹1,60,000 for dustbins, ₹78,000 for sanitation workers, and ₹10,000 for IEC activities.



CHALLENGES FACED

- Limited Gram Sabha participation impacts community sensitization on pollution.
- Engaging SHGs for sustained pollution reduction activities requires on-going motivation.
- Regular maintenance of recharge shafts, ponds, and trenches is challenging due to high costs and significant resource requirements.
- Door-to-door waste collection requires careful planning, adequate resources, and access to remote areas.



APPROACH TAKEN

- Conducted 2 special Gram Sabhas and rallies to enhance pollution awareness.
- Trained SHGs in pollution reduction activities and hold multiple awareness campaigns.
- Installed recharge shafts in 450 households to support groundwater replenishment.
- Implemented efficient irrigation systems on 30 farms and constructed trenches for water conservation.
- Ensured LPG adoption in 1,405 out of 1,464 households, and maintain LED lighting in all households.



SUPPORT RECEIVED

- Funding for awareness programs and SHG training to increase Gram Sabha attendance.
- Collaboration for SHG motivation and sustained involvement in pollution control.
- Support for affordable irrigation solutions and maintenance training for water infrastructure.
- Financial incentives for biodegradable material adoption and LPG affordability.
- Local authorities provided oversight to maintain soak and compost pits efficiently.
- Collaboration with suppliers ensured affordable, available LED bulbs.



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Continue Gram Sabhas and planning sessions to reinforce pollution reduction strategies.
- Sustain tree plantation efforts and monitor health through Tree Banks.
- Expand solar awareness and infrastructure connections; promote electric and solar-powered vehicles.
- Enforce the plastic ban and maintain door-to-door waste collection systems.
- Maintain targeted funding to support eco-friendly projects and ensure the longevity of sustainable practices.

मिलक अमावती

ग्राम पंचायत
ब्लॉक पंचायत:दिलारी;
जिला पंचायत:भुरादाबाद; राज्य: उत्तर प्रदेश



कार्बन न्यूट्रल पंचायत



प्रोफाइल:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 80572

कुल निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि: 13

(पुरुष: 7, महिला: 6)

कुल जनसंख्या: 4114

(पुरुष: 2262, महिला: 1852)

कुल गांव: 1

कुल परिवार: 721



मुख्य उपलब्धियाँ

- घरों में सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित की गई
- 100% घरों में एलपीजी रसोई कनेक्शन
- आरसीसी केंद्र पर घर-घर जाकर कचरा संग्रहण, पृथक्करण
- वाहनों और उपकरणों के लिए जीवाश्म ईंधन पर प्रतिबंध
- बंजर जमीन पर 90000 पेड़ लगाए
- वर्षा जल संचयन प्रणाली का निर्माण किया गया
- 100% घरों में एलईडी बल्ब का उपयोग
- खेती के लिए सूक्ष्म और टपक सिंचाई प्रौद्योगिकियों का उपयोग



चुनौतियाँ

- कार्बन उत्सर्जन कम करने के बारे में ग्रामीणों में जागरूकता का अभाव
- अपशिष्ट पृथक्करण, वर्षा जल संचयन संरचनाओं के निर्माण के लिए धन की कमी



दृष्टिकोण

- इलेक्ट्रिक वाहनों और उपकरणों तथा साइकिल के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा
- कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए ग्रामीणों को शिक्षित करने हेतु आईईसी अभियान आयोजित किया गया
- सार्वजनिक परिवहन के अधिकतम उपयोग को प्रोत्साहित किया गया



प्राप्त समर्थन

- केंद्र और राज्य योजना निधि
- पीएम सूर्यधर योजना का प्रचार-प्रसार
- इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी



सततता के लिए रोडमैप

- ग्राम पंचायत में लक्षित वृक्षारोपण गतिविधियाँ
- एलपीजी और नवीकरणीय/सौर ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बनाए रखना
- प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली

MILAK AMAWTI

GRAM PANCHAYAT
BLOCK PANCHAYAT: DILARI; DISTRICT PANCHAYAT:
MORADABAD; STATE: UTTAR PRADESH



**Carbon Neutral
Vishesh
Panchayat
Puraskar**



Profile:

Local Government Directory Code: 80572

Total Elected Panchayat Representatives: 13

(Male: 7, Female: 6)

Total Population: 4114 (Male: 2262, Female: 1852)

Total villages: 1

Total Households: 721



KEY ACHIEVEMENTS

- › Installed solar energy system in households
- › 100% households having LPG cooking connections
- › Door to Door waste collection, segregation at RCC center
- › Banned fossil fuels for vehicles and appliances
- › Planted 90000 trees on the barren land
- › Constructed rain water harvesting system
- › 100% households using LED bulbs
- › Using micro and drip irrigation technologies for farming



CHALLENGES FACED

- › Lack of awareness among villagers about reducing carbon emission
- › Lack of funds for waste segregation, constructing rain water harvesting structures



APPROACH TAKEN

- › Encouraged use of electric vehicles and appliances & use of bicycle
- › Organized IEC campaigns for educating villagers for reducing carbon emission
- › Encouraged maximum use of public transport
- › Banned single use plastic completely



SUPPORT RECEIVED

- › Center and state scheme funds
- › Promotion of PM Suryaghar scheme
- › Subsidy on electric vehicles



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- › Targeted plantation activities in the GP
- › Sustain the use of LPG and renewal/solar energy sources
- › Effective waste management system



नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत् विकास पुरस्कार

दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत् विकास पुरस्कार के सभी 9 पुरस्कार विषयों के तहत ग्राम पंचायतों/समकक्ष निकायों के समग्र प्रदर्शन और ब्लॉक तथा जिला पंचायतों की ग्राम पंचायतों के समग्र प्रदर्शन के आधार पर निम्नलिखित पंचायतें नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत् विकास पुरस्कार 2024 के तहत विजेता के रूप में उभरी हैं। यह पुरस्कार सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उनके समग्र और अभिसरण दृष्टिकोण को दर्शाता है।

श्रेणी	रैंक	पंचायत	राज्य	एलजीडी कोड पंचायत
सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायतें	1	मान्याचिवाड़ी (ब्लॉक पाटन , जिला सतारा)	महाराष्ट्र	189955
	2	बेबेजिया डेमो बंगथाई (ब्लॉक खगरिजन , जिला नगांव)	असम	107259
	3	थानाधार (ब्लॉक नारकंडा , जिला शिमला)	हिमाचल प्रदेश	9784
सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक पंचायतें	1	छत्रपुर (जिला गंजम)	ओडिशा	3732
	2	अमरपुर (जिला गोमती)	त्रिपुरा	2890
	3	तिरोरा (जिला गोंडिया)	महाराष्ट्र	4748
सर्वश्रेष्ठ जिला पंचायतें	1	गोमती	त्रिपुरा	588
	2	कोरापुट	ओडिशा	322
	3	उडुपी	कर्नाटक	504





NANAJI DESHMUKH SARVOTTAM PANCHAYAT SATAT VIKAS PURASKAR

For overall performance of Gram Panchayats/Equivalent bodies and aggregate performance of Block and District Panchayats based on their GPs performance under all 9 award themes of Deen Dayal Upadhyay Panchayat Satat Vikas Puraskar, following Panchayats have emerged as winners under Nanaji Deshmukh Sarvottam Panchayat Satat Vikas Puraskar 2024. This award reflects their holistic and convergent approach for achieving Sustainable Development Goals.

Category	Rank	Panchayat	State	LGD Code of Panchayat
Best Gram Panchayats	1	Manyachiwadi (Block Patan, District Satara)	Maharashtra	189955
	2	Bebejia Demow Bangthai (Block Khagarijan, District Nagaon)	Assam	107259
	3	Thanadhar (Block Narkanda, District Shimla)	Himachal Pradesh	9784
Best Block Panchayats	1	Chatrapur (District Ganjam)	Odisha	3732
	2	Amarpur (District Gomati)	Tripura	2890
	3	Tirora (District Gondia)	Maharashtra	4748
Best District Panchayats	1	Gomati	Tripura	588
	2	Koraput	Odisha	322
	3	Udupi	Karnataka	504





सशक्त पंचायत सतत् विकास

पंचायत क्षमता निर्माण

सर्वोत्तम संस्थान पुरस्कार

राज्य/केंद्रीय शासित प्रदेश स्तर पर संस्थाएँ पंचायत स्तर के निर्वाचित प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों की क्षमता निर्माण के माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को तकनीकी और ज्ञान-आधारित सहायता प्रदान करती हैं, जिस से विकास कार्यक्रमों और सेवा वितरण को लागू किया जा सके, साथ ही जमीनी स्तर पर ग्रामीण शासन को मजबूत करने के लिए प्रमुख संबंधित क्षेत्रों पर अनुसंधान और नवाचारों का संचालन किया जा सके।

स्थानीय उद्देश्य एवं लक्ष्य:

- क्षमता निर्माण: संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से पंचायतों के शासन, नियोजन और वित्तीय प्रबंधन कौशल को बढ़ाना।
- सतत् विकास लक्ष्यों का स्थानीयकरण (एलएसडीजी): वैश्विक एसडीजी को क्रियाशील स्थानीय विकास योजनाओं (पंचायत विकास योजनाओं) में बदलने के लिए पंचायतों को सक्षम बनाना।
- एसडीजी को साकार करना: पंचायतों के प्रशिक्षण मॉड्यूल और गतिविधियों को एलएसडीजी के साथ तैयार करना और संरेखित करना।
- डेटा-संचालित योजना और अनुसंधान: पंचायतों द्वारा एसडीजी पर प्रगति की निगरानी के लिए साक्ष्य-आधारित अनुसंधान और निर्णय लेना।



संस्थाओं की भूमिका

- पंचायतों का प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण: संसाधन जुटाने, सहभागी योजना, परियोजना कार्यान्वयन, डिजिटल शासन आदि जैसे विषयों पर भागीदारी प्रशिक्षण पद्धतियों के साथ पंचायत सदस्यों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना, प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करना।
- नीति वकालत: एसडीजी को प्राप्त करने के लिए नीतिगत ढांचे पर पंचायतों को आवश्यक सहायता प्रदान करना।
- निगरानी और मूल्यांकन: एसडीजी के साथ संरेखित पंचायत पहलों की प्रगति की निगरानी के लिए उपकरण और तंत्र विकसित करना।
- ज्ञान साझा करना: सर्वोत्तम प्रथाओं और केस स्टडीज के भंडार के रूप में कार्य करना, पंचायतों को स्थानीय विकास के लिए अभिनव समाधान अपनाने में मदद करना।
- तकनीकी सहयोग: जटिल ग्रामीण चुनौतियों का समाधान करने के लिए वित्त, प्रौद्योगिकी और सामुदायिक सहभागिता जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्रदान करना।
- सहयोग और नेटवर्किंग: पंचायतों तक अतिरिक्त संसाधन और विशेषज्ञता लाने के लिए गैर सरकारी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ साझेदारी को सुगम बनाना।





सशक्त पंचायत सतत् विकास

PANCHAYAT KSHAMTA NIRMAN SARVOTTAM SANSTHAN PURASKAR

Institutions at State/Union Territory level provides technical and knowledge-based assistance to Panchayati Raj Institutions through capacity-building of their elected representatives and functionaries for implementing development programs and service delivery along with conducting research & innovations on key related areas to strengthen rural governance at grassroots levels.

LOCAL GOALS AND TARGETS:

- › Capacity Building: Enhance the governance, planning, and financial management skills of Panchayats through structured training programs.
- › Localization of Sustainable Development Goals (LSDGs): Enable Panchayats to translate global SDGs into actionable local development plans (Panchayat Development Plans)
- › Realizing SDGs: Prepare and align training modules and activities of Panchayats with LSDGs
- › Data-driven Planning and Research: Evidence-based research and decision-making to monitor progress on SDGs by Panchayats



ROLE OF INSTITUTIONS:

- › Training and Capacity Building of Panchayats: Conduct training sessions for Panchayat members, Training of Trainers with participatory training methodologies on topics such as resource mobilization, participatory planning, project implementation, digital governance etc.
- › Policy Advocacy: Provide necessary support to Panchayats on policy frameworks for achieving SDGs
- › Monitoring and Evaluation: Develop tools and mechanisms to monitor the progress of Panchayat initiatives aligned with SDGs
- › Knowledge Sharing: Act as a repository of best practices and case studies, helping Panchayats to adopt innovative solutions for local development
- › Technical Support: Offer expertise in areas like finance, technology, and community engagement to address complex rural challenges
- › Collaboration and Networking: Facilitate partnerships with NGOs, academic institutions, and international organizations to bring additional resources and expertise to Panchayats.



केरल स्थानीय प्रशासन संस्थान (किला)

राज्य: केरल



पंचायत क्षमता
निर्माण सर्वोत्तम
संस्थान पुरस्कार



प्रोफाइल:

- केरल स्थानीय प्रशासन संस्थान (किला) केरल में कार्यरत नोडल क्षमता विकास संस्थान है।
- इसे त्रावणकोर-कोचीन साहित्यिक, वैज्ञानिक और धर्मार्थ सोसायटी अधिनियम 1955 के तहत पंजीकृत किया गया था।
- केरल केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने 14 जुलाई 2014 से इसे अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग से संबद्ध अनुसंधान केंद्र के रूप में मान्यता दे दी है।
- किला में 15 संकाय सदस्य और 3000 प्रशिक्षक हैं तथा संस्थान में क्षमता निर्माण, अनुसंधान और प्रकाशन आदि गतिविधियों के लिए 6 क्षेत्रीय केंद्र हैं।
- 1990 में अपनी स्थापना के बाद से ही KILA स्थानीय शासन और विकेन्द्रीकरण आदि पर क्षमता निर्माण के अनेक कार्यों में संलग्न रहा है।



मुख्य उपलब्धियाँ

- किला 2016 से सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण पर काम कर रहा है
- 941 ग्राम पंचायतों, 152 ग्राम पंचायतों और 14 जिला पंचायतों को पंचायत विकास योजना तैयार करने में सहायता प्रदान की गई।
- कुल 264101 पंचायत प्रतिनिधि एवं लाइन विभाग के पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया
- कुल 4784 प्रशिक्षण आयोजित किये गये
- संस्थान द्वारा कुल 3.16 करोड़ का राजस्व अर्जित किया गया



चुनौतियाँ

- आंकड़ों की अनुपलब्धता
- डेटा साझा करने में लाइन विभागों की रुचि का अभाव
- बाढ़ की स्थिति के कारण चल रहे प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों में बाधा उत्पन्न हुई



दृष्टिकोण

- राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ सहयोग किया तथा आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने और उन्हें कम करने के लिए कार्मिकों को प्रशिक्षित किया।
- इन समूहों, दर्द और उपशमक देखभाल प्रदाताओं, कुटुम्बश्री कार्यकर्ताओं और हरित कर्म सेना को सक्रिय रूप से समर्थन देकर राज्य में दिव्यांगों के उत्थान के लिए समर्पित।
- हर कार्य के निष्पादन के लिए मजबूत टीम प्रयास



प्राप्त समर्थन

- अनेक सरकारी विभागों के अलावा, किला विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करता है और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियां अब किला के साथ सहयोग करने के लिए आगे आ रही हैं, जो हमारे लोकतंत्र के सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक ताने-बाने के लिए इस तरह के संस्थान के महत्व को और रेखांकित करता है



सततता के लिए रोडमैप

- किला का लक्ष्य अपने प्रत्येक परिसर में भौतिक बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना है
- अपने केंद्रीकृत और विकेन्द्रीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए सहायता प्रणालियाँ प्रदान करना
- लोकतांत्रिक शासन के अग्रणी क्षेत्रों में युवाओं को सेवा करने के लिए अपने थालीपरम्बा परिसर में सार्वजनिक नीति और नेतृत्व अध्ययन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय केंद्र की स्थापना करना।
- किला इन विकास और शासन प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए स्थानीय सरकारों को सुविधा प्रदान करने और सक्षम बनाने के लिए स्वयं को मजबूत कर रहा है

KERALA INSTITUTE OF LOCAL ADMINISTRATION (KILA)

STATE: KERALA



**Panchayat
Kshamta
Nirman Sarvottam
Sansthan Puraskar**



Profile:

- Kerala Institute of Local Administration (KILA) is nodal capacity development institute functioning in Kerala.
- It was registered under the Travancore-Cochin Literary, Scientific and Charitable Societies Act 1955.
- The Central university of Kerala has recognized it as a Research centre attached to the Department of International Relations w.e.f 14 July 2014.
- KILA has 15 faculty members and 3000 trainers 6 Regional Centers for extending capacity building, research 7 publication etc. activities in the institute.
- Ever since its inception in 1990, KILA has been engaged in myriad of capacity building interventions on local governance and decentralization etc.



KEY ACHIEVEMENTS

- KILA is working on Localization of SDGs since 2016
- 941 GPs, 152 BPs and 14 DPs were facilitated for the preparation of Panchayat Development Plans
- Total 264101 ERs & line department functionaries were trained
- Total 4784 trainings were conducted
- Total 3.16 crore revenue was generated by the institute



CHALLENGES FACED

- Non data availability
- Lack of interest of line departments for data sharing
- Flood situations hindered the ongoing training and research activities



APPROACH TAKEN

- Collaborated with the State Disaster Management Authority and trained personal to effectively deal with and mitigate disasters.
- Dedicated to the upliftment of the differently abled in the state by actively supporting these groups, pain and palliative care givers, Kudumbashree workers and Haritha Karma Sena.
- Strong team efforts for execution of every task



SUPPORT RECEIVED

- Apart from numerous government departments, KILA collaborates with various national and international universities and UN agencies are now coming forward to collaborate with KILA further underlying the importance of such an institution for the social, political and cultural fabric of our democracy



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- KILA aims to better its physical infrastructure at each of its campuses
- Provide support systems for its centralised and decentralised training programs
- Setting up an International Centre for Public Policy and Leadership Studies at its Thaliparamba campus to further serve the youth in frontiers of democratic governance.
- KILA is strengthening itself to facilitate and capacitate the local governments in playing vital roles in these development and governance processes.

राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एसआईआरडी-पीआर)

राज्य: ओडिशा



पंचायत क्षमता निर्माण सर्वोत्तम संस्थान पुरस्कार



प्रोफाइल:

- एसआईआरडी एवं पीआर, ओडिशा जिला और ब्लॉक दोनों स्तरों पर इन-हाउस, ऑफ-कैंपस और कैस्केडिंग मोड के माध्यम से प्रशिक्षण आयोजित करता है, जिसमें आउटरीच को अधिकतम करने के लिए भौतिक और आभासी प्रारूपों का उपयोग किया जाता है।
- 19 जिला पंचायत संसाधन केन्द्रों, 3 विस्तार प्रशिक्षण केन्द्रों, 30 जिला परिषदों और 314 पंचायत समितियों द्वारा समर्थित यह पहल ज्ञान के प्रसार को प्रभावी ढंग से सुगम बनाती है।
- इसने सार्थक मान्यता के लिए एनपीए मानकों, सीएफसी-एसएफसी अनुदान उपयोग और ओएसआर मेट्रिक्स को एकीकृत करके राज्य पंचायत पुरस्कार मानदंडों को परिष्कृत किया।



मुख्य उपलब्धियाँ

- एसआईआरडी एवं पीआर ने 38,618 से अधिक प्रतिभागियों के लिए 3,174 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जिससे राज्य भर में कुल 1.72 लाख प्रशिक्षित व्यक्ति शामिल हुए हैं।
- संस्थान ने प्रशिक्षुओं को आवश्यक डिजिटल कौशल से लैस करने के लिए एक अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब की स्थापना की है और आरामदायक शिक्षण वातावरण सुनिश्चित करने के लिए 100 बिस्तरों वाले छात्रावास का निर्माण कर रहा है।
- पीआरएंडडीडब्ल्यू विभाग की एक महत्वपूर्ण पहल में 13,000 से अधिक जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की नियुक्ति शामिल है, जिनमें 398 जूनियर इंजीनियर (जेई), 79 ग्राम पंचायत विकास अधिकारी (जीपीडीओ), 2,000 से अधिक पंचायत कार्यकारी अधिकारी (पीईओ), 4,438 अकाउंटेंट सह डाटा एंट्री ऑपरेटर (एडीईओ) और 6,794 ग्राम रोजगार सेवक (जीआरएस) शामिल हैं।



चुनौतियाँ

- डिजिटल साक्षरता को बढ़ाना एक बड़ी चुनौती है
- हार्डिप पर पड़े समुदायों तक निरंतर पहुंच का अभाव
- आंतरिक प्रशिक्षण अवसरों को बढ़ाने के लिए राज्य और जिला स्तर पर अपर्याप्त बुनियादी ढांचे का विकास।



दृष्टिकोण

- पंचायती राज प्रणाली के अंतर्गत प्रशासन और परिचालन दक्षता को मजबूत करने के लिए पीआरएंडडीडब्ल्यू विभाग के लिए प्रमुख नीति दस्तावेज विकसित किए गए, जिनमें पेसा नियम, प्राथमिक विवाद समाधान पर प्रशिक्षण मॉड्यूल, नागरिक चार्टर शामिल हैं



प्राप्त समर्थन

- अंगुल, ढेंकनाल, कोरापुट और क्योझर (विषय 4 और 5) में 136 ग्राम पंचायतों के विकास के लिए सहायता प्रदान करने के लिए पारिस्थितिकी सुरक्षा फाउंडेशन (एफईएस) के साथ सहयोग किया गया
- मयूरभंज, क्योझर, कालाहांडी, कंधमाल, रायगढ़ा और कोरापुट के 11 ब्लॉकों में 55 ग्राम पंचायतों में 'गरीबी मुक्त और उन्नत आजीविका', 'जल पर्याप्त ग्राम पंचायत' और 'महिला द्वितैषी ग्राम पंचायत' विषयों पर काम करने के लिए विकास कार्य के लिए व्यावसायिक सहायता (PRADAN) के साथ सहयोग किया गया।



सततता के लिए रोडमैप

- राज्य स्तर पर 12 नए विषयगत विशेषज्ञों को शामिल करके इसकी प्रगति को आगे बढ़ाना, 200 ग्राम पंचायतों के लिए आईएसओ प्रमाणन की सुविधा प्रदान करने की महत्वाकांक्षी योजना
- 60 ग्राम पंचायतों में पंचायत लर्निंग सेंटर (पीएलसी) स्थापित करना।
- 500 लोगों की बैठने की क्षमता वाले अत्याधुनिक बहुउद्देशीय सभागार का निर्माण करना।
- 2024-25 में आईएसओ प्रमाणन के लिए आवेदन करने की योजना
- एक व्यापक मानव संसाधन और प्रशिक्षण नीति की शुरुआत, जिसमें पुनर्चर्चा, अभिमुखीकरण, मध्य-सेवा और 15-दिवसीय प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल होंगे।

STATE INSTITUTE OF RURAL DEVELOPMENT & PANCHAYATI RAJ (SIRD&PR)

STATE: ODISHA



**Panchayat
Kshamta
Nirman Sarvottam
Sansthan Puraskar**



Profile:

- SIRD & PR, Odisha conducts training through in-house, off-campus, and cascading modes at both district and block levels, utilizing physical and virtual formats to maximize outreach.
- Supported by 19 District Panchayat Resource Centres, 3 Extension Training Centres, 30 Zilla Parishads, and 314 Panchayat Samitis, this initiative effectively facilitates knowledge dissemination.
- Training covers diverse topics, including Panchayati Raj governance, financial management, water and sanitation, social inclusion, and disaster management, enhanced by engaging IEC materials and inspiring success stories.
- It refined the State Panchayat Award criteria by integrating NPA standards, CFC-SFC grant utilization, and OSR metrics for meaningful recognition.



KEY ACHIEVEMENTS

- SIRD & PR has organized 3,174 training programs for over 38,618 participants, contributing to a total of 1.72 lakh trained individuals across the state.
- The institute has established a state-of-the-art computer lab to equip trainees with essential digital skills and is building a 100-bed hostel to ensure a comfortable learning environment.
- A significant initiative by the PR&DW Department includes the appointment of over 13,000 grassroots functionaries, comprising 398 Junior Engineers (JEs), 79 Gram Panchayat Development Officers (GPDOs), more than 2,000 Panchayat Executive Officers (PEOs), 4,438 Accountant cum Data Entry Operators (ADEOs), and 6,794 Gram Rozgar Sevaks (GRS).



CHALLENGES FACED

- Scaling up the digital literacy is a major challenge
- Lack of consistent outreach to marginalized communities
- Insufficient infrastructure development at state and district levels to increase in-house training opportunities.



APPROACH TAKEN

- Developed key policy documents for the PR&DW Department to strengthen governance and operational efficiency within the Panchayati Raj system including PESA rules, training module on customary dispute resolution, the Citizen Charter.



SUPPORT RECEIVED

- Collaborated with Foundation for Ecological Security (FES) for providing hand-holding support for developing 136 Gram Panchayats in Angul, Dhenkanal, Koraput, and Keonjhar (Themes 4 & 5).
- Collaborated with Professional Assistance for Development Action (PRADAN) for working on "Poverty Free & Enhanced Livelihoods," "Water Sufficient GP" and "Women Friendly GP" themes in 55 GPs across 11 blocks in Mayurbhanj, Keonjhar, Kalahandi, Kandhamal, Rayagada, and Koraput.



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Advancing its progress by engaging 12 new thematic experts at the state level, with ambitious plans to facilitate ISO certification for 200 Gram Panchayats
- To establish of Panchayat Learning Centres (PLCs) in 60 Gram Panchayats.
- To construct a state-of-the-art multi-purpose auditorium with a seating capacity of 500.
- Planning to apply for ISO certification in 2024-25
- Introduction of a comprehensive Human Resource and Training Policy, encompassing refresher, orientation, mid-service, and 15-day induction training programs.

यशवंतराव चव्हाण विकास प्रशासन अकादमी (यशदा)

राज्य: महाराष्ट्र



पंचायत क्षमता
निर्माण सर्वोत्तम
संस्थान पुरस्कार



प्रोफाइल:

- यशदा का मुख्यालय महाराष्ट्र के पुणे शहर में है, जो राज्य के सभी 6 प्रशासनिक प्रभागों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रणनीतिक रूप से स्थित है।
- राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी) अपनी स्थापना के समय से ही यशदा का एक अभिन्न अंग है।
- एसआईआरडी ग्रामीण क्षेत्र में विकास गतिविधि के संपूर्ण क्षेत्र में क्षमता निर्माण, अनुसंधान और ज्ञान साझाकरण को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।



मुख्य उपलब्धियाँ

- यशदा पंचायती राज संस्थाओं में सतत् विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण पर रोडमैप तैयार करने वाला पहला राज्य था।
- पीडीआई के लिए अवधारणा के प्रमाण को विकसित करने की प्रक्रिया को सुगम बनाया गया तथा राज्य की 30 ग्राम पंचायतों में पीडीआई की अवधारणा को कार्यान्वित किया गया।
- अन्य राज्य ईआर और पीआरआई कार्यकर्ताओं के लिए एक्सपोजर विजिट और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित और सुविधा प्रदान की गई।
- विकेंद्रीकृत शासन और सतत विकास लक्ष्य स्थानीयकरण को मजबूत करने के लिए अभिनव परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए यूनिसेफ, राष्ट्रीय महिला आयोग, न्याय विभाग के साथ साझेदारी की गई।
- स्वच्छ एवं हरित पंचायत तथा जल पर्याप्त पंचायत पर राष्ट्रीय कार्यशाला का सह-आयोजन
- यूनिसेफ के साथ मिलकर सीएफपी, डब्ल्यूएफपी और एसएसजेपी पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई।
- ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए पंचायत समिति में वर्चुअल क्लासरूम प्रशिक्षण सक्रिय किया गया।



चुनौतियाँ

- पुनर्गठित आरजीएसए के कारण, प्रशिक्षण लक्ष्य सामान्य प्रशिक्षण कैलेंडर से दोगुना हो गया।
- राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों के साथ-साथ थीम 4 और 5 पर राष्ट्रीय कार्यशाला की जिम्मेदारी संभालना



दृष्टिकोण

- विस्तार प्रशिक्षण केंद्रों का प्रभावी प्रबंधन और निगरानी
- यूनिसेफ, विश्वविद्यालयों और अन्य संगठनों जैसे विभिन्न एजेंसियों के साथ साझेदारी की गई
- एसडीजी स्थानीयकरण प्रशिक्षण डिजाइन और कार्यक्रम के लिए कोर ग्रुप बनाया गया
- यशदा में स्थापित एसडीजी सेल का उपयोग एलएसडीजी पहल के लिए किया गया
- क्षेत्र के मुद्दों का आकलन करने और उसके माध्यम से प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए हितधारकों के साथ परामर्श और कार्यशालाएं



प्राप्त समर्थन

- पंचायती राज मंत्रालय और एनआईआरडी एंड पीआर एक प्रमुख भागीदार हैं, जिन्होंने एसआईआरडी को एलएसडीजी और विकेंद्रीकृत शासन के लिए कई नवीन गतिविधियों को प्राप्त करने में मदद की है, साथ ही नीति और प्रशिक्षण डिजाइन पहलुओं में योगदान करने के लिए धन और अवसरों के संदर्भ में भी मदद की है।
- 34 जिलों की पीआरआई यानी जिला परिषदों, पंचायत समितियों और ग्राम पंचायतों ने प्रतिभागियों को भेजने, पीडीपी को लागू करने और गुणवत्तापूर्ण प्रसार के साथ समय पर प्रशिक्षण आयोजित करने में सहयोग किया।
- पदाधिकारियों के प्रशिक्षण के प्रभावी वितरण के लिए लाइन विभाग का सहयोग



सततता के लिए रोडमैप

- प्रत्येक विषयगत सतत् विकास लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में उप-समूहों के प्रभावी प्रदर्शन को बढ़ावा देना
- एसडीजी स्थानीयकरण और विकेंद्रीकृत शासन में सुधार के लिए नवीन गतिविधियों को चलाने के लिए अन्य स्रोतों/यशदा राजस्व से धन का अभिसरण
- यूएनएफपीए, यूनिसेफ, नीति आयोग आदि जैसे साझेदार संगठनों के साथ उनके कार्य और संसाधनों का लाभ उठाने के लिए सतत साझेदारी
- सभी हितधारकों को समय पर प्रशिक्षण, गुणवत्तापूर्ण विषय-वस्तु उपलब्ध कराना तथा सभी स्तरों पर वितरण

YASHWANTRAO CHAVAN ACADEMY OF DEVELOPMENT ADMINISTRATION (YASHADA)

STATE: MAHARASHTRA



**Panchayat
Kshamta
Nirman Sarvottam
Sansthan Puraskar**



Profile:

- YASHADA is based in Pune city of Maharashtra which is strategically located to cater training needs of all 6 administrative divisions of the State.
- The State Institute of Rural Development (SIRD) is an integral part of YASHADA since its inception.
- SIRD is committed to capacity building, research and facilitating knowledge sharing in the entire spectrum of development activity in the rural sector.



KEY ACHIEVEMENTS

- Yashada was first state to prepare road map on Localising SDG.in PRIs.
- Facilitated the process of developing proof of concept for PDI and piloted the concept of PDI in 30 GPs of the state.
- Organized and facilitated exposure visit and training programs for other state ERs & PRI functionaries
- Built partnerships with UNICEF, National Women Commission, DoJ for carrying out innovative projects for strengthening decentralized governance & SDG Localization
- Co-organised National workshop on clean & green Panchayat and water sufficient Panchayat
- Collaborated with UNICEF organised state level workshop on CFP, WFP & SSJP
- Virtual Classroom trainings activated in Panchayat Committee for online trainings.



CHALLENGES FACED

- Due to revamped RGSA, training targets doubled its usual training calendar.
- Shouldering the responsibility of National level programs as well like National workshop on Theme 4 & 5



APPROACH TAKEN

- Effectively managing and monitoring Extension Training Centers
- Partnerships made with various agencies like UNICEF, Universities, and such other organizations
- Created Core Group for SDG localization training designs and program
- SDG Cell established in YASHADA was leveraged for LSDG initiatives
- Consultations and workshops with stakeholders to gauge field issues and thereby revising training curriculum



SUPPORT RECEIVED

- MoPR and NIRD&PR as one of the key partner who helped SIRD achieve so many innovative activities for LSDGs and decentralized governance in terms of funds as well as opportunities to contribute at policy as well as training design aspects.
- PRIs i.e. Zilla Parishads, Panchayat Samitis and Gram Panchayats from 34 districts cooperated in sending participants, implementing PDPs and organizing trainings on time with quality dissemination
- Line Departments for effective delivery of trainings of functionaries



ROADMAP FOR SUSTAINABILITY

- Fostering effective performance of sub groups towards achieving each thematic SDG
- Convergence with funds from other sources/YASHADA revenue for carrying out innovative activities to improve SDG localization and decentralized governance
- Sustained partnerships with partner organizations such as UNFPA, UNICEF, NITI Aayog and the like for leveraging their work and resources
- State has formed Committees at all levels to implement SDG localization. Regular meetings and follow up with field



सशक्त पंचायत सतत् विकास



पंचायती राज मंत्रालय
भारत सरकार
Ministry of Panchayati Raj
Government of India



पंचायती राज मंत्रालय द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित



<https://panchayataward.gov.in/>



www.facebook.com/MinistryOfPanchayatiRaj



www.youtube.com/channel/UCEVBqQXipAuDqZsinwto4nA



[www.twitter.com/mopr_goi?ref_src=twsrc%5Egoogle%7Ctwcamp%5Eserp%7Ctwgr%5Eauthor](https://twitter.com/mopr_goi?ref_src=twsrc%5Egoogle%7Ctwcamp%5Eserp%7Ctwgr%5Eauthor)

